खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । सोमवार, 23 मार्च, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-79

मिडिल ईस्ट संकट पर पीएम मोदी की हाईलेवल बैठक

बनाया एक्शन प्लान

नयी दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां) ।

मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कैबिनेट कमिटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की अहम बैठक की अध्यक्षता की। प्रधानमंत्री आवास पर तीन घंटे से अधिक समय तक चली इस बैठक में मौजूदा वैश्विक हालात, उसके भारत पर संभावित प्रभाव और सरकार की तैयारियों का व्यापक आकलन किया गया। बैठक के दौरान कैबिनेट सेक्रेटरी ने वैश्विक स्थिति और अब तक उठाए गए कदमों पर विस्तृत प्रस्तुति दी।

कृषि, ऊर्जा और सप्लाई चेन पर विशेष फोकस

सीसीएस की बैठक में जिन प्रमुख मुद्दों पर चर्चा हुई उनमें कृषि, फर्टिलाइजर, फूड सिक्योरिटी, पेट्रोलियम, पावर, एमएसएमई, एक्सपोर्ट, शिपिंग और सप्लाई चेन जैसे अहम सेक्टर शामिल रहे। सरकार ने स्पष्ट किया कि मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष का असर शॉर्ट, मीडियम और लॉन्ग टर्म-तीनों स्तरों पर देखने को मिल सकता है। आम नागरिकों के लिए जरूरी खाद्य वस्तुओं और ईंधन की उपलब्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है।

खाद और बिजली आपूर्ति को लेकर सरकार का भरोसा

खरीफ सीजन के लिए खाद की जरूरतों पर सरकार ने कहा कि पिछले वर्षों में बनाए गए पर्याप्त भंडार के कारण किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराई जा सकेगी। साथ ही बिजली क्षेत्र को लेकर भी स्पष्ट किया गया कि सभी पावर प्लांट्स में पर्याप्त कोयला भंडार मौजूद है, जिससे देश में बिजली की कोई कमी नहीं होगी।

एलपीजी और ईंधन आपूर्ति को लेकर उठाए गए कदम

सरकार ने गैस डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम को मजबूत करने और सप्लाई पर दबाव कम करने के लिए कई कदम उठाए हैं। आधिकारिक बयान के अनुसार घरेलू एलपीजी की आपूर्ति सामान्य है और देश में कहीं भी गैस की कमी की स्थिति नहीं है। डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड व्यवस्था लागू होने से जमाखोरी पर भी अंकुश लगा है और पैनिक बुकिंग में कमी आई है। कमर्शियल एलपीजी आपूर्ति को चरणबद्ध तरीके से बहाल किया गया है, ताकि होटल, रेस्टोरेंट और अन्य आवश्यक सेवाओं को राहत मिल सके।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की स्थिति पर सरकार की नजर

मिडिल ईस्ट संकट के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का महत्व भी बैठक में चर्चा का विषय रहा। यह समुद्री मार्ग दुनिया की लगभग 20 प्रतिशत ऊर्जा आपूर्ति के लिए जिम्मेदार है और यहां किसी भी तरह की बाधा का वैश्विक ऊर्जा बाजार पर बड़ा असर पड़ सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सऊदी अरब, यूएई, कतर, बहरीन, कुवैत, जॉर्डन, फ्रांस, मलेशिया, इजरायल और ईरान के नेताओं से फोन पर बातचीत कर स्थिति का जायजा लिया है और क्षेत्र में शांति बनाए रखने की अपील की है। ▶10 पर

शहर गैस परियोजनाओं के तेज़ प्रसंस्करण के निर्देश

सरकार ने रविवार को कहा कि उसने गैस वितरण को सुव्यवस्थित करने और आपूर्ति दबाव को कम करने के प्रयासों को तेज़ कर दिया है, जिसके तहत शहर गैस परियोजनाओं के तेज़ प्रसंस्करण के निर्देश दिए गए हैं, साथ ही मुश्किल भू-राजनीतिक माहौल के बीच प्रमुख क्षेत्रों को वाणिज्यिक एलपीजी का आवंटन बढ़ाया गया है।एक बयान में सरकार ने यह भी कहा कि प्रमुख शहरों और शहरी क्षेत्रों में वाणिज्यिक एलपीजी उपभोक्ताओं को भी तरलीकृत पेट्रोलियम गैस की निर्भरता कम करने की व्यापक रणनीति के तहत पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) में बदलने की सलाह दी गई है।

'घरेलू एलपीजी आपूर्ति स्थिर बनी हुई है, वितरण केंद्रों पर किसी भी प्रकार की कमी की कोई सूचना नहीं है और पूरे देश में सामान्य वितरण पैटर्न जारी है,बयान में कहा गया। इसमें यह भी जोड़ा गया कि अधिकांश डिलीवरी डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) के माध्यम से की जा रही हैं, जबकि घबराहट में की गई बुकिंग अब कम हो गई हैं।

राजा सिंह को फिर मौत की धमकी

अमित शाह से माँगी सुरक्षा, कहा- अब और नहीं माँगूंगा मदद

हैदराबाद, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

गोशामहल के विधायक टी. राजा सिंह ने फोन कॉल और पत्रों के माध्यम से मिल रही लगातार मौत की धमकियों की शिकायत की है। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर अपने और अपने परिवार के लिए सुरक्षा घेरे की अपील की है। विधायक ने अपने पत्र में कहा कि ये धमकियां अब उनके परिवार के सदस्यों को भी निशाना बनाने लगी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कई शिकायतें दर्ज करने के बावजूद प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की है, जिससे वे गंभीर खतरे में हैं। न्यूज एजेंसी एएनआई के अनुसार, राजा सिंह ने कहा, लंबे समय से मुझे फोन कॉल और घर पर भेजे गए पत्रों के जरिए लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। अब इन धमकियों का दायरा बढ़ गया है और न केवल मुझे बल्कि मेरे परिवार को भी स्पष्ट रूप से निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि स्थानीय पुलिस में कई बार शिकायत दर्ज कराने के बावजूद कार्रवाई पूरी तरह विफल रही है। प्रशासन ने या तो लापरवाही दिखाई है या कार्रवाई करने में अनिच्छा, जिससे मेरा परिवार गंभीर खतरे में पड़ गया है। यह इस मुद्दे पर मेरा आखिरी पत्र है। अब मैं सुरक्षा की भीख नहीं मांगूंगा। मैंने धैर्य रखा और कानून की उचित प्रक्रिया का पालन किया, लेकिन मेरे सब्र का बांध अब टूट चुका है। मैं अपने परिवार की सुरक्षा के लिए प्रशासन को जिम्मेदार ठहराता हूं।

उच्च स्तरीय जांच और दोषियों को कड़ी सजा की मांग

विधायक ने धमकियों के स्रोत की गहन जांच और जिम्मेदार लोगों के लिए सख्त सजा की मांग की है। उन्होंने पत्र में स्पष्ट रूप से कहा, मेरी मांग है कि इन धमकियों के स्रोत की तत्काल, उच्च स्तरीय और समयबद्ध जांच की जाए। इस साजिश के पीछे शामिल व्यक्तियों और समूहों की त्वरित पहचान, गिरफ्तारी और उन्हें अनुकरणीय सजा दी जाए। राजा सिंह ने दावा किया कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद उन्हें केंद्रीय गृह मंत्रालय से कोई ठोस प्रतिक्रिया नहीं मिली है, जिससे उनकी चिंताएं और बढ़ गई हैं।

रक्षा के लिए हथियार उठाने की चेतावनी

राजा सिंह ने चेतावनी दी कि यदि उनके या उनके परिवार को कोई नुकसान पहुंचता है, तो वे अपनी रक्षा के लिए खुद कदम उठाने को मजबूर होंगे। उन्होंने कहा, इससे पहले भी मैंने कई पत्र भेजे हैं। मुझे मोबाइल पर धमकी भरे कॉल और कार्यालय में पत्र मिले हैं। मैंने हमेशा आपको और आपके कार्यालय को इस मामले पर अपडेट किया है, लेकिन बदले में मुझे केवल पावती पत्र मिलता है, इसके अलावा कुछ नहीं। यदि इन लोगों की वजह से मेरे परिवार के किसी भी सदस्य को कोई नुकसान होता है, तो मैं फिर से पुलिस के पास नहीं जाऊंगा। मैं खुद हथियार उठाऊंगा और जिम्मेदार लोगों को खत्म कर दूंगा। उसके बाद जो कुछ भी होगा, उसका जिम्मा उन लोगों पर होगा जिन्होंने मेरी शिकायतों को नजरअंदाज किया। मुझे उम्मीद है कि आप इसे गंभीरता से लेंगे और अभी कार्रवाई करेंगे।

लापरवाही से शौर्य पुरस्कार विजेता पुलिसाधकारी की मौत!

हैदराबाद, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिद्दीपेट कमिश्नरेट के 60 वर्षीय रिजर्व सब-इंस्पेक्टर (आरएसआई) तल्लापल्ली राजा संबैया की हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। उनके परिवार ने आरोप लगाया है कि 'लगातार चिकित्सा लापरवाही की श्रृंखला' ने उनकी मौत का कारण बनी। पुलिस ने कहा कि एक मामला दर्ज किया गया है और डॉक्टरों की एक टीम आरोपों की वैधता की जांच करेगी।

शौर्य पदक विजेता संबैया को 7 मार्च को एक दीर्घकालिक ग्लूटियल गांठ के इलाज के लिए यशोदा अस्पताल के हाईटेक सिटी शाखा में भर्ती कराया गया था। उनकी मौत 20 मार्च को हो गई, जिसके बाद उन्हें एक ही दिन में दो शल्यक्रियाओं सहित कई प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ा और बाद में एक बड़ी मस्तिष्क शल्यक्रिया हुई। उनकी पत्नी तल्लापल्ली तिरुपतम्मा द्वारा दर्ज की गई शिकायत के आधार पर, पुलिस ने इसे संदिग्ध मौत मानते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 194 के तहत मामला दर्ज किया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया मोर्चरी में स्थानांतरित कर दिया गया है और चिकित्सा टीम की रिपोर्ट का इंतजार है।

अपनी शिकायत में, तिरुपतम्मा ने आरोप लगाया कि उनके पति को एक गैर-जानलेवा स्थिति के लिए भर्ती कराया गया था, लेकिन उन्हें लापरवाह और चिकित्सकीय रूप से अनुचित कार्रवाइयों' के अधीन किया गया। ''मेरे पति को ग्लूटियल गांठ के लिए भर्ती कराया गया था... जो कि एक जानलेवा स्थिति नहीं थी, ▶10 पर

ट्रंप के 48 घंटे वाले अल्टीमेटम पर ईरानी राष्ट्रपति का पलटवार

पागलपन धमकी से नहीं डरते

तेहरान, 22 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर ईरान को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया था। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में चेतावनी दी थी कि यदि ईरान अगले दो दिनों के भीतर बिना किसी शर्त और धमकी के इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को पूरी तरह से नहीं खोलता है, तो अमेरिका उसके बिजली संयंत्रों पर बमबारी करके उन्हें नष्ट कर देगा। उनकी इस धमकी पर ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान का जवाब आया है। पेजेश्कियान ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में लिखा, ईरान को नक्शे से मिटाने का भ्रम दरअसल उस हताशा को दर्शाता है, जो एक इतिहास रचने वाले राष्ट्र की दृढ़ इच्छाशक्ति के सामने खड़ी है। धमकियां और आतंक हमारे संकल्प को कमजोर नहीं, बल्कि और मजबूत करते हैं। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज सभी के लिए खुला है, सिवाय उनके जो हमारी जमीन और संप्रभुता का उल्लंघन करते हैं। हम युद्धभूमि में किसी भी पागलपन भरी धमकी का डटकर और निर्णायक तरीके से सामना करने के लिए तैयार हैं।

तुर्की टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, होर्मुज को लेकर ट्रंप की चेतावनी के बाद ईरान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इजरायल और खाड़ी देशों के नागरिकों को संभावित बाधाओं के लिए तैयार रहने की सलाह दी है। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान के सहयोगी इस्माइल सेकब इस्फहानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लोगों से अपील की कि वे अगले 48 घंटों के भीतर पानी का स्टॉक कर लें और अपने फोन चार्ज रखें।

नागरिकों को सतर्क रहने की अपील

उन्होंने यह भी कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में हालात ने ट्रंप पर दबाव बढ़ा दिया है और यदि अमेरिका और इजरायल क्षेत्र में ईरानी इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाते हैं, तो यह दबाव और बढ़ सकता है। उधर, ईरान के प्रथम उपराष्ट्रपति मोहम्मद रजा आरिफ ने चेतावनी दी कि अगर ईरान के इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला हुआ, तो पूरे क्षेत्र को बड़े पैमाने पर बिजली संकट का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा, ईरान के ऊर्जा ढांचे पर हमला पूरे इलाके में व्यापक ब्लैकआउट का कारण बन सकता है।

इससे पहले ईरान ने ट्रंप की धमकी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुश्मनों को छोड़कर बाकी सबके लिए खुला है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान का कहना है कि वह इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को पूरी तरह बंद नहीं रखना चाहता। इंटरनेशनल मैरीटाइम ऑर्गेनाइजेशन (आईएमओ) में ईरान के प्रतिनिधि अली मौसावी ने ▶10 पर

ईरान से सीजफायर वार्ता करना चाहते हैं ट्रम्प?

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, 22 मार्च (एजेंसियां)।

डोनाल्ड ट्रम्प की टीम ईरान के साथ सीजफायर पर बात करना चाहते हैं। इस काम में ट्रम्प के सलाहकार जेरेड कुशनर और स्टीव विटकॉफ भी लगे हुए हैं। यह जानकारी एक्सियोस न्यूज ने दी है।

हालांकि ईरान ने बातचीत के लिए शर्त रखी है कि पहले जंग रोकी जाए और उसे हुए नुकसान का मुआवजा दिया जाए। ईरान का यह भी कहना है कि भविष्य में उस पर फिर से हमला नहीं होगा, इसकी पक्की गारंटी मिले।दूसरी तरफ, ट्रम्प ने साफ कर दिया है कि वे अभी ईरान की सभी शर्तें मानने के लिए तैयार नहीं हैं, खासकर मुआवजे की मांग को। अमेरिका और ईरान के बीच सीधी बातचीत फिलहाल नहीं हो रही है। लेकिन मिस्र, कतर और ब्रिटेन जैसे देश मध्यस्थ का रोल निभा रहे हैं।अमेरिका चाहता है कि ईरान अपना मिसाइल प्रोग्राम कुछ समय के लिए बंद करे, यूरेनियम एनरिचमेंट रोक दे और अपने परमाणु ठिकानों को भी बंद करे। इसके अलावा, ईरान हिजबुल्लाह और हमास को पैसे देना भी बंद करे।

ईरान के राष्ट्रपति मसूज पजशकियान ने शनिवार को पीएम मोदी से फोन पर बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि ब्रिक्स को ईरान पर हो रहे हमले रोकने में भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स को बिना किसी दबाव के, अपने दम पर काम करना चाहिए और इस मामले में आगे आना चाहिए। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 33^0

न्यूनतम : 23^0

पश्चिम बंगाल में ताल ठोकेंगे ओवैसी

हुमायूं कबीर के साथ लड़ेंगे चुनाव!

कोलकाता/हैदराबाद, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)

पश्चिम बंगाल का सियासी मुकाबला और भी दिलचस्प हो गया है। लोकसभा सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने ऐलान किया है कि एआईएमआईएम विधानसभा चुनाव, ममता बनर्जी की पार्टी के बागी नेता हुमायूं कबीर के नए राजनीतिक दल आम जनता उन्नयन पार्टी के साथ मिलकर लड़ेगी।

एक ओर ममता बनर्जी बंगाल की मुस्लिम बहुल सीटों पर भावुक अपील कर चुकी हैं, दूसरी ओर उन्हीं के दल से बागी होकर नई पार्टी बनाने वाले हुमायूं कबीर के साथ ओवैसी का मिलकर चुनाव लड़ना बंगाल के मुस्लिम मतदाताओं को कंफ्यूज कर सकता है।

एम+एम फार्मूले पर लग सकता है असर

बंगाल में सरकार बनाने के लिए बहुमत का जादुई आंकड़ा 148 है। साल 2011 से बंगाल की सत्ता पर काबिज ममता बनर्जी ने प्रदेश में ऐसी व्यूह रचना कर रखी है, जिससे बीजेपी अब तक पार नहीं पा सकी है। ममता बनर्जी कई बार बीजेपी नेताओं के जीत के दावों के गुबार की हवा निकाल चुकी हैं। कहा जाता है कि दीदी की व्यूह रचना ऐसी है कि एम+एम फार्मूले के तहत टीएमसी को बहुमत के लिए राज्य की कुल 294 सीटों में बस 25 फीसदी सीटों पर मेहनत करनी होती है, बाकी 25 फीसदी (मुस्लिम बहुल आबादी वाली) सीटें वैसे ही झोली में आ गिरती हैं। ओवैसी के ऐलान पर प्रतिक्रिया देते हुए टीएमसी नेता जय प्रकाश ने कहा, ओवैसी को चुनाव लड़ने के लिए बीजेपी फंडिंग करती है। पहले के कई चुनावों में ऐसा हो चुका है। एआईएमआईएम का हैदराबाद के अलावा कहीं कोई असर नहीं है।

ममता बनर्जी के एम+एम फार्मूले में पहले एम का मतलब मुस्लिम मतदाता और दूसरे एम का मतलब महिला मतदाता हैं। मुस्लिम बहुल इलाकों में टीएमसी की बल्ले-बल्ले होने की वजह रॉकेट साइंस नहीं, ▶10 पर

तेलंगाना में ड्राइविंग लाइसेंस के नए नियम

एलएलआर से पहले देनी होगी 3 घंटे की परीक्षा

हैदराबाद, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

सड़क सुरक्षा में सुधार और बढ़ती दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए परिवहन विभाग ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने की प्रक्रिया को और अधिक सख्त एवं बहुस्तरीय बनाने जा रहा है। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए, नई प्रणाली के तहत अब लर्नर लाइसेंस के लिए आवेदन करने से पहले भी एक ऑनलाइन सड़क सुरक्षा जागरूकता परीक्षा अनिवार्य कर दी गई है।

भारत में सड़क दुर्घटनाओं के कारण सालाना लगभग 1.7 लाख मौतें होती हैं। अकेले तेलंगाना में हर साल लगभग 7,500 लोग अपनी जान गंवाते हैं, जबकि लगभग 28,000 लोग घायल होते हैं। अधिकारियों का कहना है कि लापरवाही से गाड़ी चलाना, अत्यधिक गति और जागरूकता की कमी इन दुर्घटनाओं के प्राथमिक कारण बने हुए हैं। इसी को देखते हुए अब तीन-स्तरीय लाइसेंसिंग प्रणाली लागू की जाएगी।

▶10 पर

मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच डब्ल्यूएचओ ने परमाणु घटना की संभावना को लेकर तैयारी शुरु की

जिनेवा, 22 मार्च (एजेंसियां)।

मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव ने संभावित परमाणु संकट की आशंका बढ़ गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की पूर्वी भूमध्यसागरीय क्षेत्र (ईएमआरओ) की निदेशक हनान बाल्खी ने चेतावनी दी है कि संगठन इस क्षेत्र में किसी परमाणु घटना की संभावना को ध्यान में रखकर आपात तैयारियां तेज कर रहा है। बाल्खी के अनुसार, मौजूदा हालात में सबसे बड़ा खतरा किसी परमाणु घटना का है, जिसका असर न केवल संघर्ष वाले क्षेत्र बल्कि पूरी दुनिया पर विनाशकारी हो सकता है। ऐसी घटना होने पर इसके प्रभाव दशकों तक रह सकते हैं, जिससे मानव स्वास्थ्य, पर्यावरण और वैश्विक स्थिरता पर गंभीर असर पड़ेगा।

डब्ल्यूएचओ ने रेडिएशन एक्सपोजर, बड़े पैमाने पर हताहतों और दीर्घकालिक पर्यावरणीय नुकसान से निपटने के उपायों का पुनर्मूल्यांकन शुरू किया है। स्वास्थ्य अधिकारी पिछली परमाणु आपदाओं से सीख लेकर अपनी तैयारियों को अपडेट कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि केवल हथियारों के प्रयोग से ही खतरा नहीं है, बल्कि न्यूक्लियर इंफ्रास्ट्रक्चर या ऊर्जा केंद्रों पर हमले भी रेडियोलाजिकल घटना का कारण बन सकते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में भी इस मुद्दे को लेकर चिंता बढ़ रही है। अमेरिकी रक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी राबर्ट कैडलेक ने बताया कि अमेरिका को दो परमाणु संपन्न देशों के बीच संतुलन बनाए रखने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने चीन और रूस से बढ़ते न्यूक्लियर, मिसाइल और स्पेस खतरे पर भी ध्यान दिलाया। कैडलेक ने थिएटर-रेंज न्यूक्लियर विकल्पों की आवश्यकता पर जोर दिया, जो आधुनिक युद्ध रणनीति का अहम हिस्सा बनते जा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि वर्तमान स्थिति में किसी भी छोटी चूक से बड़े वैश्विक संकट की संभावना है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सतर्कता, कूटनीतिक प्रयास और रणनीतिक तैयारी पहले से कहीं अधिक जरूरी हो गई है। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव ने न केवल क्षेत्रीय बल्कि वैश्विक स्थिरता के लिए गंभीर चुनौती पेश कर दी है, और सभी संबंधित देश और संगठन अपनी नीतियों और तैयारियों को अपडेट कर जोखिम कम करने की कोशिश कर रहे हैं। यह रिपोर्ट दर्शाती है कि परमाणु खतरों से निपटने के लिए समय रहते सतर्कता और प्रभावी योजनाओं की आवश्यकता है, ताकि किसी भी अप्रत्याशित घटना के परिणामों को नियंत्रित किया जा सके।

न्यूज ब्रीफ

जेसी बकले ने आस्कर अवार्ड जीतकर रचा इतिहास

लास एंजेलस। हाल ही में आयरिश अभिनेत्री जेसी बकले ने फिल्म हैमनेट के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का प्रतिष्ठित आस्कर अवार्ड जीतकर इतिहास रच दिया है। जेसी बकले का यह पहला आस्कर अवार्ड है और वह इस श्रेणी में यह सम्मान हासिल करने वाली पहली आयरिश अभिनेत्री बन गई हैं। आयरिश अभिनेत्री जेसी बकले ने अपनी दमदार अभिनय क्षमता और बहुमुखी प्रतिभा के दम पर अंतरराष्ट्रीय सिनेमा में खास पहचान बनाई है। फिल्म हैमनेट में जेसी बकले ने विलियम शेक्सपियर की पत्नी एग्नेस हैथवे का किरदार निभाया है। यह ऐतिहासिक ड्रामा क्लोई झाओ के निर्देशन में बनी है और मैगी ओफारेल के उपन्यास पर आधारित है। फिल्म की कहानी शेक्सपियर और उनकी पत्नी के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने 11 वर्षीय बेटे हैमनेट की असमय मृत्यु के बाद गहरे शोक और पारिवारिक संघर्षों से गुजरते हैं। फिल्म में जेसी बकले के अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों दोनों ने सराहा है। उनके किरदार में भावनात्मक गहराई और संयम का अद्भुत संतुलन देखने को मिलता है, जिसने कहानी को और प्रभावशाली बना दिया। फिल्म का बड़ा भावनात्मक भार उनके प्रदर्शन पर टिका हुआ था, जिसे उन्होंने बेहद संवेदनशीलता के साथ निभाया। अवार्ड जीतने के बाद जेसी बकले भावुक नजर आईं और स्टेज पर जाते समय उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। उन्होंने खुद को संभालते हुए अपनी टीम और सहयोगियों का आभार जताया। हैमनेट को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी सराहना मिली है। फिल्म ने गोल्डन ग्लोब अवार्ड्स में सर्वश्रेष्ठ मोशन पिक्चर-ड्रामा का पुरस्कार जीता, साथ ही टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का पीपल्स चाइस अवार्ड और ब्रिटिश अकादमी फिल्म पुरस्कार में उत्कृष्ट ब्रिटिश फिल्म का सम्मान भी हासिल किया।

इजराइल ने की तेहरान पर मिसाइलों की बौछार, कतर का सैन्य हेलीकाप्टर क्रैश

तेहरान/दोहा। इजराइल ने ईरान के हमले के बाद तेहरान पर मिसाइलों की बौछार कर दी। ईरान के दक्षिणी इजराइल के दो कस्बों पर मिसाइल हमले किए जाने के बाद इजराइल की सेना ने तेहरान पर नए हमले शुरू किए हैं। उधर, कतर का एक सैन्य हेलीकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने रविवार सुबह (स्थानीय समयानुसार) बताया कि उसने तेहरान में मौजूद ईरानी आतंकी शासन के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाते हुए हमलों की एक नई लहर अभी-अभी शुरू की है। उधर, कतर के अधिकारियों के अनुसार, तकनीकी खराबी के कारण कतर का सैन्य हेलीकाप्टर समुद्र में क्रैश हो गया। अधिकारियों ने माना कि यह हादसा फारसी की खाड़ी में हुआ है। कतर के रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर बताया कि एक नियमित उड़ान के दौरान हेलीकाप्टर में तकनीकी खराबी आ गई। इसके कारण वह कतर के तट के पास क्रैश हो गया। मौके पर तलाशी और बचाव अभियान जारी है। रक्षा मंत्रालय ने यह नहीं बताया कि क्रैश के समय हेलीकाप्टर में कितने लोग सवार थे। उधर, ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की सेना ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सीधी चुनौती दी है। सेना ने कहा है कि अगर अमेरिका देश के परमाणु ऊर्जा संयंत्रों (पावर प्लांट) पर अगर हमला करता है तो वह मध्य-पूर्व में ऊर्जा और जलशोधन के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाएगी।

यूरोप पर अपनी रक्षा की जिम्मेदारी उठाने का दबाव बना रहा अमेरिका, चीन पर फोकस

वाशिंगटन। अमेरिका यूरोप पर अपनी रक्षा की जिम्मेदारी उठाने के लिए दबाव बना रहा है, जबकि वह महाद्वीप में अपनी मजबूत सैन्य उपस्थिति बनाए हुए है। यह एक ऐसा रणनीतिक बदलाव है जिसका भारत पर सीधा असर पड़ेगा, क्योंकि वाशिंगटन अब चीन और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र पर ज्यादा ध्यान केंद्रित कर रहा है। हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी की सुनवाई में अमेरिकी सांसदों और रक्षा अधिकारियों ने साफ कहा कि कि नाटो अब भी अमेरिकी रणनीति का केंद्रीय हिस्सा बना हुआ है, भले ही वाशिंगटन अपने सहयोगी देशों पर रक्षा खर्च बढ़ाने और जिम्मेदारी का ज्यादा हिस्सा उठाने के लिए दबाव डाल रहा हो। चेयरमैन माइक रोजर्स ने यूरोप में अमेरिकी सेनाओं की किसी भी समय से पहले की कटौती के खिलाफ चेतावनी दी और कहा कि ऐसा कदम रूस के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर कर सकता है। उन्होंने अपनी शुरुआती टिप्पणी में कहा कि समय से पहले सेना हटाना एक खतरनाक प्रतिरोधक अंतर पैदा करेगा ।

ईरानी मिसाइल हमलों से दहला इजरायल, अराद और दिमोना में भारी तबाही, 100 से ज्यादा घायल

तेल अवीव, 22 मार्च (एजेंसियां)।

ईरान और इजरायल के बीच जारी संघर्ष ने अब एक बेहद खतरनाक मोड़ ले लिया है। ईरान द्वारा किए गए ताजा मिसाइल हमलों में दक्षिणी इजरायल के दो प्रमुख शहरों अराद और दिमोना में बड़े पैमाने पर तबाही हुई है। इन हमलों में अब तक 100 से अधिक लोगों के घायल होने की पुष्टि हुई है, जिनमें मासूम बच्चों की संख्या काफी अधिक है। इजरायली अधिकारियों के मुताबिक, रिहायशी इलाकों को निशाना बनाकर किए गए इन हमलों में कई इमारतें जमींदोज हो गई हैं। अराद में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है, जहां 75 लोग घायल हुए हैं और उनमें से 10 की हालत अत्यंत नाजुक बनी हुई है। वहीं, परमाणु केंद्र के कारण संवेदनशील माने जाने वाले दिमोना शहर में भी मिसाइलें गिरी हैं, जिसमें 33 लोग घायल हुए हैं। घायलों में एक 10 वर्षीय बच्चा भी शामिल है, जिसे गहरी चोटें आई हैं। इन हमलों ने इजरायल के अभेद्य माने जाने वाले एयर डिफेंस सिस्टम पर भी सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। इमरजेंसी सेवाओं और फायरफाइटर्स के मुताबिक, बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने के लिए इंटरसेप्टर लान्च तो किए गए थे, लेकिन वे उन्हें बीच हवा में नष्ट करने में नाकाम रहे। ईरान के सरकारी मीडिया ने इस कार्रवाई को अपने नतांज परमाणु केंद्र पर हुए हमले का सीधा जवाब बताया है। इस बीच, अराद के मेयर ने बताया कि प्रभावित इलाकों से लगभग 150 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस स्थिति को भविष्य के अस्तित्व के लिए लड़ी जा रही जंग का एक कठिन दौर करार दिया है। उन्होंने अराद के मेयर से बात कर प्रभावितों को हर संभव सरकारी मदद पहुंचाने का भरोसा दिया है। नेतन्याहू ने अपने कार्यालय के निदेशकों और सभी मंत्रालयों को निर्देश दिए हैं कि वे राहत और बचाव कार्यों में पूरी शक्ति झोंक दें। दूसरी ओर, इजरायल के विदेश मंत्रालय ने ईरान पर सीधे तौर पर युद्ध अपराध और आतंकवाद का आरोप लगाया है। मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि ईरानी शासन जानबूझकर नागरिकों और बच्चों को निशाना बना रहा है। पूर्व प्रधानमंत्रियों नेफ्ताली बेनेट और यैर लैपिड ने भी इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है, जिससे स्पष्ट है कि आने वाले दिनों में क्षेत्र में सैन्य तनाव और अधिक बढ़ सकता है।

ईरान को ट्रंप ने दिया 48 घंटे का अल्टीमेटम कहा-होर्मुज स्ट्रेट नहीं खुला तो तबाही मचा देंगे

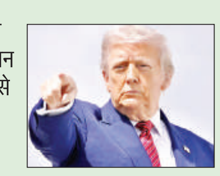

वाशिंगटन। पश्चिम एशिया में जारी भारी तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कड़ा अल्टीमेटम जारी किया है। ट्रंप ने स्पष्ट रूप से कहा है कि यदि ईरान ने अगले 48 घंटों के भीतर होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट आफ होर्मुज) को पूरी तरह से नहीं खोला, तो अमेरिकी सेना ईरान के पावर प्लांट्स को निशाना बनाकर उन्हें तबाह कर देगी। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए चेतावनी दी कि सैन्य कार्रवाई की शुरुआत ईरान के सबसे बड़े पावर प्लांट से की जाएगी। ईरान ने इजरायल और अमेरिका के हालिया हमलों के जवाब में होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया है। गौरतलब है कि दुनिया के कुल तेल व्यापार का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा इसी संकीर्ण समुद्री मार्ग से होकर गुजरता है। इस रास्ते की नाकेबंदी के कारण समुद्र में तेल के जहाजों की कतारें लग गई हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में ईंधन की कीमतों में जबरदस्त उछाल आया है और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर संकट गहरा गया है। इसी दबाव को देखते हुए ट्रंप प्रशासन ने ईरानी तेल से लदे जहाजों पर लगे कुछ प्रतिबंध हटाने की बात भी कही है ताकि कीमतों को नियंत्रित किया जा सके। तनाव उस समय और बढ़ गया जब ईरान ने हिंद महासागर में स्थित अमेरिका और ब्रिटेन के संयुक्त सैन्य अड्डे डिएगो गार्सिया पर हमला किया। लगभग 4,000 किलोमीटर दूर स्थित इस बेस पर हमले ने दुनिया को चौंका दिया है, क्योंकि इससे यह संकेत मिलता है कि तेहरान के पास पहले से अनुमानित क्षमता से कहीं अधिक लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइलें मौजूद हैं। इसके साथ ही, ईरान के नतांज स्थित मुख्य परमाणु संवर्धन संयंत्र पर भी शनिवार को हवाई हमला किया गया, जिससे स्थिति और अधिक विस्फोटक हो गई है। इजराइली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने स्पष्ट किया है कि आने वाले सप्ताह में ईरान के विरुद्ध सैन्य अभियानों की तीव्रता में भारी वृद्धि होगी। हालांकि, ट्रंप ने पश्चिम एशिया में सैन्य अभियानों को धीरे-धीरे कम करने के संकेत भी दिए हैं, लेकिन साथ ही क्षेत्र में अतिरिक्त युद्धपोत और मरीन सैनिकों की तैनाती की घोषणा ने अमेरिका की दोहरी रणनीति को उजागर किया है।

एफबीआई के पूर्व निदेशक राबर्ट मुलर का निधन, ट्रंप ने कसा तंज

वाशिंगटन, 22 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी (एफबीआई) के पूर्व निदेशक राबर्ट मुलर का 81 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके परिवार ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी और निजता बनाए रखने की अपील की। हालांकि, मृत्यु के कारणों का खुलासा नहीं किया गया है।

परिवार की ओर से जारी बयान में कहा गया, गहरे दुख के साथ हम यह साझा कर रहे हैं कि बाब का कल रात निधन हो गया। हम इस कठिन समय में निजता का सम्मान करने का अनुरोध करते हैं।

ट्रम्प की प्रतिक्रिया से विवाद

मुलर के निधन पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की प्रतिक्रिया ने विवाद खड़ा कर दिया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पोस्ट करते हुए तीखी टिप्पणी की, जिससे राजनीतिक हलकों में बहस तेज हो गई है।

एफबीआई के पूर्व डायरेक्टर राबर्ट मुलर के निधन पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने एक्स पोस्ट कर तंज कसते हुए लिखा, अच्छा हुआ, मुझे खुशी है कि वह मर गए. अब वह निर्दोष लोगों को नुकसान नहीं पहुंचा सकते।

लंबा और अहम करियर

राबर्ट मुलर अमेरिका के छठे एफबीआई निदेशक रहे। उन्हें 04 सितंबर 2001 को तत्कालीन राष्ट्रपति जार्ज डब्ल्यू बुश ने इस पद के लिए नामित किया था। उन्होंने लगभग 12 वर्षों तक इस पद पर कार्य किया और 2013 में सेवानिवृत्त हुए। मुलर विशेष रूप से उस जांच के लिए जाने जाते हैं, जिसमें उन्होंने 2016 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के दौरान ट्रम्प अभियान और रूस के बीच कथित संबंधों की जांच का नेतृत्व किया था। यह जांच करीब दो साल तक चली और अमेरिकी राजनीति में व्यापक चर्चा और विवाद का विषय बनी रही। हिमुलर का करियर जहां एक ओर कानून और जांच एजेंसियों में उनकी भूमिका के लिए याद किया जाएगा, वहीं दूसरी ओर उनकी अगुवाई में हुई जांच और उस पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी लंबे समय तक चर्चा में रहेंगी।

बांग्लादेश में ट्रेन और बस की टक्कर में 12 की मौत, 20 घायल

ढाका। बांग्लादेश में ढाका-चटगांव मार्ग पर तड़के कोमिला के पादुआ बाजार लेवल क्रासिंग पर ट्रेन और बस की टक्कर में 12 लोगों की जान चली गई । इस हादसे में 20 लोग घायल हो गए। इस दुर्घटना के बाद ढाका-चटगांव मार्ग पर तीन घंटे तक ट्रेनों का परिचालन निलंबित रहा। मृतकों में सात पुरुष, तीन महिला और दो बच्चे शामिल हैं। सूचना पाकर सेना, पुलिस, अग्निशमन सेवा और रेड क्रिसेंट के सदस्य पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। रिपोर्ट के अनुसार, कोमिला सदर दक्षिण थाना अंतर्गत ईपीजेड चौकी के सब-इंस्पेक्टर सैफुल इस्लाम ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि यह दुर्घटना लगभग 3 :00 बजे हुई। चटगांव जा रही मामून स्पेशल बस पादुआ बाजार लेवल क्रासिंग पर ट्रेन की चपेट में आ गई। बस ट्रेन के इंजन में फंस गई और ट्रेन के रुकने से पहले लगभग एक किलोमीटर तक घिसटती रही। बस को ट्रेन घसीटते हुए जंगाल्या-कचुआ इलाके तक ले गई। यात्रियों की चीख-पुकार सुनकर सबसे पहले स्थानीय लोग पहुंचे। बचावकर्मियों के घटनास्थल पर पहुंचने के बाद और घायलों को बाहर निकालकर कोमिला मेडिकल कालेज अस्पताल ले जाया गया। अग्निशमन सेवा के अधिकारियों ने बताया कि घटनास्थल से तीन शव बरामद किए गए, जबकि नौ अन्य लोगों की इलाज के दौरान मौत हो गई।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में 100 से ज्यादा राकेट दागे,गोलीबारी में सैकड़ों लोग विस्थापित

काबुल, 22 मार्च (एजेंसियां)।

पाकिस्तान ने पिछले तीन दिनों में अफगानिस्तान के कुछ हिस्सों में 100 से ज्यादा राकेट दागे हैं। इससे आम नागरिकों के घरों को नुकसान पहुंचा है। अफगानिस्तान के कुनार प्रांत के अधिकारियों ने आरोप लगाया है कि पिछले तीन दिनों में पाकिस्तान ने नारी और मनोगई जिलों को निशाना बनाकर संघर्ष विराम (सीज फायर) का उल्लंघन किया है। पाकिस्तान सेना की गोलीबारी से आजिज सैकड़ों लोग विस्थापित हो गए हैं।

कुनार प्रांत अफगानिस्तान के पूर्वोत्तर में है। यह पाकिस्तान की सीमा से लगा हुआ है। यह क्षेत्र हिंदू कुश पर्वत श्रृंखलाओं और कुनार नदी घाटी के लिए जाना जाता है। अपनी दुर्गम पहाड़ी भौगोलिक स्थिति के कारण सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। कुनार के उत्तर में नूरिस्तान प्रांत , पश्चिम में लघमान और दक्षिण में नंगरहार प्रांत हैं। रिपोर्ट के अनुसार, कुनार सूचना और संस्कृति विभाग के सूचना प्रमुख जिया-उर-रहमान स्पिन घर ने कहा, संघर्ष विराम के दौरान पाकिस्तान ने नारी और मनोगई जिलों में काल्पनिक डूरंड रेखा के पास के इलाकों में 100 से अधिक राकेट हमले किए। इससे कई निवासियों को आर्थिक नुकसान हुआ, हालांकि किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

नूरिस्तान के गवर्नर के प्रवक्ता फरीदौन समीम ने कहा, पहले प्रतिदिन दर्जनों वाहन इस रास्ते का इस्तेमाल करते थे और एम्बुलेंस भी यहां से गुजरती थीं। अब पाकिस्तान की सेना लोगों को यात्रा करने की अनुमति नहीं देती है। जो कोई भी इस रास्ते का इस्तेमाल करता है उस पर गोलीबारी की जाती है।

इस बीच, नूरिस्तान के कामदेश और बर्ग-ए-मतल जिलों के निवासियों का कहना है कि संघर्ष के कारण सड़कें बंद हो गई हैं। इससे उन्हें गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। यात्रा के दौरान पाकिस्तान की सेना उन्हें निशाना बनाती है। एक निवासी ने कहा, जो कोई भी नूरिस्तान जाने के लिए इस रास्ते का इस्तेमाल करता है उस पर गोली चलाई जाती है और उसे आगे जाने की अनुमति नहीं दी जाती है। कुनार केअधिकारियों के अनुसार, पाकिस्तान की सेना की छिटपुट गोलाबारी के कारण काल्पनिक डूरंड रेखा के पास के इलाकों से लगभग 7,500 परिवार विस्थापित हो गए हैं और अब कुनार नदी के किनारे तंबुओं में रह रहे हैं।

कहां हैं डिएगो गार्सिया द्वीप जिस पर हमला कर ईरान ने अमेरिका की कमजोर नस पर किया प्रहार

डिएगो गार्सिया, 22 मार्च (एजेंसियां)।

हिंद महासागर में मौजूद डिएगो गार्सिया फिर से सुर्खियों में है। इसकी वजह ईरान-अमेरिका की जंग है। रणनीतिक रूप से अहम द्वीप पर अमेरिका और ब्रिटेन का संयुक्त मिलिट्री बेस है। यहां से अमेरिका साउथ एशिया, वेस्टं एशिया और अफ्रीका पर नजर रखना बेहद आसान है। सबसे खास बात यह है कि डिएगो गार्सिया से हिंद महासागर में चीन की बढ़ती महत्वाककांक्षा को नियत्रिंत किया जा सकता है। ईरान ने डिएगो गार्सिया की ओर बैलिस्टिक मिसाइल्स दागी हैं। एक मिसाइल बीच रास्तेग में ही रह गई, जबकि दूसरे को इंटरसेप्ट् किया गया। डिएगो गार्सिया का महत्वी इस बात से समझा जा सकता है कि इसमें बी-2 और बी-52 जैसे खतरनाक अमेरिकी बाम्बंर का यह आइलैंड दूसरे घर की तरह है। अमेरिका ने इसी द्वीप से गल्फ और इराक वार को कंट्रोल किया था। अब ईरान युद्ध में भी यह अहम केंद्र बना है।

हिन्दक महासागर के बीचों-बीच स्थित डिएगो गार्सिया एक छोटा सा द्वीप है, लेकिन इसकी रणनीतिक अहमियत बहुत बड़ी है। यह द्वीप चागोस द्वीपसमूह का हिस्सा है। यह अफ्रीका, मध्य पूर्व और एशिया के बीच स्थित है। इसकी सबसे बड़ी ताकत इसकी भौगोलिक मौजूदगी है। यह लाल सागर के मुहाने पर स्थित बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य और दक्षिण-पूर्व एशिया के मलक्का स्ट्रेकट से करीब समान दूरी पर है। इसका मतलब है कि यहां से अमेरिका पूरे हिन्दर महासागर क्षेत्र में अपनी सैन्य शक्ति का प्रभावी ढंग से संचालन कर सकता है।

बात दें कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जैसे-जैसे उपनिवेशवाद खत्म हुआ, अमेरिका को यह चिंता होने लगी उसके विदेशी सैन्य ठिकानों तक पहुंच सीमित हो सकती है। क्योंकि पूर्व सोवियत संघ और चीन के मुकाबले अपनी सैन्य मौजूदगी बनाए रखना जरूरी था। इसी रणनीति के तहत 1960 के दशक में अमेरिका ने ब्रिटेन के साथ मिलकर चागोस द्वीपसमूह को मारीशस से अलग कर एक नया क्षेत्र तैयार किया। इस ब्रिटिश इंडियन ओशन टेरिटरी नाम दिया गया। इसके बदले अमेरिका ने ब्रिटेन को आर्थिक सहायता भी दी। यही वह दौर था जब डिएगो गार्सिया को एक बड़े सैन्य अड्डे के रूप में तैयार किया गया। वर्तमान में यहां कोई स्थायी नागरिक आबादी नहीं है, लेकिन करीब 4,000 अमेरिकी और ब्रिटिश सैन्य व नागरिक कर्मी तैनात हैं, यह अड्डा पर्शियन गल्फ युद्ध, अफगानिस्तान (2001) और इराक (2003) युद्धों में अहम भूमिका निभा चुका है।

आज के दिन डिएगो गार्सिया अमेरिका की सैन्य ताकत का प्रमुख केंद्र है। यहां लंबी रनवे वाली एयरफील्ड है, जहां बोइंग बी-52 स्ट्रैटोफोर्ट्रेस जैसे भारी बमवर्षक विमान, टैंकर, निगरानी विमान और ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट आसानी से उतर सकते हैं। इसके अलावा यहां विशाल ईंधन भंडारण, रडार सिस्टम और कंट्रोल टावर मौजूद हैं, जो लंबी दूरी के सैन्य अभियानों को संभव बनाते हैं। समुद्री मोर्चे पर भी यह अड्डा उतना ही मजबूत है। यहां का डीप वाटर पोर्ट बड़े वारशिप, एयरक्राफ्ट कैरियर्स और सबमरीन के ठहरने, मरम्मत और आपूर्ति की सुविधा देता है।

मोदी के सरकार के प्रमुख के तौर पर 8931 दिन पूरा होने को भाजपा नेताओं ने बताया राष्ट्रसेवा का प्रतीक

नयी दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सरकार के प्रमुख के तौर पर 8931 दिन पूरे होने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें बधाई दी और उनके कार्यकाल को राष्ट्रसेवा का उदाहरण बताया। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने एक पोस्ट में लिखा कि प्रधानमंत्री मोदी का 8931 दिनों का सार्वजनिक जीवन केवल राजनीतिक यात्रा नहीं, बल्कि तप, त्याग और राष्ट्रसेवा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में मोदी ने विकास और सुशासन का मजबूत मॉडल पेश किया और प्रधानमंत्री बनने के बाद ''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास'' के मंत्र के साथ देश को नई दिशा दी।

श्री नवीन ने लिखा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में आधारभूत ढांचे का तेजी से विकास हुआ, डिजिटल क्रांति आई और कई जनकल्याणकारी योजनाएं लागू हुईं। प्रधानमंत्री जन धन योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी योजनाओं से करोड़ों लोगों को फायदा मिला है। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मोदी जी की दशकों की सेवा ने भारत को एक नए दौर में पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि गरीबों को

अधिकार दिलाने, विकास के नए आयाम स्थापित करने और दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाने में पीएम मोदी की बड़ी भूमिका रही है। श्री शाह ने यह भी कहा कि 24 साल से बिना छुट्टी लिए लगातार देश सेवा करना उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी अब भारत में सबसे लंबे समय तक सरकार के प्रमुख रहने वाले नेता बन गए हैं। उन्होंने कहा कि मोदी का जीवन राष्ट्र और जनता के प्रति समर्पण का उदाहरण है। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी ने सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चमलिंग के 8930 दिनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

वहीं कई भाजपा नेताओं ने अपने पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत का वैश्विक सम्मान बढ़ा है और ''विकसित भारत'' का लक्ष्य एक जनआंदोलन बन चुका है। उन्होंने इस उपलब्धि को देश के लिए प्रेरणादायक बताया।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने एक्स पर अपने पोस्ट में लिखा कि प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व, उनकी कार्यक्षमता और देश को आगे बढ़ाने का संकल्प सभी के लिए प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में उनका हर निर्णय और हर कदम ''राष्ट्र प्रथम'' की भावना से प्रेरित रहा है। उन्होंने आगे लिखा कि श्री मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से ''विकसित भारत'' की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सरकार की नीतियों में गरीब, युवा, महिला और किसान सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है, जिससे समाज के हर वर्ग को लाभ मिला है।

यूएनआई मुख्यालय खाली कराने में पत्रकारों से पुलिस दुर्व्यवहार निंदनीय : अमजा

देहरादून, 22 मार्च (एजेंसियां)। ऑल मीडिया जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन (अमजा) उत्तराखंड ने देश की सबसे पुरानी बहुभाषीय समाचार एजेंसी यूनाईटेड न्यूज ऑफ इंडिया (यूएनआई) के दिल्ली मुख्यालय में कार्यरत पत्रकारों से हिंसक दुर्व्यवहार की घोर निंदा की है।अमजा के अध्यक्ष बृजेंद्र हर्ष तथा महामंत्री रवींद्रनाथ कौशिक ने इस प्रकरण को पत्रकारों के अपमान और स्वतंत्र पत्रकारिता पर प्रहार बताते हुए कहा है कि उच्च न्यायालय के आदेश के बहाने संपत्ति खाली कराने को पुलिस और प्रशासन ने जिस प्रकार समाचार प्रेषण के संवेदनशील और तनावपूर्ण समय में पत्रकारों को वरिष्ठ प्रबंधन से संपर्क का अवसर दिये बिना जो शत्रुवत व्यवहार किया, वह इस सरकार में अभूतपूर्व है। हर्ष और कौशिक ने मांग की कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना की समयबद्ध निष्पक्ष जांच हो और इस व्यवहार के लिए उत्तरदायी अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाये। उन्होंने कहा कि अमजा इसे लेकर यूएनआई पत्रकार और कर्मचारी संघ का हर स्तर पर सहयोग करेगा। उन्होंने कहा कि संपत्ति विवाद में पत्रकारों से दुर्व्यवहार का कोई मतलब नही है। उन्होंने कहा कि इससे पूरे देश के पत्रकार आहत हुए हैं। एसोसियेशन ने महिला पत्रकारों तक से दुर्व्यवहार तथा हाथापाई की सूचनाओं को गंभीरता से लेते हुए पत्रकार समुदाय से समवेत आंदोलन का आग्रह करते हुए अपने पूर्ण समर्थन और सहयोग का वादा किया है।

भारतीय शिक्षा बोर्ड छात्रों को चरित्रवान व राष्ट्र के प्रति जिम्मेदार बनाएगा : बाबा रामदेव

मऊ, 22 मार्च (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय योग गुरु बाबा रामदेव ने रविवार को कहा कि भारतीय शिक्षा बोर्ड के उद्देश्य देश को शिक्षा की गुलामी से मुक्त कराना है और थॉमस बबिंगटन मैकाले की शिक्षा प्रणाली से बाहर निकलना समय की आवश्यकता है।जिला मुख्यालय स्थित लिटिल फ्लावर स्कूल समूह, सिकटिया में आयोजित कार्यक्रम में बाबा रामदेव ने कहा कि वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में संस्कारों की कमी है, जबकि भारतीय शिक्षा बोर्ड की प्रणाली छात्रों को ज्ञानवान के साथ-साथ चरित्रवान और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनाएगी। उन्होंने कहा कि यह शिक्षा पद्धति छात्रों को अनावश्यक कोचिंग खर्च से बचाएगी और जाति, वर्ग तथा समुदाय से ऊपर उठकर हर विद्यार्थी को 'क्रिएटर' और दूरदर्शी नागरिक बनाने पर केंद्रित होगी। उन्होंने पारंपरिक शिक्षा व्यवस्था की आलोचना करते हुए कहा कि देश को राजनीतिक स्वतंत्रता तो मिल गई, लेकिन शिक्षा, चिकित्सा और विचारधारा के क्षेत्रों में अभी भी गुलामी बनी हुई है।

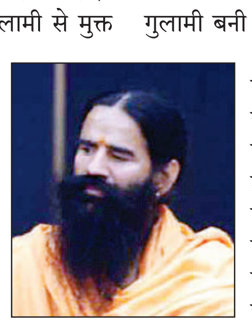

बाबा रामदेव ने बताया कि वर्तमान में लगभग एक लाख छात्र इस बोर्ड से जुड़े हैं और अगले 10 वर्षों में इसे 5 लाख तक पहुंचाने का लक्ष्य है। उन्होंने दावा किया कि इस बोर्ड से शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र समाज विरोधी गतिविधियों से दूर रहेंगे। कार्यक्रम में भारतीय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन एमपी सिंह ने भी लोगों से संवाद किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका परिषद अध्यक्ष अरशद जमाल ने की, जबकि संयोजक मुरलीधर यादव ने बाबा रामदेव के प्रथम मऊ आगमन पर उनका स्वागत किया। बाबा रामदेव ने यह भी कहा कि भारतीय शिक्षा बोर्ड आधुनिक और पारंपरिक शिक्षा का समन्वय है, जिसमें संस्कृत के साथ गणित, विज्ञान सहित सभी आवश्यक विषय शामिल हैं।

चुनाव आयोग का 2026 के चुनावों में सभी मतदान केंद्रों पर सुविधाओं को बेहतर बनाने का आदेश

नयी दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने 2026 के विधानसभा चुनावों एवं उपचुनावों के लिए 21 लाख से अधिक मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की सुविधा एवं पहुंच सुनिश्चित करने के लिए व्यापक दिशा-निर्देश दिया है।

चुनाव आयोग की ओर से रविवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 2,18,807 मतदान केंद्रों में से प्रत्येक में पीने का पानी, छायादार प्रतीक्षा क्षेत्र, पानी की सुविधा वाले शौचालय, पर्याप्त रोशनी, दिव्यांगजनों के लिए रैंप और मानक मतदान कक्ष जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

चुनाव आयोग ने 15 मार्च को असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं के साथ-साथ छह अन्य राज्यों में उपचुनावों के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की है।

शांतिपूर्ण चुनाव के लिए 2,400 केंद्रीय बल कंपनियों की तैनाती

एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए राज्य में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की 2,400 कंपनियों को तैनात करने का निर्णय लिया है।इस कदम को राज्य के चुनावी इतिहास में सबसे व्यापक सुरक्षा व्यवस्थाओं में से एक के रूप में देखा जा रहा है, जिसका उद्देश्य 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को होने वाले दो चरणों के चुनावों के दौरान और बाद में हिंसा को रोकना है।मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के सूत्रों के अनुसार, तैनाती पहले ही शुरू हो चुकी है और केंद्रीय बलों की 480 कंपनियां इस महीने की शुरुआत में राज्य में पहुंच चुकी हैं।

दिल्ली में तीन अस्पतालों को एकीकृत कर एम्स जैसा संस्थान बनाने की योजना : रेखा गुप्ता

नयी दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को कहा कि गुरु तेग बहादुर अस्पताल, दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान और राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल को एम्स जैसे संस्थान के रूप में एकीकृत करने के प्रस्तावित कदम से राजधानी में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के साथ-साथ स्नातकोत्तर और एमबीबीएस सीट में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।सरकारी बयान के अनुसार, दिल्ली सरकार एम्स मॉडल की तर्ज पर एक स्वायत्त चिकित्सा निकाय बनाने के लिए तीनों अस्पतालों का विलय करने की योजना बना रही है।

डिमोना पर ईरान के हमले में 180 लोग घायल आठ की हालत गंभीर : इजरायल

तेल अवीव, 22 मार्च (एजेंसियां)। इजरायल के दक्षिणी शहरों डिमोना और अराद पर ईरान के भीषण मिसाइल हमलों में 180 से अधिक लोग जख्मी हो गए। इनमें से आठ की हालत गंभीर है।

इन शहरों पर हुए हमलों का मुख्य उद्देश्य डिमोना के पास स्थित 'शिमोन पेरेज नेगेव परमाणु अनुसंधान केंद्र' को निशाना बनाना था। ईरान ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई इजरायल द्वारा नतांज परमाणु केंद्र पर किए गए हमलों के प्रतिशोध में की गई है।

इजरायल के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, ईरान के इन मिसाइल हमलों में दो बच्चों सहित 100 से अधिक लोग घायल हुए हैं, जिनमें से 11 की हालत नाजुक है। इजरायली मीडिया के अनुसार, देश की अत्याधुनिक वायु रक्षा प्रणाली कम से कम दो बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने में विफल रही, जिसकी अब उच्च स्तरीय जांच की जा रही है।

एक इज़रायली सैन्य प्रवक्ता ने कहा कि हमलों के दौरान हवाई रक्षा प्रणालियों को सक्रिय किया गया था, लेकिन वे कुछ मिसाइलों को रोकने में

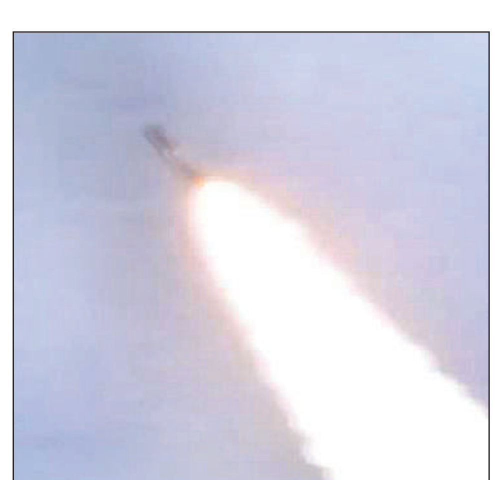

File Photo

विफल रहीं, भले ही वे ''विशेष या अपरिचित'' नहीं थीं।

गौरतलब है कि डिमोना और अराद शहर नेगेव रेगिस्तान में स्थित हैं और इजरायल के संवेदनशील ढांचे का हिस्सा हैं। डिमोना को विश्व स्तर पर इजरायल के संदिग्ध परमाणु हथियार कार्यक्रम के केंद्र के रूप में जाना जाता है। अराद शहर कई प्रमुख इजरायली रक्षा बलों के ठिकानों के पास स्थित है और परमाणु संयंत्र में काम करने वाले कर्मियों का आवासीय केंद्र भी है।

ईरान ने इन दोनों शहरों को इसलिए चुना क्योंकि ये परमाणु बुनियादी ढांचे और सैन्य रसद की एक साझा शृंखला बनाते हैं। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि यह देश के लिए एक कठिन शाम थी। उन्होंने और आईडीएफ के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल एयाल ज़मीर ने संकल्प लिया है कि इजरायल ईरान पर हमले जारी रखेगा, जहां 28 फरवरी के बाद से अमेरिकी-इजरायली हमलों में 200 बच्चों सहित 1500 लोगों की मौत हो चुकी है।

श्री नेतन्याहू ने प्रभावित शहरों के महापौरों से बात कर उन्हें सुरक्षा और जवाबी कार्रवाई का भरोसा दिलाया है।

मोदी ने विश्व जल दिवस पर जल संरक्षण का किया आह्वान

नयी दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को विश्व जल दिवस के अवसर पर नागरिकों से जल संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को नवीकृत करने का आग्रह किया और जीवन को बनाए रखने और ग्रह के भविष्य को आकार देने में जल की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया। एक्स पर पोस्ट किए गए अपने एक संदेश में, प्रधानमंत्री ने ज़िम्मेदार उपयोग और सामूहिक कार्रवाई के महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि जल हमारा जीवन है और हमारे ग्रह के भविष्य को आकार देता है। उन्होंने देशवासियों से पानी की हर बूंद को बचाने और उसका ज़िम्मेदारी से उपयोग करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराने का आह्वान किया। श्री मोदी ने इस अवसर पर सतत जल प्रबंधन की दिशा में कार्य कर रहे लोगों एवं समुदायों के प्रयासों की सराहना की।

भारत के लिए कॉलेजियम प्रणाली फिलहाल सबसे उपयुक्त है : पूर्व प्रधान न्यायाधीश गवई

बेंगलुरु, 22 मार्च (एजेंसियां)। देश के पूर्व प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी आर गवई ने रविवार को कहा कि कम से कम फिलहाल के लिए कॉलेजियम प्रणाली भारत के लिए सबसे उपयुक्त है।

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सरकार को अदालतों में लंबित मामलों को कम करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय मुकदमा नीति पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) 'सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन' (एससीबीए) के पहले राष्ट्रीय सम्मेलन -2026 के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे, जिसका शीर्षक था 'न्यायिक शासन की पुनर्कल्पना: लोकतांत्रिक न्याय के लिए संस्थानों को मजबूत करना।'

गवई ने कहा, ''कॉलेजियम के कामकाज के संबंध में एक मुद्दा उठाया गया था। मैं यह नहीं कहूंगा कि कॉलेजियम प्रणाली एक त्रुटिहीन प्रणाली है। कोई भी प्रणाली परिपूर्ण नहीं हो सकती। हर प्रणाली के अपने फायदे और नुकसान होते हैं। लेकिन इतने वर्षों तक काम करने के बाद, मुझे लगता है कि कम से कम फिलहाल के लिए, कॉलेजियम प्रणाली हमारे देश के लिए सबसे उपयुक्त है।''

उन्होंने कहा कि कॉलेजियम मनमाने ढंग से काम नहीं करता है। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और

दो वरिष्ठतम न्यायाधीशों की कॉलेजियम द्वारा न्यायाधीशों के नामों की सिफारिश की जाती है, और उसके बाद यह केंद्र सरकार को भेजा जाता है।

उन्होंने कहा, ''केंद्र सरकार, खुफिया विभाग और सभी पक्षों से सुझाव एकत्र किए जाते हैं, और उसके बाद उच्चतम न्यायालय की कॉलेजियम अंतिम निर्णय लेती है। नामों को भेजे जाने के बाद भी यदि सरकार या कार्यपालिका को कोई आपत्ति होती है, तो उन आपत्तियों को कॉलेजियम के समक्ष रखा जाता है। कॉलेजियम आपत्तियों पर विचार करता है और उसके बाद अंतिम फैसला किया जाता है।''

उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या और न्यायाधीशों की नियुक्तियों के बीच भारी अंतर पर पूर्व प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने कई बार अपने फैसले में कहा है कि कॉलेजियम द्वारा दूसरी बार सिफारिश किए जाने पर कार्यपालिका नियुक्ति करने के लिए बाध्य है।

उन्होंने कहा, ''लेकिन मुझे यह खेद है कि कई ऐसे नाम हैं, जिन्हें दूसरी सिफारिश के बाद भी कार्यपालिका ने अभी तक मंजूरी नहीं दी है। यह आरोप-प्रत्यारोप का खेल नहीं है, पर इस मुद्दे को मुझे उठाना ही होगा।''

उन्होंने रेखांकित किया कि उच्च न्यायालय के न्यायाधीश उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों से कमतर नहीं हैं। न्यायमूर्ति गवई ने न्यायाधीशों के स्थानांतरण के संबंध में कहा कि दोनों ही संवैधानिक पदाधिकारी हैं, लेकिन कुछ विशेष परिस्थितियों में स्थानांतरण करना आवश्यक हो जाता है।

उन्होंने कहा, ''मैं एक प्रश्न पूछता हूँ कि यदि कोई विशेष न्यायाधीश एक से अधिक अवसरों पर उच्चतम न्यायालय के निर्णयों की अवहेलना करता है, और किसी मामले में शीर्ष अदालत द्वारा स्पष्ट किए गए विचारों के विपरीत रुख अपनाता है, तो क्या कॉलेजियम को शांत बैठना चाहिए या सुधारात्मक कदम उठाने चाहिए? चूँकि बार (अधिवक्ता संघ) न्यायाधीशों की जननी है, इसलिए मैं यह मुद्दा बार के समक्ष रखना चाहता हूँ।''

पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के बीच संतुलन बनाए रखने का पक्ष लेते हुए पूर्व प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि अदालतें केवल हस्तक्षेप करने के लिए पर्यावरण के मामलों में दखल नहीं देतीं; बल्कि वास्तविकता यह है कि अदालतों के फैसलों के कारण ही देश के जंगल सुरक्षित हैं।

उन्होंने कहा, ''उच्चतम न्यायालय के फैसलों के कारण ही प्रदूषण से जुड़े मुद्दों का समाधान किया गया है। लेकिन मैं इस आलोचना को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हूँ कि ऐसे मामलों में न्यायपालिका एक बाधा के रूप में कार्य करती है। जहाँ भी आवश्यक हुआ, न्यायपालिका ने हस्तक्षेप किया है, लेकिन जहाँ भी अदालत ने पाया कि पर्यावरण की चिंता और सतत विकास के बीच संतुलन बना हुआ है, वहाँ अदालत ने हमेशा उनके पक्ष में फैसला सुनाया है।''

न्यायमूर्ति गवई ने कहा, ''उन मामलों में जहाँ किसी व्यक्ति को उसकी सजा का 70 प्रतिशत से अधिक समय जेल में बिताने के बाद जमानत दी जाती है, राज्य (सरकार) एक नियमित प्रक्रिया के तौर पर उस जमानत आदेश को चुनौती देता है। उन्होंने सवाल किया, ''ऐसे में यह पूछा जाना चाहिए कि मुकदमों के इस भारी अंबार (लंबित मामलों) के लिए समान रूप से और कौन जिम्मेदार है?''

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय वाद नीति के बारे में वर्षों से चर्चा हो रही है, लेकिन यह अभी तक अस्तित्व में नहीं आई है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि यदि कार्यपालिका राष्ट्रीय वाद नीति को लागू करने या उसे लाने के लिए कुछ करती है, तो इससे लंबित मामलों की संख्या कम करने में वास्तव में मदद मिल सकती है।''गवई ने कहा कि 'विकसित भारत' की परिकल्पना विकास और कानून के शासन के बीच संतुलन स्थापित करना होना चाहिए।

पूर्व प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि अदालतें हमेशा संयम बरतती हैं, और वे अपनी शक्तियों का प्रयोग तब करती हैं जब उन्हें लगता है कि नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है; या फिर कार्यपालिका, न्यायपालिका और संसद को सौंपी गई शक्तियों के बीच के संतुलन को बिगाड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, ''जब कार्यपालिका अपनी शक्ति का प्रयोग करते हुए किसी व्यक्ति के अपराधी होने के संदेह पर उसके घर ध्वस्त कर देती है, तो क्या न्यायपालिका से यह अपेक्षा की जाती है कि वह चुपचाप बैठी रहे और कार्यपालिका को ऐसे कृत्य को अंजाम देने की अनुमति दे, जो कानून के शासन पर प्रहार करता है? यह एक ऐसा प्रश्न है जिस पर विचार किया जाना चाहिए।''

तकदीर ने बदली थी सुभाष घई की तकदीर

हिंदी फिल्मों के निर्माता-निर्देशक सुभाष घई किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। 'ताल', 'खलनायक', 'परदेश', और 'राम-लखन' जैसी कई हिट फिल्मों से दर्शकों के दिलों पर छाने वाले सुभाष घई सिनेमा में कई दशकों तक छाए रहे, लेकिन क्या आप जानते हैं कि उन्हें खुद नहीं पता था कि हिंदी सिनेमा उनकी जिंदगी बन जाएगी और वह सिनेमा में अलग मुकाम हासिल कर लेंगे? सुनने में यह बात बहुत अजीब लगती है, लेकिन सच है। निर्माता और निर्देशक बनकर प्रसिद्धि पाने वाले सुभाष घई को नहीं पता था कि उनकी तकदीर क्या खेल खेल रही है। साल 1967 में जिंदगी में आए मोड़ ने उनकी जिंदगी को बदलकर रख दिया। निर्देशक ने 1967 में आई फिल्म 'तकदीर' में अभिनेता जलाल आगा के साथ फिल्म में एक छोटा सा रोल किया था। रोल भले ही छोटा था, लेकिन किस्मत का ताला खोलने के लिए काफी था, जिसके बाद वे 'आराधना' और 'उमंग' में भी नजर आए थे, हालांकि किस्मत उन्हें अभिनेता नहीं, निर्देशक बनाने के लिए रास्ता खोल रही थी।

अब सुभाष घई ने अपनी फिल्म से जुड़ी यादों को शेयर किया है और एक पुरानी फोटो भी पोस्ट की है। फोटो में दो यंग लड़के दिख रहे हैं, लेकिन सुभाष दोनों में से कौन हैं, यह पहचान पाना बहुत मुश्किल है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 1967 में यह मेरी पहली फिल्म थी, जिसमें मैंने अभिनय किया था। जी हां, यह राजश्री प्रोडक्शन द्वारा निर्मित थी, और पुणे फिल्म इंस्टीट्यूट के दो अभिनेताओं, मुझे और जलाल आगा को फिल्म 'तकदीर' में एक छोटी युवा भूमिका के लिए चुना गया था। क्या आप मुझे इस तस्वीर में पहचान सकते हैं?

उन्होंने आगे लिखा, मुझे कभी नहीं पता था कि मेरी तकदीर मुझे फिल्म इंडस्ट्री में कहां ले जाएगी। आज मैं खुद को भाग्यशाली महसूस कर रहा हूं और आप सभी का धन्यवाद।

बता दें कि सुभाष घई का करियर मुख्य अभिनेता के तौर पर नहीं चला, लेकिन उनके द्वारा निर्देशित पहली फिल्म 'कालीचरण' ने बॉक्स ऑफिस के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। फिल्म साल की सबसे बड़ी एक्शन और थ्रिलर फिल्म बनकर उभरी थी, और इसी फिल्म से अजीत खान को 'लॉयन' का टाइटल मिला था।

'धुरंधर 2' की सक्सेस के बाद कंगना रनौत ने की आदित्य धर की तारीफ

आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म 'धुरंधर 2' सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इस मूवी को लोगों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला। वहीं, मशहूर फिल्ममेकर्स राकेश रोशन, एस.एस. राजामौली और राम गोपाल वर्मा समेत कई जानी-मानी हस्तियों ने भी फिल्म की तारीफ की। अब इस लिस्ट में एक्ट्रेस-पॉलिटिशियन कंगना रनौत, अभिनेता अनुपम खेर का नाम भी शामिल हो गया है। कंगना ने सोशल मीडिया पर लंबा-चौड़ा नोट शेयर करते हुए डायरेक्टर आदित्य धर की तारीफ की। उन्होंने लिखा कि वह अब अपने आप में एक स्टार बन गए हैं।

अभिनेत्री ने अपने पोस्ट में लिखा, धुरंधर की सफलता की सबसे अच्छी बात यह है कि आदित्य धर एक सुपरस्टार डायरेक्टर के तौर पर अपनी पहचान बना चुके हैं। हॉलीवुड में सुपरस्टार डायरेक्टर हमेशा सुपरस्टार एक्टर्स से कहीं ज्यादा बड़े होते हैं। जैसे: स्पीलबर्ग, टारनटिनो, नोलन। हम अपने फिल्ममेकर्स को कभी भी उतना सम्मान या क्रेडिट नहीं देते, जितना उन्हें मिलना चाहिए।

कंगना ने आगे लिखा, उन पर काम का बोझ बहुत ज्यादा होता है, उन्हें पैसे कम मिलते हैं और सुपरस्टार उन्हें परेशान करते हैं। इसी वजह से, मुझे कोई भी ऐसा युवा नहीं मिलता- चाहे वह फिल्म इंडस्ट्री के अंदर का हो या बाहर का, जो फिल्म बनाने वाला, सिनेमैटोग्राफर या कोई और टेक्नीशियन बनने का सपना देखता हो। हर कोई खुद को प्रतिभाशाली बताता है, लेकिन वे सिर्फ अभिनेता बनना चाहते हैं।

यहां एक ऐसा सुपरस्टार फिल्म बनाने वाला है, जो किसी भी हीरो से ज्यादा चमक रहा है। आज, बहुत से युवा उसकी कहानी देख रहे हैं, जो उनकी तरह बनने की चाह रखेंगे और फिल्म इंडस्ट्री को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे, आपको सलाम सर।

अनुपम खेर ने शेयर किया वीडियो

वहीं, अभिनेता अनुपम खेर ने भी सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया। उन्होंने कहा, मैंने अभी-अभी 'धुरंधर 2' देखी। क्या कहूं? यह लेखन, निर्देशन, अभिनय, तकनीकी कौशल और संगीत हर मामले में बेहतरीन है। यह एक ऐसी फिल्म है जो आपको अपने देश, भारत पर गर्व का एहसास कराती है। मैंने अभी आदित्य धर से फोन पर बात की। मैं बहुत थका हुआ हूं, लेकिन मुझे यह समीक्षा लिखनी जरूरी थी। समीक्षा नहीं, बल्कि अपने विचार। इसके आगे उन्होंने कहा, जो लोग इसे अंधराष्ट्रवाद और प्रोपेगैंडा कह रहे हैं, मुझे उन पर दुख और तरस आता है। शुरू में फिल्म देखने से पहले, मुझे गुस्सा आया था क्योंकि उन्होंने 'द कश्मीर फ़ाइल्स' को भी प्रोपेगैंडा कहा था। जो लोग इसे प्रोपेगैंडा फ़िल्म कहते हैं, उन्हें खुद पर शर्म आनी चाहिए। अगर आपको इसकी वजह से गुस्सा आता है, तो आप लेखकों को इकट्ठा करके अपनी खुद की फिल्म क्यों नहीं बनाते।धुरंधर 2' में दिखाई गई दाऊद इब्राहिम की उसकी असल जिंदगी से पूरी तरह अलग है। फिल्म में उसे एक स्टाइलिश और ताकतवर डॉन के बजाय कमजोर और बेबस इंसान के रूप में दिखाया गया है। इससे पहले बॉलीवुड फिल्मों में उसे पावरफुल और रौबदार दिखाया जाता रहा

रियलिटी शो 'द 50' को मिले अपने टॉप 5 फाइनलिस्ट

प्रिंस नरूला ने शिव ठाकरे के लिए छोड़ा फिनाले का टिकट

फेमस रियलिटी शो 'द 50' इसी साल फरवरी में शुरू हुआ था और लोगों ने इसे काफी पसंद भी किया। इस शो में टीवी, सोशल मीडिया और बॉलीवुड के जाने-माने पचास सेलेब्स ने हिस्सा लिया था, जिन्हें हर दिन एक नया टास्क मिलता था। अब यह शो खत्म होने वाला है आज 22 मार्च को इसका ग्रैंड फिनाले है, जिसमें कोई एक शो का खिताब अपने नाम करेगा। वहीं, जीतने वाले को लाखों का इनाम भी मिलेगा, लेकिन इसमें ट्विस्ट यह है कि वह इनाम उस स्टार का नहीं, बल्कि उसका कोई एक फैन 50 लाख रुपये का प्राइज पॉट जीतेगा।

अब 'द 50' को उसके टॉप 5 फाइनलिस्ट मिल गए हैं, जिसमें रजत दलाल, पंजाबी सिंगर इमॉर्टल काका, मिस्टर फैजू, शिव ठाकरे और कृष्णा श्रॉफ का नाम शामिल है। अब इन पांचों कंटेस्टेंट्स के बीच कड़ा मुकाबला होगा। शो का ग्रैंड फिनाले आज रात 9 बजे जियो हॉटस्टार पर और रात 10:30 बजे कलर्स टीवी पर प्रसारित होगा।

शो से बाहर हुए ये कंटेस्टेंट्स

बता दें कि सेमी फाइनल में प्रिंस नरूला, शाइनी दोशी, विक्रांत सिंह राजपूत, अर्चना गौतम, रिद्धि डोगरा और नेहल को लायन ने एग्जिट ऑर्डर देते हुए महल से बाहर कर दिया। हालांकि, इन सभी में से प्रिंस नरूला का एलिमिनेशन लोगों को काफी शॉकिंग लगा। दरअसल, प्रिंस ने रजत, फैजू और काका के साथ फिनाले में अपनी जगह पक्की कर ली थी, लेकिन उन्होंने बाद में वह जगह शिव ठाकरे को दे दी।

उनके इस जेस्चर से कंटेस्टेंट इमोशनल हो गए, वहीं कई लोगों ने प्रिंस की बुराई करते हुए इसे एक सोचा-समझा पब्लिसिटी स्टंट बताया। लगभग 26 दिनों तक गेम में मजबूती से मुकाबला करने के बाद प्रिंस ने शो छोड़ने का फैसला किया। अपनी मर्जी से शो छोड़ते हुए प्रिंस ने कहा, जब मैं पहले दिन यहां आया था, तो बहुत सारे लोग मुझे लीड करने के लिए लाइन में खड़े थे, यही मेरी जीत थी। इसके आगे उन्होंने कहा, मैं इस शो में अपनी पत्नी के लिए आया था और जब मैंने देखा कि मेरे इतने सारे भाई भी यहां हैं, तो मुझे उन्हें लीड करना ही था। अगर फैजू आज नहीं जीता होता, तो मैं यह उसे दे देता।

कन्नड़ एक्ट्रेस राम्या ने की 'धुरंधर 2' की आलोचना

रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर 2: द रिवेंज' बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है और दर्शकों के साथ-साथ कई सेलिब्रिटीज से तारीफ भी बटोर रही है। हालांकि, फिल्म को लेकर कुछ लोग लगातार आलोचना भी कर रहा है और इसे प्रोपेगेंडा करार दे रहा है।

कन्नड़ अभिनेत्री और पूर्व राजनेता राम्या ने भी फिल्म की आलोचना की है। उन्होंने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर फिल्म की तीखी आलोचना करते हुए इसे कम्प्लीट प्रोपेगेंडा बताया और निर्देशक आदित्य धर को 'जिंगोइज्म' (अंधराष्ट्रवाद) से आगे बढ़ने की सलाह दी।

राम्या ने लिखा, अभी-अभी धुरंधर 2 देखी और यह इस बात का मास्टरक्लास है कि एक अच्छी संभावना को कैसे एक थकाऊ अनुभव में बदला जा सकता है। यह ऐसी किताब पढ़ने जैसा है जो बेहद बोरिंग हो और खत्म ही न हो। अगर आप इसे देखना चाहते हैं तो थिएटर में समय और पैसे बर्बाद मत कीजिए। यह ऐसी कंटेंट है जिसे सिर्फ ओटीटी पर ही देखा जाना चाहिए, जहां आप कभी भी बाहर निकल सकते हैं।

फिल्म के तकनीकी पहलुओं पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, डायरेक्शन, डायलॉग, एडिटिंग, बैकग्राउंड स्कोर और एक्टिंग-सब कुछ औसत से भी नीचे है। ऐसा लगता है जैसे किसी को रिलीज डेट की परवाह ही नहीं थी।

रणवीर सिंह की तारीफ पर सवाल उठाते हुए राम्या ने लिखा, लोग कह रहे हैं कि रणवीर फिल्म को संभाल रहे हैं, लेकिन वह क्या संभाल रहे हैं? मुझे तो बस उनके बाल ही नजर आए, जो हर सीन में रुकावट बन रहे थे। फिल्म की हिंसा पर भी उन्होंने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा, यह फिल्म नहीं, बल्कि हिंसा का एक विजुअल हैंडबुक लगती है, जिसमें हर चीज को हथियार बना दिया गया है- सीरिंज से लेकर स्पैनर, चाकू, बंदूक, बम तक सब कुछ। निर्देशक पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि निर्देशक हर सीन को पिछले से ज्यादा हिंसक बनाने की कोशिश में लगे हैं, जिससे फिल्म डरावनी नहीं बल्कि हास्यास्पद लगने लगती है।

उन्होंने अंत में लिखा, धुरंधर 2 एक बहुत बड़ी निराशा है। अगर पहला पार्ट आपको उत्साहित करता था, तो यह पार्ट आपको सोचने पर मजबूर करेगा कि आखिर इसकी जरूरत ही क्या थी। रणवीर, आप इससे बेहतर हैं। आदित्य धर-जिंगोइज़्म और प्रोपेगेंडा अब पुराने हो चुके हैं।

इससे पहले अभिनेता प्रकाश राज ने भी फिल्म पर तंज कसते हुए लिखा, मैं धुरंधर से बहुत दूर हूं आप हैं? एक अन्य पोस्ट में उन्होंने दक्षिण भारतीय सितारों- अल्लू अर्जुन, जूनियर एनटीआर, महेश बाबू और विजय देवरकोंडा- पर भी इशारों-इशारों में टिप्पणी की और कहा कि दक्षिण में भी मजबूरी के संकेत दिख रहे हैं।

मुझे केरला स्टोरी-2 का हिस्सा होने पर गर्व है : उल्का गुप्ता

अभिनेत्री उल्का गुप्ता इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'केरला स्टोरी-2' को लेकर सुर्खियों में छाई हुई हैं। इस फिल्म में तीन अलग-अलग राज्यों की कहानी को दिखाया गया है, जिसमें धोखे से धर्मांतरण कराया गया है। अभिनेत्री उल्का गुप्ता ने हाल ही में आईएएनएस के साथ खास बातचीत की। इस दौरान उल्का ने फिल्म को समाज का आईना बताया। उल्का ने कहा कि फिल्में समाज का आईना होती है और समाज में जो हो रहा है, क्रिएटर्स या मेकर्स उसे अपने अंदाज में दिखाते हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अलग-अलग तरह की फिल्में या कहानियां बनती रहनी चाहिए क्योंकि कभी-कभी हम फिल्में मनोरंजन के लिए, तो कभी शिक्षा के लिए, तो कभी ड्रामा या रोमांस के लिए देखते हैं और जहां भी मुझे लगता है कि कहानी या फिर उसका किरदार पसंद आएगा, तो मैं उसमें हिस्सा लेना पसंद करती हूं।

27 फरवरी 2026 को फिल्म 'केरल स्टोरी 2' रिलीज हुई थी और इसके पहले से ही फिल्म को लेकर विवाद, चर्चा और सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई थी। कई लोगों ने फिल्म को प्रोपेगेंडा करार दिया था, तो कुछ ने इसे गंभीर सामाजिक मुद्दे पर बनी फिल्म बताया था। हालांकि, काफी जगह से फिल्म को लेकर सकारात्मक रिस्पॉन्स भी देखने को मिल रहा है।

फिल्म को मिल रही प्रतिक्रिया को लेकर अभिनेत्री का कहना है, यह फिल्म 27 फरवरी को रिलीज हुई थी और धीरे-धीरे अब पूरे देश से बहुत पॉजिटिव फीडबैक मिला है। मेरा परिवार और दोस्त मुझे बता रहे हैं कि इस फिल्म का उन पर बहुत गहरा असर पड़ा है। कई चीज़ों ने उनकी आंखें खोल दी हैं।

इस प्रोजेक्ट से अपने इमोशनल कनेक्शन को शेयर करते हुए उन्होंने कहा, मुझे 'केरला स्टोरी 2' का हिस्सा होने पर बहुत गर्व है।

फिल्म साइन करने के बारे में उन्होंने बताया, मुझे इस रोल के लिए बहुत गर्व महसूस हुआ। मैंने सिर्फ अपने लक्ष्य पर फोकस किया, जो मेरा किरदार था। मैंने पूरी तरह एक्टिंग पर ध्यान दिया। उन्होंने कहा, मैं नतीजों के बारे में नहीं सोचती। अगर मैं यह सोचूं कि मुझे कितना प्यार या सम्मान मिलेगा, तो मैं अपने काम पर ध्यान नहीं दे पाऊंगी।

चैती छठ प्रारंभ, जानें खरना, संध्या अर्घ्य और उषा अर्घ्य की तिथियां और नियम

चैती छठ का पावन पर्व 22 मार्च से प्रारंभ हो गया है, जिसे श्रद्धा और नियमों के साथ चार दिनों तक मनाया जाता है। इस व्रत में नहाय-खाय, खरना, संध्या अर्घ्य और उषा अर्घ्य का विशेष महत्व होता है। छठ पूजा सूर्य देव और छठी मैया को समर्पित होती है, जिसमें भक्त कठिन नियमों का पालन कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हैं। ऐसे में आइए जानते हैं चैती छठ 2026 की पूरी तिथियां और जरूरी नियम।

पहला दिन - नहाय-खाय

छठ व्रत का पहला दिन नहाय-खाय कहलाता है। इस दिन व्रती सुबह स्नान करके घर की साफ-सफाई करते हैं और शुद्ध भोजन ग्रहण करते हैं। आमतौर पर इस दिन कद्दू-भात और चने की दाल का प्रसाद बनाया जाता है। इसी के साथ व्रत की शुरुआत होती है।

दूसरा दिन - खरना

दूसरे दिन को खरना कहा जाता है। इस दिन व्रती पूरे दिन निर्जला व्रत रखते हैं और शाम को पूजा के बाद गुड़ की खीर और रोटी का प्रसाद बनाते हैं। इसे पहले भगवान को अर्पित किया जाता है और फिर प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है। खरना के बाद 36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत शुरू हो जाता है।

तीसरा दिन - संध्या अर्घ्य

तीसरे दिन डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है, जिसे संध्या अर्घ्य कहा जाता है। व्रती नदी, तालाब या घर में बने जल पात्र में खड़े होकर सूर्य देव को जल अर्पित करते हैं। इस दौरान फल, ठेकुआ और अन्य प्रसाद चढ़ाए जाते हैं।

चौथा दिन - उषा अर्घ्य

छठ पूजा का अंतिम दिन उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देने का होता है, जिसे उषा अर्घ्य कहा जाता है। इस दिन सूर्योदय के समय पूजा करके व्रत का समापन किया जाता है। इसके बाद व्रती प्रसाद ग्रहण करते हैं और व्रत खोलते हैं।

चैती छठ व्रत के नियम

✻ चैती छठ का व्रत बेहद कठिन और नियमों से भरा होता है। इसे पूरी श्रद्धा और शुद्धता के साथ किया जाता है। इस व्रत में कुछ खास नियमों का पालन करना बहुत जरूरी माना जाता है।

✻ छठ व्रत में घर और आसपास की जगह की साफ-सफाई बहुत जरूरी होती है। पूजा स्थल को विशेष रूप से शुद्ध रखा जाता है।

✻ व्रती को केवल शुद्ध और सात्विक भोजन ही करना चाहिए। लहसुन-प्याज और मांसाहार का सेवन पूरी तरह से वर्जित होता है।

✻ खरना के बाद व्रती 36 घंटे का निर्जला व्रत रखते हैं। इस दौरान पानी तक नहीं पिया जाता, इसलिए यह व्रत बहुत कठिन माना जाता है।

✻ व्रत के दौरान शरीर और मन दोनों की शुद्धता जरूरी होती है। साफ कपड़े पहनें और किसी भी तरह की अशुद्धि से दूर रहें।

✻ छठ पूजा में डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य देना सबसे महत्वपूर्ण होता है। बिना अर्घ्य के यह व्रत अधूरा माना जाता है।

✻ इस व्रत में संयम रखना बहुत जरूरी है। गुस्सा, झूठ और गलत विचारों से दूर रहना चाहिए।

व्रत का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए क्या करें और क्या न करें

ज्योतिष शास्त्र अनुसार हमारे ऋषि-मुनियों ने बताया है कि व्रत तप का ही एक प्रासंगिक संक्षिप्त स्वरूप है। व्रत का विधान अधिकतर आध्यात्मिक या मानसिक शक्ति की प्राप्ति, चित्त अथवा आत्मा की शुद्धि, संकल्प शक्ति की दृढ़ता, वातावरण की पवित्रता, विचारों के उच्च एवं स्वास्थ्य के लिए हितकारी होता है। भारतीय संस्कृति में हमारे शास्त्रों के अनुसार व्रत के द्वारा व्यक्ति अपने भौतिक एवं पारलौकिक संसार की सुव्यवस्था करता है। इसमें प्रत्येक वर्ण, वर्ग, आयु, जाति, साधना पद्धति, आश्रम और अभिलाषा के लिए एक समान अवसर होता है।

व्रत के दिन क्या करें- व्रत के दिन प्रातःकाल नित्य प्रक्रिया संपन्न करके शुद्ध वस्त्र धारण करना चाहिए। उसके बाद पूर्व या ऊपर दिशा की ओर अभिमुख होकर हाथ में जल, चावल, सुपारी, पैसे और पुष्प लेकर मांगलिक व्रत का संकल्प लेना चाहिए। संकल्प लेने से व्यक्ति की आंतरिक प्रमुख शक्तियां सजग होकर उनका मनोबल बढ़ाती है एवं श्रद्धा और विश्वास से मन ओत-प्रोत हो जाता है। व्रत के दिन मन से प्रसन्न होकर दिनचर्या निभानी चाहिए, इस दिन यथासंभव मौन रहने से आंतरिक शक्ति की प्राप्ति होती है। व्रत मानसिक एवं शारीरिक रूप से पवित्र रहने पर ही पूर्ण फलप्रदाता है।

व्रत के दिन क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष, घृणा, परनिंदा, आलस्य से बचना चाहिए। व्रत के दिन उससे सम्बन्धित देवी-देवता का ध्यान करके उनका चिंतन, दिन में उनकी महिमा का सात्विक साहित्य अध्ययन करने से मानसिक बल की प्राप्ति होती है। व्रत करते हुए दिन में सोने से परहेज करना अति उत्तम माना गया है। भारतीय संस्कृति में व्रत के पश्चात अपने आराध्य को पूजा एवं मंत्र जप से प्रसन्न करें।

शिव-पार्वती से सम्बन्धित व्रतों में भगवान शिव की आराधना में धूप, दीप, गंध, चंदन का तिलक, चावल, बिल्वपत्र, पुष्प, शहद, यज्ञोपवीत, धतूरा, कमलगट्टा, आक का फल या फूल से अर्चना करें। मां गौरी को सुहागिन स्त्रियां और कुंवारी कन्याएं श्रृंगार भेंट करें। अति प्रसन्न एवं श्रद्धापूर्वक लाल हरी या पीतांबरी रंग की चुनरी ओढ़ाएं। शुद्ध घी का दीपक लगाकर आरती उतारें।

भगवान शिव भोले बाबा एवं मां गौरी अति कृपालु हैं, वे सुहागिन स्त्रियों का पति की दीर्घायु, सफल जीवन का एवं कुंवारी कन्याओं को मनोवांछित वर की प्राप्ति कराने में विलंब नहीं होने देते। अत्यंत श्रद्धापूर्वक किया गया प्रत्येक व्रत मनोकामना पूर्ति का सेतु बनता है।

इस तरह से पूजा करने पर मिलता है अनंत गुणा पूजन का शुभ फल

भगवान की पूजा करते समय यदि सच्चे मन से मनःकल्पित एक पुष्प भी भगवान को अर्पण किया जाए तो करोड़ों बाहरी फूल चढ़ाने के बराबर होता है। इसी प्रकार मानस चन्दन, धूप, दीप, नैवेद्य भी भगवान को करोड़ गुना अधिक संतोष देते हैं।

मानस पूजा में भक्त अपने आराध्य देव के लिए श्रेष्ठ से श्रेष्ठ पूजन सामग्री को अर्पण करने की कल्पना करता है, इस कार्य हेतु भक्त का मन इन पूजन वस्तुओं को एकत्र करने के लिए न केवल अनन्त ब्रह्माण्ड, बल्कि इसकी पहुंच से परे गोलोक, साकेतलोक, सदाशिवलोक तक पहुंच जाता है, यानी अनंत ब्रह्माण्ड में इन्द्रलोक से ब्रह्मलोक, कहीं से भी मानस पूजा में दिव्य वस्तुओं को एकत्र कर भगवान को अर्पण किया जाता है। इस प्रकार भक्त अपने आराध्य देव को दिव्य आसन देता है, वस्त्र और आभूषण पहनाता है, चन्दन लगाता है, मालाएं पहनाता है, धूप-दीप दिखलाकर नैवेद्य अर्पित करता है।

मानस पूजा विधि- वस्तुतः भगवान को किसी वस्तु की आवश्यकता नहीं, वे तो भाव के भूखे हैं। संसार में ऐसे दिव्य पदार्थ उपलब्ध नहीं हैं, जिनसे परमेश्वर की पूजा की जा सके, इसलिये पुराणों में मानस पूजा का विशेष महत्व माना गया है। मानस पूजा की संक्षिप्त विधि पुराणों से संकलित कर नीचे वर्णित है-

ओम लं पृथिव्यात्मकं गन्धं परिकल्पयामि।
प्रभु, मैं पृथ्वी रूप गन्ध, चन्दन आपको अर्पित करता हूं।
ओम हं आकाशात्मकं पुष्पं परिकल्पयामि।
प्रभु, मैं आकाश रूप पुष्प आपको अर्पित करता हूं।
ओम यं वाय्वात्मकं धूपं परिकल्पयामि।
प्रभु, मैं वायुदेव के रूप में धूप आपको प्रदान करता हूं।
ओम रं वह्नयात्मकं दीपं दर्शयामि।
प्रभु, मैं अग्निदेवके रूप में दीपक आपको प्रदान करता हूं।
ओम वं अमृतात्मकं नैवेद्यं निवेदयामि।
प्रभु, मैं अमृतके समान नैवेद्य आपको निवेदन करता हूं।
ओम सौं सर्वात्मकं सर्वोपचारं समर्पयामि।
प्रभु, मैं सर्वात्मा के रूप में संसार के सभी उपचारों को आपके चरणों में समर्पित करता हूं।

ऊपर वर्णित मंत्रों से शुद्ध भावना पूर्वक मानस पूजा कर श्रेष्ठ फल प्राप्त किया जा सकता है।

18 अप्रैल से मीन, धनु और मिथुन राशि वालों को करियर-कारोबार में तरक्की के योग

फ्यूचर पंचांग के अनुसार 18 अप्रैल 2026 को ग्रहों के सेनापति मंगल देव का उदय होने जा रहा है, जिसे बेहद शुभ और प्रभावशाली माना जाता है। मंगल ग्रह मीन राशि में उदित होने जा रहे हैं। आपको बता दें कि मंगल के उदय होते ही कई राशियों के जीवन में ऊर्जा, साहस और सफलता के नए द्वार खुलते हैं। खासतौर पर मीन, धनु और मिथुन राशि के जातकों के लिए यह समय करियर और व्यापार में उन्नति देने वाला साबित हो सकता है।

मंगल ग्रह को शक्ति, पराक्रम, भूमि, साहस और निर्णय क्षमता का कारक माना जाता है। जब मंगल उदय अवस्था में आता है, तब व्यक्ति के आत्मविश्वास में वृद्धि होती है और कार्यक्षेत्र में तेजी से निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है। 18 अप्रैल से बनने वाली यह स्थिति खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद रहेगी जो नौकरी में प्रमोशन, नई जॉब या बिजनेस विस्तार की सोच रहे हैं। साथ ही साहस और पराक्रम बढ़ सकता है।

मंगल ग्रह उदय का महत्व

ज्योतिष शास्त्र में मंगल का उदय होना अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। जब कोई ग्रह अस्त से उदय होता है, तो उसकी शुभता और प्रभाव में कई गुना वृद्धि हो जाती है। मंगल के उदय से जीवन में ऊर्जा, साहस, आत्मबल और प्रतिस्पर्धा में जीत हासिल करने की क्षमता बढ़ती है। यह समय नई शुरुआत, प्रॉपर्टी से जुड़े काम, करियर ग्रोथ और लक्ष्य प्राप्ति के लिए अनुकूल माना जाता है।

इन राशियों पर पड़ सकता शुभ प्रभाव

मीन राशि -मीन राशि के जातकों के लिए मंगल का उदय होना सकारात्मक सिद्ध हो सकता है। क्योंकि मंगल आपकी राशि से लग्न भाव पर उदित होंगे। इसलिए इस समय आपको साहस और पराक्रम में वृद्धि हो सकती है। साथ ही लंबे समय से अटके काम पूरे होने के योग हैं और कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग ला सकती है।

साथ ही इस दौरान वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलने की संभावना है और प्रमोशन या नई जिम्मेदारी मिलने के संकेत हैं। बिजनेस करने वालों को नए प्रोजेक्ट और पार्टनरशिप से लाभ हो सकता है। लेकिन इस समय कोई भी कार्य आवेश में आकर नहीं करें।

धनु राशि-धनु राशि वालों के लिए मंगल ग्रह का उदित होना सकारात्मक सिद्ध हो सकता है। क्योंकि मंगल ग्रह आपकी राशि से चतुर्थ भाव पर उदित होने जा रहे हैं। इसलिए इस समय आपको भौतिक सुखों की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही आप कोई वाहन या प्रापर्टी खरीदने का मन बना सकते हैं। साथ ही इस दौरान व्यापार में अच्छा मुनाफा मिलने के योग हैं और निवेश से भी लाभ हो सकता है। लेकिन निवेश सोच-समझकर करें। यदि आप नया काम शुरू करना चाहते हैं, तो यह समय अनुकूल साबित हो सकता है। साथ ही नौकरीपेशा लोगों को नई जॉब के अवसर मिल सकते हैं और आय में वृद्धि के संकेत हैं।

मिथुन राशि -मिथुन राशि के जातकों के लिए मंगल का उदय नेटवर्किंग और कम्युनिकेशन के क्षेत्र में सफलता दिला सकता है। क्योंकि मंगल ग्रह आपकी गोचर कुंडली के कर्म भाव पर उदित होने जा रहे हैं। इसलिए इस दौरान नए लोगों से संपर्क बनेंगे, जिससे करियर में नए अवसर मिल सकते हैं। मार्केटिंग, सेल्स और मीडिया से जुड़े लोगों के लिए यह समय विशेष रूप से लाभकारी रहने के योग हैं।

वहीं व्यापार में नई डील्स और समझौतों से फायदा हो सकता है। साथ ही जो लोग पुलिस, सेना, मेडिकल के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं तो उनको अच्छा लाभ हो सकता है।

24 को स्कंद षष्ठी का व्रत

जानिए तिथि, पूजा का मुहूर्त, विधि और महत्व

स्कंद षष्ठी का व्रत भगवान कार्तिकेय को समर्पित होता है और इसे बहुत श्रद्धा के साथ रखा जाता है। वैदिक पंचांग के अनुसार, यह व्रत हर महीने शुक्ल पक्ष की षष्ठी को पड़ता है। इस दिन भक्त विधि-विधान से भगवान कार्तिकेय की पूजा करते हैं और व्रत रखकर उनके आशीर्वाद की कामना करते हैं। धार्मिक मान्यता है कि इस व्रत को विधि-विधान से करने से जीवन की बाधाएं दूर होती हैं और सुख-समृद्धि प्राप्त होती है। आइए जानते हैं मार्च महीने में स्कंद षष्ठी का व्रत कब रखा जाएगा। साथ ही, जानिए इसकी पूजा विधि, शुभ मुहूर्त और धार्मिक महत्व के बारे में।

स्कंद षष्ठी व्रत तिथि और मुहूर्त

चैत्र माह में स्कंद षष्ठी का व्रत शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को रखा जाता है। वैदिक पंचांग के अनुसार, इस साल यह तिथि 23 मार्च की शाम 6 बजकर 38 मिनट से शुरू होकर 24 मार्च को शाम 4 बजकर 7 मिनट तक रहेगी। हिंदू पंचांग के अनुसार व्रत और त्योहारों में उदया तिथि का विशेष महत्व होता है।

इसलिए इस बार स्कंद षष्ठी का व्रत 24 मार्च 2026 को रखा जाएगा। इस दिन भक्त भगवान कार्तिकेय की पूजा कर व्रत रखेंगे और उनके आशीर्वाद की कामना करेंगे।

स्कंद षष्ठी व्रत की पूजा विधि

स्कंद षष्ठी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र पहनें। इसके बाद पूजा स्थान को अच्छी तरह साफ करके वहां भगवान कार्तिकेय की प्रतिमा स्थापित करें। साथ ही शिव परिवार - भगवान शिव, माता पार्वती और गणेश जी का भी ध्यान करें। पूजा के दौरान भगवान को फूल, फल, धूप और दीप अर्पित करें। इसके बाद श्रद्धा से भोग लगाएं और आरती करें। मान्यता है कि इस प्रकार विधि-विधान से पूजा करने पर भगवान कार्तिकेय की कृपा प्राप्त होती है और जीवन में सुख-शांति बनी रहती है।

स्कंद षष्ठी व्रत महत्व

स्कंद षष्ठी का व्रत भगवान कार्तिकेय की आराधना के लिए बेहद खास माना जाता है। यह दिन शक्ति, साहस और विजय का प्रतीक होता है। मान्यता है कि इस व्रत को श्रद्धा के साथ करने से जीवन में सुख, समृद्धि और सफलता प्राप्त होती है।

खासतौर पर संतान सुख की कामना करने वाले लोगों के लिए यह व्रत बहुत फलदायी माना जाता है। इससे न केवल संतान की प्राप्ति होती है, बल्कि उनके जीवन में खुशहाली और तरक्की भी बनी रहती है। इसके अलावा, इस व्रत को करने से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी दूर होती हैं और व्यक्ति को मानसिक व शारीरिक शक्ति मिलती है।

26 को दुर्गा अष्टमी, जानिए कन्या पूजन की तिथि और शुभ मुहूर्त

हिंदू धर्म में चैत्र नवरात्रि की अष्टमी तिथि का विशेष महत्व है। इस तिथि को महाष्टमी तिथि के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन मां दुर्गा के आठवें स्वरूप मां महागौरी की पूजा की जाती है। और विशेष रूप से कन्या पूजन का विधान है। ज्योतिष मान्यता के अनुसार अष्टमी और नवमी दोनों ही तिथियां कन्या पूजन के लिए शुभ मानी जाती हैं, लेकिन अधिकांश लोग अष्टमी के दिन कन्या पूजन करते हैं, जबकि कुछ भक्त नवमी पर भी यह पूजा करते हैं। इस दिन कन्याओं को मां दुर्गा का स्वरूप मानकर भोजन कराना और दक्षिणा देना अत्यंत फलदायी माना जाता है।

धार्मिक मान्यता है कि ऐसा करने से घर में सुख-समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है। वहीं साल 2026 में दुर्गा अष्टमी की तारीख को लेकर लोगों के बीच थोड़ी असमंजस की स्थिति बनी हुई है, क्योंकि अष्टमी तिथि दो दिन तक पड़ रही है। ऐसे में आइए जानते हैं कि दुर्गा अष्टमी कब मनाई जाएगी और कन्या पूजन के लिए शुभ समय क्या रहने वाला है।

फ्यूचर पंचांग के अनुसार, चैत्र शुक्ल अष्टमी तिथि का आरंभ 25 मार्च 2026 को दोपहर 1:50 बजे होगा और इसका अंत 26 मार्च को सुबह 11:48 बजे हो जाएगा। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार दुर्गा अष्टमी 26 मार्च 2026, गुरुवार के दिन मनाई जाएगी।

दुर्गा अष्टमी कन्या पूजन का शुभ मुहूर्त

जो लोग दुर्गा अष्टमी के दिन कन्या पूजन करते हैं वह 26 मार्च को सुबह शुभ समय में पूजन कर सकते हैं। कन्या पूजन का समय रहने वाला है-

सुबह 6:17 बजे से 7:51 बजे तक

सुबह 10:56 बजे से दोपहर 3:32 बजे तक

महानवमी कन्या पूजन का शुभ मुहूर्त

फ्यूचर पंचांग के अनुसार 27 मार्च को सर्वार्थ सिद्धि योग और रवि योग बन रहा है। इन दोनों योग में कन्या पूजन करना फलदायी माना गया है।

सर्वार्थ सिद्धि योग- सुबह 06:16 बजे से दोपहर 03:25 बजे तक

अभिजीत मुहूर्त- दोपहर 12:01 बजे से 12:52 बजे तक

लाभ-उन्नति मुहूर्त- सुबह 07:51 बजे से 09:23 बजे तक

रवि योग पूरे दिन रहेगा।

संपादकीय

सीवर में मौतें

सदियों की लाचारी और समाज की संवेदनहीनता के चलते हाथ से सीवर की सफाई की अमानवीय प्रथा बदस्तूर जारी है। जारी ही नहीं है बल्कि मजबूर सफाई कर्मियों की मौत का सबब भी बनी हुई है। निश्चय ही यह घिनौनी प्रथा किसी भी सभ्य समाज के लिये एक कलंक के समान ही है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि हाथ से सीवर लाइन साफ करने की प्रथा मजबूर लोगों की लगातार जान ले रही है। हाल ही में लोकसभा में पेश किए गए आंकड़े इस समस्या के भयावह पक्ष को ही उजागर करते हैं। केंद्र सरकार की ओर बीते सप्ताह लोकसभा में बताया गया कि साल 2017 से अब तक देश में सीवर और सेप्टिक टैंक साफ करते हुए 620 से अधिक सफाईकर्मियों की मौत हो चुकी है। कहना कठिन है कि ये आंकड़े वास्तविक हैं और सभी मौतों को देश में रिपोर्ट किया जा रहा है। ग्रामीण व दूरदराज के इलाकों में ठेकेदार दिहाड़ीदार सफाई कर्मियों की मौत को रफा-दफा करने का प्रयास करते हैं। कुछ चतुर-चालाक लोग परिजनों की मजबूरी को भांपते हुए छोटी-मोटी रकम देकर मामले पर पर्दा डाल देते हैं। ऐसे मामले शायद ही सामने आते हों कि सरकार के सख्त निर्देशों के बावजूद सफाईकर्मियों से सीवर व सेप्टिक टैंक की सफाई करवाने वाले ठेकेदार व स्थानीय निकाय के अधिकारियों को दंडित किया गया हो। क्या किसी लोकतांत्रिक समाज में किसी मजबूर सफाईकर्मी के जीवन का कोई मूल्य नहीं है? निस्संदेह, लोकसभा में पेश किए गए आंकड़े घोर लापरवाही को ही उजागर करते हैं। विडंबना यह भी है कि जहां करीब 539 परिवारों को पूरा मुआवजा मिला है, वहीं करीब 52 परिवारों को कोई पैसा नहीं मिला। निर्विवाद रूप से किसी मृत सफाई कर्मी के परिजनों को दी जाने वाली आर्थिक सहायता कोई दान नहीं है, बल्कि समाज का एक कानूनी और नैतिक दायित्व भी है। जब इस जरूरी सहायता में कोई कमी रह जाती है तो हमारी व्यवस्थागत उदासीनता ही उजागर होती है। निस्संदेह, यह कष्टकारी स्थिति साल 2047 में देश को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प पर सवालिया निशान लगाती है। वहीं सरकारी दावा है कि मैनुअल स्कैवेंजर्स के रूप में रोजगार निषेध और उनके पुनर्वास अधिनियम, 2013 में किए गए एक सर्वेक्षण में देशभर के किसी भी जिले में हाथ से मैला साफ करने वाले सफाईकर्मी नहीं पाए गए हैं। सवाल ये है कि जब हाथ से सफाई करने वाले सफाई कर्मचारी देश में नहीं हैं तो सीवर व सेप्टिक टैंक में जहरीली गैस के चपेट में आकर लोगों के मरने की खबरें कैसे आ रही हैं? यह दुखद ही है कि बीते मंगलवार को छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित एक प्रमुख अस्पताल में सेप्टिक टैंक की सफाई करते समय जहरीली गैस की चपेट में आने से तीन सफाई कर्मचारियों की दर्दनाक मौत हो गई। सीवर-सेप्टिक टैंक की सफाई में मशीन के उपयोग को बढ़ावा देकर मैनुअल स्कैवेंजिंग को खत्म करने के उद्देश्य से ही सरकार द्वारा साल 2023-24 में शुरू की गई राष्ट्रीय मशीनीकृत स्वच्छता पारिस्थितिकीय तंत्र यानी नमस्ते परियोजना को अभी भी लंबा रास्ता तय करना है। केंद्रीय सामाजिक न्याय राज्य मंत्री ने पिछले दिनों स्वीकार किया था कि मशीनीकरण के कारण दक्षता या सफाई व्यवस्था में सुधार के जरूरी संकेतक अभी तक पहचान में नहीं आए हैं। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग को पिछले वर्ष वेतन का भुगतान न होने, सुरक्षा उपकरणों की कमी और जाति आधारित भेदभाव को लेकर करीब 842 शिकायतें प्राप्त हुई थीं। जो इस बात का प्रमाण हैं कि समस्या की जड़ें बहुत गहरे रूप में विद्यमान हैं। हालांकि सरकारी दावा है कि सफाई का काम व्यवसाय पर आधारित है। लेकिन आंकड़े बताते हैं कि सदियों से हाशिये पर पड़े समुदायों के श्रमिकों के बूते ही सफाई व्यवस्था चलायी जा रही है। निस्संदेह, दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था का दावा करने वाले समाज को यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी नागरिक को अमानवीय परिस्थितियों में काम करने के लिये बाध्य नहीं किया जाना चाहिए। श्रम की गरिमा के सवाल का जबाव महज एक नारे से हासिल नहीं किया जा सकता। इसे एक जमीनी हकीकत बनाना होगा।

निश्चय ही यह घिनौनी प्रथा किसी भी सभ्य समाज के लिये एक कलंक के समान ही है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि हाथ से सीवर लाइन साफ करने की प्रथा मजबूर लोगों की लगातार जान ले रही है। हाल ही में लोकसभा में पेश किए गए आंकड़े इस समस्या के भयावह पक्ष को ही उजागर करते हैं। केंद्र सरकार की ओर बीते सप्ताह लोकसभा में बताया गया कि साल 2017 से अब तक देश में सीवर और सेप्टिक टैंक साफ करते हुए 620 से अधिक सफाईकर्मियों की मौत हो चुकी है। कहना कठिन है कि ये आंकड़े वास्तविक हैं और सभी मौतों को देश में रिपोर्ट किया जा रहा है। ग्रामीण व दूरदराज के इलाकों में ठेकेदार दिहाड़ीदार सफाई कर्मियों की मौत को रफा-दफा करने का प्रयास करते हैं। कुछ चतुर-चालाक लोग परिजनों की मजबूरी को भांपते हुए छोटी-मोटी रकम देकर मामले पर पर्दा डाल देते हैं। ऐसे मामले शायद ही सामने आते हों कि सरकार के सख्त निर्देशों के बावजूद सफाईकर्मियों से सीवर व सेप्टिक टैंक की सफाई करवाने वाले ठेकेदार व स्थानीय निकाय के अधिकारियों को दंडित किया गया हो। क्या किसी लोकतांत्रिक समाज में किसी मजबूर सफाईकर्मी के जीवन का कोई मूल्य नहीं है? निस्संदेह, लोकसभा में पेश किए गए आंकड़े घोर लापरवाही को ही उजागर करते हैं।

दुर्भाग्य से जल गुणवत्ता के मोर्चे पर स्थिति उतनी संतोषजनक नहीं दिखाई देती

दूषित जलः विकास के दावों पर एक गंभीर प्रश्न

अक्सर कहा जाता है कि जल ही जीवन है। किंतु यदि यही जल दूषित हो जाए तो क्या उसे जीवन का आधार कहा जा सकता है? सच तो यह है कि दूषित जल जीवन को बचाने के बजाय उसे संकट में डाल देता है। आज भारत सहित पूरी दुनिया में स्वच्छ जल की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। विडंबना यह है कि जिस देश में नदियों को माता का दर्जा दिया जाता है और जल को जीवन का मूल तत्व माना जाता है, वहीं करोड़ों लोग आज भी स्वच्छ पेयजल से वंचित हैं। यह स्थिति केवल संसाधनों की कमी का परिणाम नहीं है, बल्कि कहीं न कहीं नीतिगत कमजोरियों, प्रशासनिक उदासीनता और विकास के असंतुलित मॉडल की भी देन है। पिछले कुछ वर्षों में भारत सरकार ने पेयजल की उपलब्धता बढ़ाने के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाएं शुरू की हैं। वर्ष 2019 में आरंभ हुआ जल जीवन मिशन इसी दिशा में एक बड़ा कदम माना गया। इस योजना का उद्देश्य था कि देश के हर ग्रामीण परिवार को नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाए। इसके अतिरिक्त नदियों की स्वच्छता के लिए नमामि गंगे जैसी परियोजनाएं भी शुरू की गईं। इन योजनाओं के कारण पाइपलाइन के माध्यम से जल आपूर्ति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जहां वर्ष 2019 में केवल लगभग 16.7 प्रतिशत ग्रामीण घरों तक नल का पानी पहुंचता था, वहीं 2024 के अंत तक यह आंकड़ा 80 प्रतिशत से अधिक तक पहुंच गया। यह उपलब्धि निस्संदेह महत्वपूर्ण है, किंतु केवल पाइपलाइन बिछा देने भर से समस्या का समाधान नहीं हो जाता। असली चुनौती यह सुनिश्चित करने की है कि जो पानी घरों तक पहुंच रहा है वह वास्तव में स्वच्छ और सुरक्षित भी हो। दुर्भाग्य से जल गुणवत्ता के मोर्चे पर स्थिति उतनी संतोषजनक नहीं दिखाई देती। विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पेयजल के नमूनों की जांच से यह तथ्य सामने आया है कि बड़ी मात्रा में जल प्रदूषित पाया गया है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि लिए गए दूषित नमूनों में से केवल लगभग एक चौथाई को ही शुद्ध करने के प्रयास किए गए। इसका अर्थ यह हुआ कि बड़ी संख्या में लोग अब भी दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। यह स्थिति हमारे विकास के दावों की तार्किकता पर प्रश्नचिह्न लगाती है। यदि जल जैसे बुनियादी संसाधन की गुणवत्ता सुनिश्चित नहीं की जा सकती तो विकास की उपलब्धियां अधूरी ही मानी जाएंगी। पेयजल की गुणवत्ता का संकट केवल ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। शहरी क्षेत्रों में भी यह समस्या बराबर देखने को मिलती है। महानगरों और बड़े शहरों में तेजी से बढ़ते शहरीकरण, पुरानी पाइपलाइन व्यवस्था और सीवेज प्रबंधन की कमजोरियों के कारण जल स्रोत लगातार प्रदूषित हो रहे हैं। कई स्थानों पर पेयजल पाइपलाइन और सीवर लाइन एक-दूसरे के बेहद करीब बिछी हुई हैं। समय के साथ जब ये पाइपलाइन जर्जर हो जाती हैं तो सीवर का गंदा पानी पेयजल में मिल जाता है, जिससे गंभीर स्वास्थ्य संकट उत्पन्न हो जाता है। हाल के वर्षों में कई शहरों में दूषित पानी के कारण

लोगों के बीमार पड़ने और यहां तक कि मौत होने की घटनाएं सामने आई हैं। मध्यप्रदेश के इंदौर जैसे शहर में हुई ऐसी घटनाओं ने इस खतरे की गंभीरता को और स्पष्ट कर दिया है। यह विडंबना ही है कि जो शहर स्वच्छता के लिए देश में बार-बार अग्रणी स्थान प्राप्त करता रहा है, वहीं दूषित जल के कारण लोगों की जान जाने की घटनाएं सामने आती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ लंबे समय से यह चेतावनी देते रहे हैं कि अधिकांश बीमारियों की शुरुआत पेट से होती है और दूषित जल इसका सबसे बड़ा कारण बनता है। दस्त, उल्टी, टाइफाइड, हैजा और पीलिया जैसी जलजनित बीमारियां आज भी लाखों लोगों को प्रभावित कर रही हैं। इन बीमारियों का सबसे अधिक असर बच्चों और बुजुर्गों पर पड़ता है क्योंकि उनकी प्रतिरोधक क्षमता अपेक्षाकृत कम होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में तो स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जहां स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सीमित होती है। ऐसे में दूषित पानी केवल एक पर्यावरणीय समस्या नहीं रह जाता, बल्कि यह सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का रूप ले लेता है। जल प्रदूषण के पीछे कई कारण हैं। औद्योगिक कचरे का बिना उपचार के नदियों और जलाशयों में छोड़ा जाना एक बड़ा कारण है। इसके अतिरिक्त शहरों से निकलने वाला अनुपचारित सीवेज भी बड़ी मात्रा में जल स्रोतों को प्रदूषित करता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार देश की सैकड़ों नदियों के अनेक नदी खंड जल गुणवत्ता के मानकों से नीचे पाए गए हैं। इसका अर्थ यह है कि हमारे जल स्रोत धीरे-धीरे प्रदूषण के गंभीर जाल में फंसते जा रहे हैं। दूसरी ओर, भूजल का अत्यधिक दोहन भी स्थिति को और जटिल बना रहा है। भारत दुनिया में सबसे अधिक भूजल निकालने वाले देशों में अग्रणी है। अत्यधिक दोहन के कारण न केवल जल स्तर गिर रहा है, बल्कि कई स्थानों पर भूजल में फ्लोराइड, आर्सेनिक और अन्य हानिकारक रसायनों की मात्रा भी बढ़ती जा रही है। विकास की अंधी दौड़ ने भी इस संकट को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। तेजी से फैलते शहर, बढ़ते उद्योग और बढ़ती आबादी जल संसाधनों पर भारी दबाव डाल रहे हैं। लेकिन इसके समानांतर जल प्रबंधन की व्यवस्था उतनी मजबूत नहीं हो पाई है। कई शहरों में सीवेज उपचार संयंत्रों की क्षमता पर्याप्त नहीं है, जिसके कारण बड़ी मात्रा में गंदा पानी सीधे नदियों और झीलों में पहुंच जाता है। जब यही जल स्रोत पेयजल आपूर्ति का आधार बनते हैं तो स्वाभाविक रूप से जल की गुणवत्ता प्रभावित होती है। दूषित जल का प्रभाव केवल मानव स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रहता। इसका असर पूरे पारिस्थितिक तंत्र पर पड़ता है। नदियों और झीलों में बढ़ते प्रदूषण से जलीय जीवों का अस्तित्व संकट में पड़ जाता है। कई प्रजातियां धीरे-धीरे समाप्त होने के कगार पर पहुंच जाती हैं। इसके अतिरिक्त दूषित जल का उपयोग जब खेती में होता है तो वह मिट्टी की गुणवत्ता को भी प्रभावित करता है और अंततः खाद्य श्रृंखला के माध्यम से मनुष्य तक पहुंचता है। इस प्रकार जल प्रदूषण का दायरा व्यापक और बहुआयामी है। इस समस्या के समाधान के लिए केवल योजनाएं बना देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन की भी आवश्यकता है। सबसे पहले पेयजल की गुणवत्ता की नियमित और पारदर्शी निगरानी सुनिश्चित की जानी चाहिए। जल के नमूने लेने की प्रक्रिया तभी सार्थक होगी जब प्रदूषित पाए जाने पर तत्काल सुधारात्मक कदम उठाए जाएं। इसके साथ ही जलापूर्ति और सीवेज व्यवस्था के बीच सुरक्षित दूरी बनाए रखना अनिवार्य किया जाना चाहिए। जिन शहरों और कस्बों में पाइपलाइन व्यवस्था दशकों पुरानी हो चुकी है, वहां उन्हें चरणबद्ध तरीके से बदलने का काम युद्धस्तर पर किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त औद्योगिक प्रदूषण पर कठोर नियंत्रण भी आवश्यक है। उद्योगों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनका कचरा बिना उपचार के किसी भी जल स्रोत में न जाए। इसके लिए कड़े नियमों के साथ-साथ प्रभावी निगरानी तंत्र की भी जरूरत है। स्थानीय निकायों की जवाबदेही तय करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि कई बार जल आपूर्ति और उसकी गुणवत्ता की निगरानी दोनों की जिम्मेदारी उन्हीं के पास होती है। ऐसी स्थिति में पारदर्शिता की कमी हो जाती है। निश्चिततौर यह समझना होगा कि स्वच्छ जल केवल सुविधा का विषय नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार है। जिस प्रकार भोजन, शिक्षा और स्वास्थ्य को जीवन की बुनियादी आवश्यकताओं में शामिल किया जाता है, उसी प्रकार स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता भी उतनी ही अनिवार्य है। यदि देश को वास्तव में स्वस्थ और समृद्ध बनाना है तो जल की गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। जल जीवन मिशन जैसी योजनाएं तभी पूर्ण रूप से सफल मानी जाएंगी जब हर घर तक पहुंचने वाला पानी वास्तव में स्वच्छ और सुरक्षित होगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि जल प्रबंधन को केवल सरकारी कार्यक्रमों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे जनभागीदारी का व्यापक अभियान बनाया जाए। जब तक समाज, प्रशासन और सरकार मिलकर इस दिशा में गंभीर प्रयास नहीं करेंगे, तब तक दूषित जल का संकट पूरी तरह समाप्त नहीं हो पाएगा। स्वच्छ जल की रक्षा दरअसल जीवन की रक्षा है, और यह जिम्मेदारी हम सभी की है।

आज भारत सहित पूरी दुनिया में स्वच्छ जल की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। विडंबना यह है कि जिस देश में नदियों को माता का दर्जा दिया जाता है और जल को जीवन का मूल तत्व माना जाता है, वहीं करोड़ों लोग आज भी स्वच्छ पेयजल से वंचित हैं। यह स्थिति केवल संसाधनों की कमी का परिणाम नहीं है, बल्कि कहीं न कहीं नीतिगत कमजोरियों, प्रशासनिक उदासीनता और विकास के असंतुलित मॉडल की भी देन है। पिछले कुछ वर्षों में भारत सरकार ने पेयजल की उपलब्धता बढ़ाने के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाएं शुरू की हैं। वर्ष 2019 में आरंभ हुआ जल जीवन मिशन इसी दिशा में एक बड़ा कदम माना गया। इस योजना का उद्देश्य था कि देश के हर ग्रामीण परिवार को नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाए। इसके अतिरिक्त नदियों की स्वच्छता के लिए नमामि गंगे जैसी परियोजनाएं भी शुरू की गईं। इन योजनाओं के कारण पाइपलाइन के माध्यम से जल आपूर्ति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

देश दुनिया से

इच्छामृत्यु की अनुमति के बावजूद बाकी सवाल

ग़ाज़ियाबाद के 32 वर्षीय हरीश राणा को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर परोक्ष इच्छामृत्यु (पैसिव यूथेनेशिया) के लिए एम्स दिल्ली के पैलिएटिव केयर विभाग में शिफ्ट कर दिया गया है। इच्छामृत्यु की प्रक्रिया को पूरा होने में कई सप्ताह लग सकते हैं, क्योंकि इसमें कई चरण शामिल हैं। हालांकि, इस प्रक्रिया की व्यावहारिकता से जुड़े कई सवाल अभी हैं, पर अब बहस एक्टिव इच्छामृत्यु यानी दवा देकर या किसी दूसरे तरीके से मृत्यु देने पर भी होगी। सबसे बड़ी ज़रूरत इस बात की है कि संसद इस विषय पर कानून बनाए। 2018 और 2026 के फैसलों के बावजूद संसद ने अभी तक समग्र कानून नहीं बनाया। कोर्ट ने कई बार विधायिका से कानून बनाने की अपील की है। पैलिएटिव केयर में ऐसी चिकित्सा देखभाल होती है, जिसका उद्देश्य गंभीर या असाध्य बीमारी से पीड़ित मरीज को आराम देना और बीमारी को पूरी तरह ठीक करने के बजाय मरीज के दर्द, सांस लेने में तकलीफ, घबराहट, बेचैनी या अन्य शारीरिक-मानसिक परेशानियों को कम करने पर ध्यान दिया जाता है। सक्रिय इच्छामृत्यु मृत्यु का एक नया कारण उत्पन्न करती है; निष्क्रिय इच्छामृत्यु पहले से ही चल रही प्राकृतिक मृत्यु में बाधा को दूर करती है। एक मृत्यु का कारण बनती है; दूसरी मृत्यु को स्वाभाविक रूप से होने देती है। एक्टिव इच्छामृत्यु यानी दवा या किसी दूसरे तरीके से मौत देना पूरी तरह अवैध है। प्रश्न है कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत 'जीने के अधिकार' में 'गरिमापूर्ण मरने का अधिकार' शामिल है या नहीं? सुप्रीम कोर्ट ने हां कहा है, लेकिन सीमित परिस्थितियों में। हरीश राणा केस के फैसले के बाद भी, यह बहस अभी अपूर्ण है। इच्छामृत्यु के विरोध में जो तर्क है, उसके अनुसार जीवन ईश्वर का दिया हुआ है, उसमें मानवीय हस्तक्षेप गलत है। इच्छामृत्यु के अधिकार का दुरुपयोग होने का खतरा भी है। डॉक्टर 'किलर' बन जाएंगे। कोमा में पड़े लोगों को व्यर्थ समझ लिया जाएगा। कैथलिक चर्च, कई हिंदू संगठन और इस्लामी विद्वान इसे जीवन के खिलाफ मानते हैं। यदि इसे लागू भी किया जाए, तो देश में अच्छी पैलिएटिव केयर बहुत कम है, इसलिए कई लोग इच्छामृत्यु को 'आखिरी विकल्प' मानते हैं। इस समय बहस का केंद्र बिंदु यही है कि पैसिव इच्छामृत्यु को और सुगम बनाया जाए या नहीं, जबकि एक्टिव इच्छामृत्यु को वैध करने की मांग अभी बहुत कमजोर है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा है कि केवल असंभव रिकवरी वाले केस में, सख्त मेडिकल बोर्ड और न्यायिक देखरेख के साथ ही इसकी अनुमति देने पर विचार संभव है। बहुत से विशेषज्ञ मानते हैं कि असली समाधान बेहतर पैलिएटिव केयर की व्यवस्था को मजबूत करने में है, न कि जल्दबाजी में एक्टिव इच्छामृत्यु को वैध करने में। वर्ष 2013 में चंडीगढ़ में एक हादसे में चौथी मंजिल से गिरने के बाद से हरीश अचेत अवस्था में बिस्तर पर पड़े हुए हैं, और लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर निर्भर हैं। सुप्रीम कोर्ट ने गत 11 मार्च को उनके मामले में, पैसिव इच्छामृत्यु की अनुमति देकर भारत में पहली बार इस अधिकार के व्यावहारिक इस्तेमाल की अनुमति दी है। अदालत ने 2018 में इसे संवैधानिक अधिकार मान लिया था। हरीश राणा के माता-पिता की याचिका को, पहले दिल्ली उच्च न्यायालय ने और फिर उच्चतम न्यायालय ने खारिज कर दिया था। 2025 में उच्चतम न्यायालय ने अपने फैसले पर पुनर्विचार किया और यह निर्णय सुनाया। यह मामला 2018 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्थापित और 2023 में सरलीकृत कानूनी ढांचे और इन दिशानिर्देशों को लागू करने में आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों को उजागर करता है। विशेषज्ञ सक्रिय और निष्क्रिय इच्छामृत्यु के बीच अंतर पर और भारत में मजबूत देखभाल अवसंरचना की आवश्यकता पर भी चर्चा करते हैं। जटिल समस्या यह नहीं है कि कानून किस बात की अनुमति देता है, बल्कि यह है कि रोगी, जब स्वयं बोलने में असमर्थ हो, तो कौन और किस आधार पर निर्णय कर सकता है। स्वस्थ दिमाग वाला वयस्क किसी भी चिकित्सा उपचार को अस्वीकार कर सकता है, और चिकित्सक को उस अस्वीकृति का सम्मान करना होता है। ज्यादा मुश्किल मामला अनैच्छिक मृत्यु का है। ऐसा रोगी जो स्थायी रूप से कोमा में है, जिसका अस्तित्व पूरी तरह से चिकित्सा तकनीक पर निर्भर है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की दो-न्यायाधीशों की पीठ के इस फैसले को पूरी तरह से समझने के लिए, 2011 में अरुणा शानबाग के मामले से लेकर 2018 में कॉमन कॉज बनाम भारत संघ मामले में संवैधानिक फैसले तक की कड़ी को जोड़ना आवश्यक है। अरुणा रामचंद्र शानबाग मुंबई के किंग एडवर्ड मेमोरियल अस्पताल में नर्स थीं, जिनका 27 नवंबर, 1973 की रात को एक वार्ड अटेंडेंट ने गला घोंट दिया था। गला घुटने से उनके मस्तिष्क में ऑक्सीजन की आपूर्ति रुक गई थी। लगभग 42 वर्षों तक वे उसी अस्पताल में अचेत अवस्था में रहीं और 2015 में उनकी स्वाभाविक मृत्यु हो गई। 2011 में, सर्वोच्च न्यायालय में उनकी जीवन रक्षक प्रणाली हटाने की अनुमति देने के लिए याचिका दायर की गई थी। दो न्यायाधीशों की पीठ ने अपने फैसले में याचिका खारिज कर दी, लेकिन भारतीय कानून में पहली बार परोक्ष इच्छामृत्यु के लिए दिशानिर्देश निर्धारित किए। अदालत ने दयामृत्यु को अस्वीकार करने के पीछे सबसे बड़ा कारण यह बताया कि मुंबई के केईएम अस्पताल की नर्सें और अन्य कर्मचारी अरुणा को मरने देना नहीं चाहते। इन नर्सों ने 37 साल से अरुणा की पूरी जिम्मेदारी ले रखी थी। नर्सों के जीवन में अरुणा का एक मतलब हो गया था, जो उनकी एकता की कड़ी थी। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने 2018 के फैसले में 2011 के फैसले की संरचनात्मक खामियों को उजागर किया। 2018 में कॉमन कॉज़ मामले में पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने सर्वसम्मति से माना कि अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार में गरिमापूर्ण मृत्यु का अधिकार भी शामिल है और असाध्य कोमा में पड़े रोगी के परिवार के सदस्य जीवन रक्षक उपचार बंद करने के लिए अदालत से अनुमति मांग सकते हैं। पीठ ने प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपाय निर्धारित किए—दो स्वतंत्र चिकित्सा बोर्ड, परिवार की अनिवार्य सहमति और 30 दिन की पुनर्विचार अवधि—और अग्रिम चिकित्सा निर्देशों को मान्यता दी, जिनके द्वारा कोई व्यक्ति सक्षम रहते हुए भी अपने जीवन के अंतिम समय की प्राथमिकताओं को दर्ज कर सकता है। राणा परिवार ने जब 2024 में अपने बेटे को जीवित रखने वाली फीडिंग ट्यूब हटाने की अनुमति मांगने के लिए पहली बार दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया, तो अदालत ने याचिका खारिज कर दी। अदालत ने कहा, हरीश स्वतंत्र रूप से सांस लेकर बिना चिकित्सकीय सहायता के स्वयं को जीवित रख रहा है, इसलिए फीडिंग ट्यूब जीवन रक्षक प्रणाली को नहीं हटाया जा सकता। अब 11 मार्च के फैसले में इसे बदल दिया गया। न्यायालय ने अब यह माना है कि चिकित्सकीय सहायता प्राप्त पोषण को हटाना रोगी को भूखा रखना नहीं है।

आप का नज़रिया

मोबाइल : जरूरत या जिंदगी

संचार के इस युग में सभी तीव्र गति से काम चाहते हैं। पलक झपकते ही सूचनाओं का अंबार खड़ा हो जाना, इस युग की बहुत बड़ी देन भी कहीं जा सकती है। मुख से बोलते ही जानकारी का खजाना हमारे सामने है। क्या ठीक है और क्या गलत है, इसका निर्णय अब हमें स्वयं लेना होता है। साधन साधक के रूप में कार्य करने लगे हैं, ऐसा भी कई बार लगता है। इंटरनेट ने इस पूरे सूचना तंत्र को पंख लगा दिए हैं। पहले कंप्यूटर, फिर लेपटॉप और अब मोबाइल इसका सबसे सुचारू साधन बनकर उभरा है। मोबाइल केवल बातचीत करने का माध्यम ही नहीं रहा बल्कि इंटरनेट के चलते इसने कितनी ही साधन-सुविधाओं को अपने अंदर समाहित कर लिया है, कितने ही साधनों को यह निगल गया है और इसने कितने ही लोगों से दूरियां भी बना दी है। 'मोबाइल एक सुविधा अनेक' का यह मंत्र और साधन सभी की जेब में अपना स्थान बनाए हुए हैं। बातचीत के सफ़र से लेकर आज हर एक सुविधा इस यंत्र में धीरे-धीरे जुड़ती चली गई है। कभी पूरे गांव में एक टेलीविजन होता था. फिर घर-घर में टेलीविजन आया. अब टेलीविजन की उपयोगिता कितनी रह गई है, आप स्वयं से ही जान सकते हैं। मोबाइल के छोटे से स्क्रीन पर लोग घंटों-घंटों फिल्म, वीडियो, रील आदि देखते रहते हैं। हाथ पर बांधने वाली घड़ी को मोबाइल ने अपने अंदर समेट लिया, कैलेंडर और महत्वपूर्ण तारीखों को इसने अपने अंदर ले लिया। डायरी लेखन का काम भी इसमें अपने अंदर समाहित कर लिया। बढ़ती अर्थव्यवस्था में अब बैंक, एटीएम मशीन, शेयर बाजार का उतार चढ़ाव आदि की जगह मोबाइल ने ही ले ली है। मोबाइल में ही पैसे के लेनदेन का बहुत ही सरल तरीका हो गया है। अब व्यक्ति समाज में बैठे या ना बैठे लेकिन सोशल मीडिया अकाउंट के माध्यम से देश-दुनिया में हो रहे व्यक्ति की हर पल की जानकारी यहां चल रही है, स्वयं भी वहीं खड़ा हुआ व्यक्ति अपनी जानकारी साझा कर रहा है। शादी के रिश्ते अब इंटरनेट अर्थात वेबसाइट के माध्यम से हो रहे हैं। लोगों का आमने-सामने का संवाद खत्म ही हो रहा है। देश की राजनीति सोशल मीडिया का आधार बनती जा रही है। हर तरफ इसी का बोलबाला है। बच्चे मैदान में काम मोबाइल गेम्स में अधिक व्यस्त दिखाई देते हैं। पढ़ने का सारा मसाला इस छोटे से यंत्र में कहीं ना कहीं से मिल ही जाता है। अच्छा देखना है या बुरा देखना है सभी इसकी परिधि में आ जाते हैं। सरकार बहुत सी साइट और कार्यों पर रोक लगा चुकी है फिर भी कोई ना कोई रास्ता निकल ही रहा है। ऑनलाइन ठगी और डिजिटल अरेस्ट ने तो नाक में दम कर रखा है। लोग एक लाइक के चक्कर में अपनी जान पर खेल जाते हैं। कितनी ही बार जान भी चली जाती है। लोग रील या अन्य वीडियो बनाने के चक्कर में अपनी जान जोखिम में डाल देते हैं। सोशल मीडिया ने लोगों को भ्रमित कर दिया है, बाह्य दुनिया से दूर अब हम इस मोबाइल के अंदर की दुनिया में ही डूबे रहना चाहते हैं। छोटे-छोटे बच्चे मोबाइल की लत लगा चुके हैं। हर जगह व्यक्ति को मोबाइल के साथ जोड़ दिया गया है। सरकारें ऑन लाईन शिक्षा अर्थात विद्यालय-विश्वविद्यालय चलाने की बात कर रही हैं। ऑन लाईन कोविड के समय मजबूरी में चलाई गई शिक्षा थी, लेकिन इसे सफल साधन-सुविधा मानकर चलाया जा रहा है। इसके दुष्परिणाम भी सामने हैं कि बच्चों की आँखें, मस्तिष्क, शारीरिक बनावट सभी कुछ खराब हो रहे हैं। फिर भी सरकारें इस ओर क्यों जा रही है, यह भी तो सोचने की बात है। एक कहावत है कि बाजार लुटने के बाद सजग होना कहां की बुद्धिमानी है। जब देश का भविष्य ही खराब हो जायेगा अर्थात युवा तो आप क्या हासिल कर पाओगे। सरकारें, माता-पिता और समाज के जागरूक लोग कह रहे हैं कि बच्चों को कैसे मोबाइल की लत से दूर किया जाए। जब मोबाइल हर क्षेत्र की जरूरत हो चुका है तो फिर इससे लोगों को कैसे दूर किया जाए। यह एक बड़ा प्रश्न है? मोबाइल से हमें स्वयं दूरी बनानी होगी, फिर बच्चों से कहकर उसे दूरी बनवानी होगी। स्वयं के उदाहरण से ही आप दूसरे को शिक्षा दे सकते हैं।

साधन साधक के रूप में कार्य करने लगे हैं, ऐसा भी कई बार लगता है। इंटरनेट ने इस पूरे सूचना तंत्र को पंख लगा दिए हैं। पहले कंप्यूटर, फिर लेपटॉप और अब मोबाइल इसका सबसे सुचारू साधन बनकर उभरा है। मोबाइल केवल बातचीत करने का माध्यम ही नहीं रहा बल्कि इंटरनेट के चलते इसने कितनी ही साधन-सुविधाओं को अपने अंदर समाहित कर लिया है, कितने ही साधनों को यह निगल गया है और इसने कितने ही लोगों से दूरियां भी बना दी है। 'मोबाइल एक सुविधा अनेक' का यह मंत्र और साधन सभी की जेब में अपना स्थान बनाए हुए हैं। बातचीत के सफ़र से लेकर आज हर एक सुविधा इस यंत्र में धीरे-धीरे जुड़ती चली गई है। कभी पूरे गांव में एक टेलीविजन होता था. फिर घर-घर में टेलीविजन आया. अब टेलीविजन की उपयोगिता कितनी रह गई है, आप स्वयं से ही जान सकते हैं। मोबाइल के छोटे से स्क्रीन पर लोग घंटों-घंटों फिल्म, वीडियो, रील आदि देखते रहते हैं। हाथ पर बांधने वाली घड़ी को मोबाइल ने अपने अंदर समेट लिया, कैलेंडर और महत्वपूर्ण तारीखों को इसने अपने अंदर ले लिया। डायरी लेखन का काम भी इसमें अपने अंदर समाहित कर लिया।

कुछ अलग

व्यक्ति का नजरिया और रवैया क्यों बदलता रहता है

सत्संग प्रवचन में अध्यात्मिक वक्ता गुरु महाराज जी ने लगभग एक घंटा प्रवचन करने के बाद वहां पर उपस्थित सभी लोगों से कहा, 'यहां पर बहुत सारी मूर्तियां रखी गई हैं, जिसमें से आधी मूर्तियां रामचंद्र जी की हैं और आधी रावण की हैं।' सत्संग में यह कहा गया की प्रवचन की पूर्णता पर प्रत्येक व्यक्ति अपने मन से चाहे रामचंद्र की मूर्ति अथवा रावण की मूर्ति, किसी भी एक मूर्ति का चयन कर घर ले जा सकता है। सत्संग के दौरान प्रवचन करने वाले महाराज जी ने कहा, 'मुझे विश्वास है कि राक्षस राज रावण की नकारात्मक छवि के कारण सभी लोग रामचंद्र जी की मूर्ति घर ले जाना पसंद करेंगे। फिर कुछ देर मौन रहने के बाद महाराज जी ने लोगों से पूछते हुए कहा, 'अगर वह मंच से यह उद्घोष कर दें की रामचंद्र जी की मूर्ति लकड़ी की बनी है, जिस पर सोने की पॉलिश है तथा राक्षस राज रावण की मूर्ति शुद्ध स्वर्ण धातु की बनी है, तो आप लोग अपने इष्ट का स्मरण कर अंतर्मन से सच-सच बताएं कि तब आप कौन-सी मूर्ति अपने घर ले जाना पसंद करेंगे।' सभी ने एक स्वर में कहा, 'महाराज! कलियुग चल रहा है, सोने की मूर्ति ही घर ले जाना उपयोगी रहेगा।' इस पर महाराज जी ने कहा कि लाभ के अनुसार सांसारिक लोगों का नजरिया बदलना स्वाभाविक है, लेकिन जो व्यक्ति आध्यात्मिक ज्ञान और विवेक को आधार बनाता है, वह परिस्थितियों के अनुसार बदलने के बजाय सत्य के मार्ग पर स्थिर रहना सीख जाता है, यही जीवन की वास्तविक साधना है। जिसके भीतर आत्मिक संतोष होता है, वह परिस्थितियों के अनुसार नहीं बदलता। लेकिन जिसके भीतर आध्यात्मिक रिक्तता होती है, उसका मन तुरंत स्वार्थ की ओर मुड़ जाता है।

दृष्टि कोण

पानी से जुड़ा लैंगिक समानता का मुद्दा

पानी केवल एक प्राकृतिक संसाधन नहीं है, बल्कि मानव सभ्यता की रीढ़ भी है। खेती, उद्योग, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक जीवन, सब कुछ पानी पर निर्भर है। इसके बावजूद आज दुनिया गंभीर जल संकट का सामना कर रही है। यह संकट केवल पानी की कमी का नहीं, बल्कि उसके असमान वितरण, प्रबंधन की विफलता और सामाजिक असंतुलन का भी है। इसी बारे में चेतना जगाने के लिए संयुक्त राष्ट्र हर वर्ष 22 मार्च को विश्व जल दिवस मनाता है। विश्व जल दिवस की शुरुआत 1993 में हुई थी, जब महसूस किया गया कि पानी से जुड़ी समस्याओं को केवल तकनीकी या स्थानीय मुद्दा मानकर नहीं सुलझाया जा सकता। यह एक वैश्विक चुनौती है, जिसका समाधान सामूहिक जिम्मेदारी से संभव है। हर वर्ष एक विशेष विषय चुनकर पानी के किसी एक पहलू पर फोकस किया जाता है, ताकि नीति निर्धारकों व नागरिकों को स्पष्ट दिशा मिल सके। वर्ष 2026 के लिए विश्व जल दिवस की थीम है पानी और लैंगिक समानता। इसका संदेश है जहां पानी बहता है, वहां समानता बहती है। जल संकट का प्रभाव सभी पर समान नहीं पड़ता। समाज के कुछ वर्ग खासकर महिलाएं व लड़कियां, पानी की कमी और खराब जल प्रबंधन से अधिक प्रभावित होती हैं। दुनिया के अनेक हिस्सों में घर के लिए पानी लाने की जिम्मेदारी महिलाओं पर होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में दूर-दूर से पानी लाना सामान्य बात है। इस प्रक्रिया में उनका समय, ऊर्जा और स्वास्थ्य तीनों प्रभावित होते हैं। जब कोई लड़की रोज कई घंटे पानी लाने में लगाती है, तो उसका स्कूल जाना बाधित होता है। जब कोई महिला भारी बर्तन उठाकर लंबी दूरी तय करती है, तो उसका स्वास्थ्य कमजोर होता है। यहां प्रश्न केवल पानी उपलब्ध होने या न होने का नहीं है, बल्कि यह है कि पानी की कमी किसे ज्यादा नुकसान पहुंचाती है। आंकड़े बताते हैं कि पेयजल की सुविधाओं की कमी का सबसे अधिक बोझ महिलाओं पर पड़ता है। विश्व जल दिवस 2026 की थीम जोर देती है कि पानी की समस्या के स्थायी समाधान के लिए महिलाओं को जल प्रबंधन, योजना निर्माण और निर्णय प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनाना

जरूरी है। अनुभव बताता है कि जहां स्थानीय जल समितियों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी, वहां जल स्रोतों का रखरखाव बेहतर हुआ और जल उपयोग अधिक जिम्मेदारी से किया गया। भारत जैसे देश में यह विषय और अधिक प्रासंगिक है। भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है, वहीं यहां क्षेत्रीय जल असमानता बहुत गहरी है। कहीं बाढ़ की समस्या, तो कहीं सूखा। दोनों ही स्थितियों में महिलाओं पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं ने भारत में हर घर नल से जल पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इससे कई क्षेत्रों में महिलाओं का समय बचा है, जिसे वे शिक्षा, रोजगार और सामाजिक गतिविधियों में लगा पा रही हैं। इससे स्पष्ट है कि जब पानी की उपलब्धता सुनिश्चित होती है, तो समानता की दिशा में भी ठोस प्रगति होती है। पानी को यदि केवल संसाधन मानकर देखा जाता, तो समाधान भी सीमित रहेंगे। लेकिन जब पानी को मानव अधिकार और सामाजिक न्याय के दृष्टिकोण से देखा जाता है, तब नीतियां अधिक समावेशी बनती हैं। संयुक्त राष्ट्र ने सुरक्षित पेयजल और स्वच्छता को मानव अधिकार के रूप में मान्यता दी है। यानी समाज में पानी की उपलब्धता केवल सुविधा नहीं, बल्कि अधिकार है, और इस अधिकार से किसी भी वर्ग को वंचित नहीं किया जा सकता। लैंगिक समानता के बारे में जरूरी है कि जल क्षेत्र में महिलाओं को नेतृत्व के मौके मिलें। इंजीनियरिंग, योजना निर्माण, प्रशासन और निगरानी जैसे क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से जल प्रबंधन अधिक संवेदनशील व व्यावहारिक बनेगा।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें, क्योंकि क़िस्मत ख़ुद बहुत आलसी होती है। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा–पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। आज समय की नजाकत को देखते हुए आप अपने लिए समय निकाल सकते हैं लेकिन ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा करने में सफल नहीं हो पाएँगे। आपकी भागदौड़ भरी दिनचर्या के कारण आपका जीवनसाथी ख़ुद असहज महसूस करेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस–पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। जो लोग काफी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। पारिवारिक उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी, जो आपको मानसिक तनाव दे सकती है। प्रेमी एक–दूसरे की पारिवारिक भावनाओं को समझेंगे। बड़े व्यापारिक लेन–देन करते वक़्त अपनी भावनाओं पर क़ाबू रखें। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अपने नकारात्मक रवैये के चलते आप प्रगति नहीं कर पा रहे हैं। यह इस बात को समझने का सही वक़्त है कि चिंता की आदत ने आपके सोचने की क्षमता को ख़त्म कर दिया है। हालात के उजले पहलू की ओर देखें और आप पाएंगे कि चीज़ें सुधर रही हैं। किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा–खासा धन लाभ होने की संभा–वना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। नाते–रिश्तेदार तरक़्क़ी और समृद्धि के लिए नयी योजनाएँ लाएंगे। जीवनसाथी से बहुत ज़्यादा उम्मीदें रखना आपको वैवाहिक जीवन में उदासी की तरफ़ ले जा सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज के दिन आप काम को अलग रखकर थोड़ा आराम करें और कुछ ऐसा करें जिसमें आपकी दिलचस्पी हो। आज अगर आप दूसरों की बात मानकर निवेश करेंगे, तो आर्थिक नुक़सान तक़रीबन पक्का है। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। अपना बायोडाटा भेजने या किसी इंटरव्यू में जाने के लिए अच्छा समय है। आज रात को जी–वनसाथी के साथ खाली वक्त बिताते समय आपको लगेगा कि आपको उन्हें और भी वक्त देना चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

तली–भुनी खाने की चीज़ों से किनारा करें। अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। ज़ाहिर तौर पर रोमांस के लिए पर्याप्त मौक़े हैं– लेकिन ऐसा बहुत कम समय के लिए है। सेमिनार और गोष्ठियों में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना–देना नहीं है। आपका जीवनसाथी आप–को ज़्यादा ख़ास वक़्त देने वाला है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। दीर्घावधि मुनाफ़े के नज़रिए से स्टॉक और म्यूचुअल फ़ंड में निवेश करना फ़ायदेमंद रहेगा। अपने घर के वातावरण में कुछ बदलाव करने से पहले आपको सभी की राय जानने की कोशिश करनी चाहिए। आज के दिन कार्यक्षेत्र में चीज़ें वाक़ई बेहतरी की ओर बढ़ सकेंगी। आज घर के लोगों के साथ बातचीत करते दौरान आपके मुंह से कोई ऐसी बात निकल सकती है जिससे घर के लोग नाराज हो सकते हैं। इसके बाद घर के लोगों को मनाने में आपका काफी समय जा सकता है। रिश्तेदारों को लेकर जीवनसाथी के साथ नोंकझोंक हो सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

घर और दफ़्तर में कुछ दबाव आपको गुस्सैल बना सकता है। व्यापार को मजबूती देने के लिए आज आप कोई अहम कदम उठा सकते हैं जिसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है। शादी लायक़ युवाओं का रिश्ता तय हो सकता है। इस राशि के जो लोग रचनात्मक कार्यों से जुड़े हैं उन्हें आज परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आपको महसूस हो सकता है कि रचनात्मक कार्य करने से बेहतर नौकरी करना था। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी आज आप अपने लिए समय निकालपाने में सक्षम होंगे। खाली वक्त में आज कुछ रचनात्मक कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

क़िस्मत के भरोसे न बैठें और अपनी सेहत सुधारने के लिए ख़ुद मेहनत करें, क्योंकि हाथ पर हाथ रखे रहने से कुछ नहीं होने वाला। तनाव का दौर बरक़रार रहेगा, लेकिन पारिवारिक सहयोग मदद देगा। आज के इस ख़ूबसूरत दिन प्रेम–संबंध में आपकी सभी शि–कायतें ग़ायब हो जाएंगी। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आज आपको अपने ससुराल पक्ष से कोई बुरी खबर मिल सकती है जिसके कारण आपका मन दुखी हो सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आपको अपनी ओर से सबसे अच्छा बर्ताव करने की ज़रूरत है, क्योंकि आपके प्रिय का मूड बहुत अनिश्चित होगा। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। अपने काम से आराम लेकर आज आप कुछ समय अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं। अपने जीवनसाथी के किसी छोटी बात को लेकर बोले गए झूठ से आप आहत महसूस कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दाँत का दर्द या पेट की तक़लीफ़ आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकती है। तुरंत आराम पाने के लिए अच्छे चिकित्सक की सलाह लेने में कोताही न बरतें। आज आपको समझ आ सकता है कि धन को बिना सोच विचारे खर्च करना आपको कितना नुक्सान पहुंचा सकता है. घर में साफ़–सफ़ाई की ज़रूरत तुरंत है। हमेशा की तरह इस काम को अगली बार के लिए न टालें और कमर कस कर जुट जाएँ। अगर आपको एक दिन की छुट्टी पर जाना है तो चिंता न करें, आपकी ग़ैरहाज़िरी में सभी काम ठीक से चलते रहेंगे। और अगर किसी ख़ास वजह से कोई परेशानी खड़ी भी हो जाए, तो आप लौटने पर उसे आसानी से हल कर लेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

व्यापार में मुनाफा आज कई व्यापारियों के चेहरे पर खुशी ला सकता है। आपको ऐसी गतिविधियों में संलग्न होने की ज़रूरत है, जहाँ आपको अपने समान रुचियों के लोगों से मिलने का मौक़ा मिले। काम की अधिकता के बावजूद भी आज कार्यक्षेत्र में आपमें ऊर्जा देखी जा सकती है। आज आप दिये गये काम को तय वक्त से पहले ही पूरा कर सकते हैं। जिन लोगों के घर वाले शिकायत करते हैं कि वो घरवालों को पर्याप्त समय नहीं देते वो आज घरवालों को समय देने के बारे में सोच सकते हैं लेकिन ऐन वक्त पर किसी काम के आने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

गर्भवती महिलाओं को चलते–फिरते समय ख़ास ख़याल रखने की ज़रूरत है। कुछ ख़रीदने से पहले उन चीज़ों का इस्तेमाल करें, जो पहले से आपके पास हैं। घर में कुछ बदलाव लाने के लिए पहले बाक़ी लोगों की राय भली–भांति जान लें। अगर आप अपनी योजनाओं को सबके सामने खोलने में बिल्कुल नहीं हिचकते, तो आप अपनी परियोजना को ख़राब कर सकते हैं। किसी नये काम के आगाज के लिए आपको पहले उसके बारे में अनुभवी लोगों से बात करनी चाहिए। अगर आज आपके पास समय है तो उस क्षेत्र के अनुभवी लोगों से मिल लें जो काम आप शुरु करने वाले हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 23 मार्च 2026 , सोमवार
विक्रम संवत : 2083
मास : चैत्र , शुक्ल पक्ष
तिथि : पंचमी सायं 06:40 तक
नक्षत्र : कृतिका रात्रि 08:50 तक
योग : विष्कुंभ दोपहर 12:21 तक
करण : बव प्रातः 07:59 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 06:18, सूर्यास्त 06:27 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:22, सूर्यास्त 06:30 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:14, सूर्यास्त 06:23 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:09, सूर्यास्त 06:18 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पंचम स्कन्द माता पूजन , कल्पादि तिथि , सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 08:50 से रात्रि 06:16 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय संकल्प को साकार करने में

हरियाणा सरकार निभा रहा अग्रणी भूमिका : नायब सैनी

चंडीगढ़, 22 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 'विकसित भारत 2047' के राष्ट्रीय संकल्प को साकार करने में हरियाणा अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रस्तुत यह विजन 140 करोड़ देशवासियों की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है, जिसे जमीन पर उतारने के लिए प्रदेश सरकार निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बादशाहपुर क्षेत्र इस विकास यात्रा का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है, जहां किए गए वादों को योजनाओं और कार्यों के माध्यम से सफलतापूर्वक साकार किया गया है। मुख्यमंत्री रविवार को गुरुग्राम के बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र के गांव काकरौला में आयोजित विकसित बादशाहपुर महारैली एवं मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के आवास आबंटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने की, जबकि हाउसिंग फॉर ऑल विभाग के समन्वय से यह आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 2709 लाभार्थियों को उनके आवास की चाबियां सौंपी। मुख्यमंत्री के गुरुग्राम आगमन पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने उनका स्वागत किया। बादशाहपुर बना विकास की नई पहचान: 11 वर्षों में ऐतिहासिक प्रगति, 15 हजार करोड़ के विकास कार्यों से बदली तस्वीर

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जो क्षेत्र कभी बुनियादी सुविधाओं के लिए तरसते थे, आज वही विकास की नई मिसाल बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि यह बदलाव इस बात का प्रमाण है कि सरकार ने केवल वादे नहीं किए, बल्कि उन्हें पूरी प्रतिबद्धता के साथ धरातल पर उतारकर दिखाया है। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में सरकार ने राजनीति को सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि जनसेवा का सशक्त साधन माना है। बादशाहपुर हलके के विकास को गति देने के लिए बीते साढ़े 11 वर्षों में कुल 81 सीएम अनाउंसमेंट की गईं, जिनमें से 60 पूरी हो चुकी हैं और 8 पर कार्य प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि इस अवधि में बादशाहपुर क्षेत्र में 15,166 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाएं लागू की गईं। इसके विपरीत, पूर्ववर्ती सरकार के 10 वर्षों के शासनकाल में यहां केवल 967 करोड़ रुपये ही खर्च किए गए थे। उन्होंने कहा कि यह अंतर वर्तमान सरकार की प्रतिबद्धता और विकास के प्रति स्पष्ट दृष्टिकोण को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में भी प्रदेश के सर्वांगीण विकास और प्रत्येक वर्ग के हितों की सुरक्षा के लिए निरंतर ठोस और प्रभावी कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि नवरात्रों के पावन अवसर पर गुरुग्राम में 2,709 गरीब परिवारों को उनके सपनों का घर सौंपना केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सरकार की प्रतिबद्धता का सशक्त प्रतीक है। यह एक दिव्य संयोग भी है, जो सेवा और समर्पण की भावना को और अधिक दृढ़ करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि माता के नवरात्र शक्ति, ऊर्जा और समृद्धि के प्रतीक हैं, और इसी भावना के साथ हरियाणा सरकार हर जरूरतमंद परिवार को सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराने के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उन्हें समयबद्ध तरीके से धरातल पर उतारकर लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है।

आतंकवाद और नक्सलवाद को जड़मूल से समाप्त करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : सैनी

गुरुग्राम, 22 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार आतंकवाद और नक्सलवाद को जड़मूल से समाप्त करने की दिशा में निरन्तर आगे बढ़ रही है। दंतेवाड़ा जैसी घटनाएं हमें यह याद दिलाती हैं कि यह लड़ाई अभी जारी है, लेकिन हमारे बहादुर जवान हर चुनौती का सामना करने के लिए सदैव तैयार हैं। हरियाणा वीरों की भूमि है, यहां के युवाओं में देश सेवा का जज्बा कूट कूट कर भरा हुआ है। मुख्यमंत्री रविवार को गुरुग्राम में होम डेवलपर्स एसोसिएशन द्वारा छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में सीआरपीएफ के शहीद जवानों के सम्मान में आयोजित शहीदी दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने लेजरवली पार्क में शहीद भगत सिंह की प्रतिमा लगाने की घोषणा की। उन्होंने शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर हरियाणा के सैनिक एवं अर्द्ध सैनिक कल्याण, उद्योग, वन एवं पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह, गुरुग्राम विधायक मुकेश शर्मा, सोहना विधायक तेजपाल तंवर, मेयर राजरानी मल्होत्रा भी उपस्थित थे।

स्वामी दयानंद की विचारधारा से मिला स्वदेशी और स्वराज का मंत्र : औमप्रकाश धनखड़

चंडीगढ़, 22 मार्च (एजेंसियां)। स्वामी दयानंद ने अपना संपूर्ण जीवन समाज सुधार और ज्ञान से उजाला करने को समर्पित कर दिया। उनकी सुधारवादी विचारधारा से ही स्वदेशी और स्वराज का मंत्र मिला। स्वामी जी के इसी मंत्र से प्रेरित होकर देश की आजादी के लिए अनेक देशवासियों ने त्याग और बलिदान दिया। स्वामी जी विचारधारा आज भी हमें नवाचार की ओर अग्रसर करती है। भारत वर्ष की इस समृद्ध परंपरा को गुरुकुल आगे बढ़ा रहे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ ने गुरुकुल झज्जर के 110 वें वार्षिक समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि झज्जर गुरुकुल ने इस क्षेत्र में सनातनी परंपरा और नैतिकता की शिक्षा को निरंतर आगे बढ़ाने का सराहनीय कार्य किया है। -- सनातनी शिक्षा के नवाचार से भारत हुआ मजबूत धनखड़ ने कहा कि ओमानंद सरस्वती जी ने स्वामी दयानंद जी की विचारधारा के प्रचार प्रसार में अपना जीवन समर्पित कर दिया। ओमानंद जी ने विपरित परिस्थितियों में भी सनातनी परंपरा को आगे बढ़ाने का काम किया। उन्होंने कहा कि मैकाले शिक्षा नीति दूसरों के पीछे–पीछे चलना सिखाती है। हमारे वेद व सनातनी शिक्षा नवाचार और सुधार की ओर अग्रसर करती है। हमारी सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ फ्यूचर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को बढ़ावा देने के लिए विश्वस्तरीय सम्मेलन कराने जैसे निर्णय हमें नई तकनीक और नये ज्ञान के साथ आगे बढ़ने को प्रेरित करते हैं।

धनखड़ ने कहा कि सनातनी शिक्षा की बदौलत ही दुनिया के शक्तिशाली देश अब भारत की ओर उम्मीद भरी नजरों से देखने लगे हैं। पश्चिम एशिया युद्ध को रोकने के लिए कई बड़े देश भारत को आगे आने की बात कर रहे हैं। यह आगे बढ़ते भारत की ताकत है धनखड़ ने कहा कि भारत के युवा अपनी संस्कृति और संस्कारों को तकनीक के साथ समावेश करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। भाजपा की रीति और नीति में सनातनी संस्कृति के साथ राष्ट्र विकास सर्वोपरि है। आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरा है। पीएम मोदी के सशक्त नेतृत्व में हर भारतीय का सपना वर्ष 2047 तक विकसित भारत हो अपना। इसके लिए जरूरी है कि हम अपने संस्कारों और संस्कृति के साथ नवाचार को अपनाएं।

कुमारी सैलजा ने चौधरी भजनलाल की प्रतिमा का अनावरण

नगर निगम और सरकारी नीतियों पर उठाए सवाल

पंचकूला, 22 मार्च (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने आज पंचकूला के सेक्टर–15 स्थित बिश्नोई भवन में हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी भजनलाल की प्रतिमा का अनावरण किया। सांसद कुमारी सैलजा ने चौधरी भजनलाल को एक दूरदर्शी एवं कुशल राजनीतिज्ञ बताते हुए कहा कि हरियाणा के विकास में उनका योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने कहा कि चौधरी भजनलाल सामाजिक एकता, भाईचारे और सामाजिक न्याय के प्रबल समर्थक थे, यही कारण है कि आज भी सभी वर्गों के लोग उन्हें सम्मानपूर्वक याद करते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रतिमा का अनावरण करना उनके लिए सौभाग्य की बात है और यह प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को सामाजिक समरसता और भाईचारे का संदेश देती रहेगी। इस अवसर पर बिश्नोई सभा द्वारा सांसद का सम्मान भी किया गया। इसके बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए कुमारी सैलजा ने पंचकूला नगर निगम की वार्डबंदी और भाजपा सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी हर स्तर पर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं से खिलवाड़ कर रही है, जो उनकी राजनीतिक कमजोरी को दर्शाता है। उन्होंने विश्वास जताया कि पंचकूला की जनता कांग्रेस पार्टी को नगर निगम चुनाव में विजय दिलाएगी। सांसद ने प्रदेश में बढ़ती गैस सिलेंडर की किल्लत और कालाबाजारी को सरकार की विफलता बताया। उन्होंने कहा कि आम उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध नहीं हो रहे, जिससे जनता परेशान है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा धर्म के नाम पर लोगों को बांटने की राजनीति कर रही है, जबकि विकास के दावे खोखले साबित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश में न तो वास्तविक रूप से स्मार्ट सिटी विकसित हुए हैं और न ही शहरों में मूलभूत सुविधाएं, जैसे स्वच्छ पेयजल, सुनिश्चित हो पाए हैं।

थानाधिकारी सहित दो पुलिसकर्मी रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

उदयपुर, 22 मार्च (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की इंटेलिजेंस यूनिट उदयपुर ने बड़ी कार्रवाई करते हुए माण्डवा थाने के थानाधिकारी निर्मल कुमार खत्री और कांस्टेबल भल्लाराम पटेल को 8 लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। एसीबी के महानिदेशक गोविंद गुप्ता के अनुसार, गोपनीय सूचना के आधार पर शिकायत मिली थी कि परिवादियों को एक मामले में आरोपी नहीं बनाने के बदले 20 लाख रुपये की रिश्वत मांगी जा रही है। 21 मार्च 2026 को सत्यापन के दौरान यह पुष्टि हुई कि आरोपी प्रति व्यक्ति 5 लाख रुपये के हिसाब से कुल 20 लाख रुपये की मांग कर रहे थे, लेकिन बाद में 8 लाख रुपये लेने पर सहमति बनी। योजना के तहत एसीबी टीम ने ट्रैप कार्रवाई को अंजाम दिया और आरोपियों को 8 लाख रुपये लेते हुए रंगे हाथों दबोच लिया। इस राशि में 1 लाख रुपये असली नोट और 7 लाख रुपये डमी नोट (चिल्ड्रन नोट) शामिल थे।यह कार्रवाई डॉ. रामेश्वर सिंह, उप महानिरीक्षक पुलिस के सुपरविजन में तथा एसीबी इंटेलिजेंस यूनिट उदयपुर के नेतृत्व में की गई। ट्रैप की कार्रवाई पुलिस निरीक्षक डॉ. सोनू शेखावत ने टीम के साथ मिलकर अंजाम दी।

मामले में एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव और महानिरीक्षक एस. परिमाला के निर्देशन में आरोपियों से पूछताछ जारी है। दोनों आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित) की धारा 7 तथा बीएनएस 2023 की धारा 61(2) के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

दौसा में शिक्षाविद शंभू दयाल उपाध्याय की प्रतिमा का अनावरण

दौसा, 22 मार्च (एजेंसियां)। शिक्षाविद शंभू दयाल उपाध्याय की प्रतिमा का अनावरण ग्राम कुंडल में किया गया। कार्यक्रम में समारोह के मुख्य अतिथि प्रोटेम स्पीकर एवं मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ रहे। अध्यक्षता सांसद मुरारी लाल मीणा ने की। विशिष्ट अतिथि दौसा विधायक डी.सी. बैरवा, हिंडौन विधायक अनीता जाटव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राखी राठौड़, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा, पूर्व मंत्री शैलेन्द्र जोशी, भाजपा कार्य समिति सदस्य महावीर रलावता, प्रदेश प्रवक्ता रवि पालीवाल, कांग्रेस अभाव अभियोग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष योगिता शर्मा, हरियाणा ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिरदि चंद शर्मा एवं राजस्थान ब्राह्मण महासभा युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रामानुज शर्मा रहे। इस अवसर पर संत अवधेशाचार्य महाराज एवं योगगुरु योगिता की विशेष उपस्थिति में कार्यक्रम के दौरान कई प्रधान, वरिष्ठ नागरिक एवं युवाओं ने बढ़–चढ़कर भाग लिया।

आधुनिक शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध करवाना हमारी प्राथमिकता : भजनलाल

जयपुर, 22 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में जर्जर विद्यालय भवनों के पुनर्निर्माण के लिए केंद्र सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा 300 करोड़ रुपये की स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया है। शर्मा ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए मजबूत आधारभूत संरचना का निर्माण हमारी प्राथमिकता है। हमारा उद्देश्य है कि प्रत्येक विद्यार्थी को सुरक्षित, आधुनिक और प्रेरणादायक शैक्षणिक वातावरण मिले, ताकि वे अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में केंद्र सरकार के इस सहयोग से प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक सुधार होगा तथा विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

किसी की भी धमकियों से राज्य कर्मचारियों को डरने की जरूरत नहीं है : टीकाराम जूली

अलवर, 22 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने प्रदेश की चरमराती प्रशासनिक व्यवस्था पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा है कि राजस्थान में सिस्टम का पूर्ण ब्रेकडाउन हो चुका है। सरकार की निष्क्रियता पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि आज हालात ऐसे हैं कि दीया लेकर ढूंढने पर भी सरकार कहीं नजर नहीं आती। ऐसा प्रतीत होता है कि प्रदेश में निर्वाचित सरकार का अस्तित्व ही समाप्त हो गया है। जूली ने कहा कि यह राजस्थान का दुर्भाग्य है कि वर्तमान भाजपा सरकार जनता के प्रति जवाबदेह होने के बजाय केवल दिल्ली दरबार के 'एक्सटेंशन काउंटर' की भूमिका निभा रही है।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत द्वारा राज्य कर्मचारियों को दी गई धमकी पर कड़ा ऐतराज जताते हुए नेता प्रतिपक्ष ने कहा, एक केंद्रीय मंत्री सरेआम कर्मचारियों का भविष्य बर्बाद करने की धमकी दे रहे हैं और राज्य सरकार मुंह में दही जमाकर बैठी है। यह चुप्पी न केवल कायरतापूर्ण है, बल्कि प्रदेश के लाखों कर्मचारियों के हितों के साथ विश्वासघात है, कोई बीस साल का पट्टा लिखा कर नहीं लाया है ,लोकतंत्र में जनता ही माई–बाप होती है।

कर्मचारियों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि कर्मचारी किसी व्यक्ति या दल के गुलाम नहीं, बल्कि संविधान के सजग प्रहरी हैं। व्यक्ति आते–जाते रहते हैं, लेकिन देश संविधान से चलता है। मैं आश्वस्त करता हूं कि बिना डरे अपना काम करें, जो संविधान के साथ चलेगा, टीकाराम जूली उसके लिए 'मजबूत कवच' बनकर खड़ा रहेगा। जूली ने सरकार पर स्थानीय निकाय और पंचायत चुनावों से भागने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ओबीसी आरक्षण आयोग का कार्यकाल 31 मार्च को समाप्त हो रहा है, लेकिन सरकार चुनाव टालने के लिए नए–नए बहाने खोज रही है।

राज्य बजट पर कोप्पुला ईश्वर ने कांग्रेस सरकार को घेरा

पेद्दापल्लूली, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व मंत्री कोप्पुला ईश्वर ने राज्य बजट को लेकर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। इस मौके पर पूर्व विधायक दासारी मनोहर रेड्डी, कोरुकंती चंदर और पुट्टा मधुकर सहित कई बीआरएस नेता मौजूद रहे।

कोप्पुला ईश्वर ने कहा कि कांग्रेस सरकार द्वारा पेश किया गया बजट सभी वर्गों के लोगों को धोखा देने वाला है और यह राज्य को पीछे धकेलने वाला बजट है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार कल्याणकारी योजनाओं को कमजोर कर रही है और पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर की विरासत को मिटाने की कोशिश कर रही है।

उनके अनुसार, 3,24,234 करोड़ के कुल परिव्यय वाला यह बजट आंकड़ों की बाजीगरी मात्र है और इसमें वास्तविक विकास का कोई स्पष्ट रोडमैप नहीं है।

ईश्वर ने कहा कि सरकार ने ढाई वर्षों में 3.47 लाख करोड़ का कर्ज लिया, लेकिन इसके बदले राज्य की किसी बड़ी उपलब्धि का उदाहरण पेश नहीं कर पा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य का अनुमानित कर राजस्व 1,11,798 करोड़ से घटकर 1,09,233 करोड़ रह गया है, जो आर्थिक गिरावट का संकेत है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की छह गारंटियों के लिए पर्याप्त धन आवंटित नहीं किया गया।

पिछले वर्ष 56,083 करोड़ की तुलना में इस बार केवल 50,713 करोड़ आवंटित किए गए, जो 5,370 करोड़ की कटौती दर्शाता है।

महालक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को 2,500 मासिक सहायता और युवतियों को स्कूटर देने का वादा किया गया था, लेकिन स्कूटर योजना के लिए कोई बजट प्रावधान नहीं किया गया।

उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र के लिए आवंटन 24,439 करोड़ से घटाकर 23,179 करोड़ कर दिया गया।

'रायथु भरोसा' योजना के लिए लगातार दूसरे वर्ष भी 18,000 करोड़ ही रखे गए, जबकि प्रति एकड़ 15,000 सहायता देने का चुनावी वादा किया गया था।

फसल पर 500 बोनस देने की घोषणा भी पूरी तरह लागू नहीं की गई।

गृह ज्योति, गुरुकुल स्कूल और बीमा योजना पर भी सवाल

राज्य में 60 लाख पात्र परिवार होने के बावजूद 'गृह ज्योति' योजना का लाभ केवल 48 लाख परिवारों तक ही सीमित है।गुरुकुल स्कूलों के विकास और नए संस्थानों के निर्माण को लेकर बजट आवंटन और वास्तविक खर्च में भारी अंतर होने का आरोप लगाया गया।'इंदिरम्मा' बीमा योजना की घोषणा के बावजूद उसके क्रियान्वयन पर स्पष्टता नहीं होने की बात भी कही गई।

ईश्वर ने आरोप लगाया कि 'अंबेडकर अभय हस्तम' योजना के तहत किए गए 12 लाख सहायता के वादे को बजट में नजरअंदाज कर दिया गया, जिससे दलित समुदाय के साथ विश्वासघात हुआ है।कार्यक्रम में बीआरएस पेद्दापल्ली टाउन अध्यक्ष उप्पू राजकुमार, गोपू अलैय्या यादव, नदिपेल्ली मुरलीधर राव, नारदसु मारुति, पुदारी चंद्रशेखर, केधम किशोर, अफजल बाबा, प्रेम कुमार, गजुला अरुण सहित अनेक स्थानीय नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।समापन में, कोप्पुला ईश्वर ने कहा कि बीआरएस शासन में तेलंगाना देश के अग्रणी राज्यों में था, जबकि वर्तमान कांग्रेस सरकार के शासन में राज्य विकास की गति खो रहा है।

सिरपुर विधायक हरीश बाबू ने चना खरीद केंद्र का उद्घाटन किया

आसिफाबाद, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । सिरपुर विधायक डॉ. पलवई हरीश बाबू ने कागज नगर शहर के बीट मार्केट में मार्क फेड द्वारा संचालित चना खरीद केंद्र का उद्घाटन किया। उन्होंने किसानों से केंद्र का उपयोग करने और पूरा समर्थन मूल्य प्राप्त करने की अपील की।

उद्घाटन कार्यक्रम में विधायक ने बताया कि दहेगाम मंडल के करजी और गिरिवेली क्षेत्रों में करीब एक हजार क्विंटल मूंगफली का उत्पादन होता है; उन्होंने मार्क फेड अधिकारियों से समन्वय कर वहां मूंगफली खरीद केंद्र स्थापित करवाया है।

उन्होंने मूंगफली उगाने वाले किसानों से अपील की कि वे नए चना खरीद केंद्र और मूंगफली खरीद केंद्र दोनों का लाभ उठाकर उचित मूल्य प्राप्त करें।

कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट एग्रीकल्चर ऑफिसर वेंकटती, मार्केट कमेटी चेयरमैन सिद्दला देवैया, डिस्ट्रिक्ट मार्केटिंग ऑफिसर अशफाक, एडीए मनोहर, असिस्टेंट रजिस्ट्रार सैमुअल, मंडल एग्रीकल्चर ऑफिसर प्रेमलता, कार्तिशा, एईओ दुर्गा भवानी, सृजना, श्रीनिवास, और पीएसीएस सेक्रेटरी सतीश गौड़ सहित कई किसान उपस्थित रहे।

विश्वब्राह्मण परिवार को सरकारी मदद प्रदान करने की मांग

पेद्दापल्लूली, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्वब्राह्मण एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष कट्टा राजानंदम ने पेद्दापल्ली के विधायक और सरकारी व्हिप चिंतकुंटा विजयरामना राव से अपील की है कि वे उस विश्वब्राह्मण व्यक्ति के परिवार को सरकारी सहायता प्रदान करें, जिसने आग की दुर्घटना में अपना सब कुछ खो दिया।

आग की दुर्घटना में प्रभावित परिवार की संपत्ति, दस्तावेज़ तथा दैनिक उपयोग की सभी वस्तुएँ जलकर नष्ट हो गईं।

प्रभावित परिवार फिलहाल अस्थायी आवास और प्राथमिक जरूरतों की कमी से जूझ रहा है।

जिला अध्यक्ष कट्टा राजानंदम ने कहा कि प्रभावित परिवार को तत्काल वित्तीय सहायता, अस्थायी आवास तथा प्राथमिक चिकित्सा-निवारक सहायता प्रदान की जानी चाहिए।

यादगिरीगुट्टा ब्रह्मोत्सव में परंपरा भंग करने के आरोप

मुख्य पुजारी के खिलाफ जांच और कार्रवाई की मांग

यादगिरीगुट्टा, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । यादगिरीगुट्टा श्री लक्ष्मीनरसिंह स्वामी मंदिर के ब्रह्मोत्सव के दौरान शास्त्रों और मंदिर परंपराओं के उल्लंघन के आरोपों को लेकर कई हिन्दू संगठनों ने देवस्थानम के मुख्य पुजारी कंदूरी वेंकटाचार्य तथा कंदूरी श्रीनिवासाचार्य के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए एज जे. भवानी शंकर को एक ज्ञापन सौंपा। शिकायतकर्ता नल्ला राधाकृष्ण और उनके साथ आए नेताओं ने कथित अनुष्ठान-उल्लंघन की गंभीरता पर आपत्ति जताई और तत्काल जांच की मांग की।आरोप है कि कंदूरी वेंकटाचार्य ने ब्रह्मोत्सव में हिस्सा लिया जबकि उनके परिवार में हाल ही में जन्म हुआ था और हिन्दू शास्त्रों के अनुसार ऐसे समय पर परिवार को शुद्धिकरण की गोष्ठी (दस बार शुद्धिकरण) किये बिना पूजा और मंदिरीय अनुष्ठान में भाग लेने की अनुमति नहीं होती।

आरोप है कि वेंकटाचार्य और मुख्य पुजारी श्रीनिवासाचार्य ने इस परंपरा का उलंघन कर ब्रह्मोत्सव, रथोत्सव और पूर्णाहुति सहित अन्य कार्यक्रमों में भाग लिया।शिकायतकर्ताओं ने यह भी कहा कि वेंकटाचार्य ने राज्य सरकार द्वारा चढ़ाए गए रेशमी वस्त्र पहने और राज्य के मंत्रियों/अधिकारियों को आशीर्वाद दिया, तथा इन कार्यक्रमों की व्यापक मीडिया कवरेज हुई।

शिकायतकर्ताओं ने तत्काल निलंबन और निष्पक्ष जांच की मांग की है; उन्होंने इस मामले की जांच के लिए एक खअड अधिकारी या सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में समिति गठित करने का अनुरोध किया।

नल्ला राधाकृष्ण के साथ दलित संघर्ष समिति (तेलंगाना) के राज्य उपाध्यक्ष गड्डा युगांधर, तेलंगाना सीनियर सिटिजन गअउ के राज्य संयोजक हनुमानदला विष्णु, टेकी राजशेखर, तक्झ नेता कोम गल्ला वेंकटेश्वरलू, श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर संरक्षण समिति के संयोजक कनुंटला विजयकुमार, इगझ नेता बोलम चंद्रमौली, मन्नम नरसिम्हा रेड्डी सहित कई अन्य गैरसरकारी और धार्मिक नेता मौजूद थे।

शिकायत के बाद एज जे. भवानी शंकर ने बताया कि ज्ञापन प्राप्त हो चुका है और वह मामले की जांच कराने का आश्वासन दे रहे हैं। शिकायतकर्ताओं ने त्वरित और पारदर्शी जांच की उम्मीद व्यक्त की है और कहा कि यदि आवश्यक हुआ तो वे आगे भी कार्रवाई की मांग जारी रखेंगे।

विकास कार्यों पर राजनीतिक ग्रहण

50 करोड़ के फंड के बावजूद अधर में लटके काम

करीमनगर, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । नगर निगम में शामिल हुए नए ग्रामीण क्षेत्रों के भाग्य बदलने के लिए आवंटित 50 करोड़ रुपये के विकास कार्य राजनीतिक रस्साकशी की भेंट चढ़ गए हैं। शहरी बुनियादी ढांचा विकास कोष से मंजूर इन निधियों का लाभ जनता को नहीं मिल पा रहा है, जिससे ड्रेनेज और सड़कों जैसी मूलभूत समस्याओं का अंबार लगा हुआ है।

पिछले वर्ष 25 अक्टूबर को सीडीएमए ने करीमनगर नगर निगम के अंतर्गत 87 विकास कार्यों के लिए प्रशासनिक अनुमति जारी की थी। इन कार्यों के लिए 17 जनवरी को ऑनलाइन निविदाएं भी आमंत्रित की गईं।

87 में से 25 कार्यों के लिए किसी भी ठेकेदार ने बोली नहीं लगाई।

शेष 62 कार्यों के लिए निविदाएं प्राप्त हुईं, जिनमें से कुछ एकल निविदाएं थीं।

नियमों के मुताबिक, जिन कार्यों के लिए निविदाएं आ चुकी थीं, उन्हें लेटर ऑफ एक्सेप्टेंस जारी कर काम शुरू करना था और शेष के लिए पुन: निविदा निकालनी थी।

विकास कार्यों में देरी का मुख्य कारण कांग्रेस, भाजपा और बीआरएस के बीच जारी राजनीतिक हस्तक्षेप बताया जा रहा है:

भाजपा का रुख: भाजपा नेताओं का दबाव है कि वर्तमान निविदाओं को रद्द किया जाए और सभी डिवीजनों में समान रूप से धन आवंटित कर नए सिरे से निविदाएं निकाली जाएं।

कांग्रेस का पक्ष: कांग्रेस नेताओं का तर्क है कि जिन कार्यों के लिए निविदाएं पूरी हो चुकी हैं, उन्हें तुरंत डेअ देकर शुरू किया जाए और केवल खाली रह गए कार्यों के लिए फिर से टेंडर हों।

बीआरएस का आरोप: विपक्षी दल बीआरएस का आरोप है कि कमीशन के चक्कर में काम रोके गए हैं। उनका कहना है कि पिछली सरकार के समय शुरू हुए काम भी फंड की कमी और राजनीतिक द्वेष के कारण ठप पड़े हैं।तीनों प्रमुख दलों के अलग-अलग दबाव के कारण नगर निगम के अधिकारी कोई ठोस निर्णय नहीं ले पा रहे हैं। निविदा प्रक्रिया पूरी हुए दो महीने बीत जाने के बाद भी एक भी काम शुरू नहीं हो सका है।

जनता की मांग: स्थानीय निवासियों का कहना है कि राजनीतिक दलों को विकास के मुद्दे पर एकजुट होना चाहिए। विलय किए गए गांवों में बुनियादी सुविधाओं का बुरा हाल है। ठेकेदारों का भी कहना है कि वे काम शुरू करने के लिए तैयार हैं, लेकिन प्रशासनिक देरी बाधा बनी हुई है।

कोंपली में गौरा ईशरजी की विधि-विधान से पूजा धूमधाम के साथ सम्पन्न

मंचेरियाल, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । कोंपली स्थित विनोद कुमार गोपाल पारीक के आवास पर गौरा ईशरजी की पूजा विधि-विधान और भक्तिभाव के साथ सम्पन्न हुई।

स्थानीय महिलाओं की भारी मौजूदगी ने आयोजन को समृद्ध और भक्तिमय बना दिया। पूजा में कौशल्या व्यास, शोभा व्यास, अनीता व्यास, मंजरी, अंकिता, श्रेया पारीक, सविता बोलम, शिवानी व्यास, सलोनी व्यास, वंशिका व्यास सहित कई स्थानीय महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

महिलांस् ने विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की, तत्पश्चात सामूहिक भजन-कीर्तन किया जिससे वातावरण भक्तिमय हो उठा।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी भक्तों ने गौरा ईशरजी के चरणों में श्रद्धा-भरे पुष्प अर्पित किए, एक-दूसरे को बधाई दी एवं सामूहिक प्रसाद ग्रहण किया।आयोजन आनंद, हर्ष और आस्था के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

मंडामाड़ी में मिनी टैंक बंड के सौंदर्यीकरण कार्य का भूमि पूजन

मंडामाड़ी, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । श्रम और खान मामलों के राज्य मंत्री डॉ. जी. विवेक वेंकटस्वामी ने आज मंडामाड़ी शहर में मिनी टैंक बंड के सौंदर्यीकरण कार्यों का भूमि पूजन (शिलान्यास) किया। यह परियोजना कुल 2.31 करोड़ की अनुमानित लागत से क्रियान्वित की जाएगी।परियोजना का उद्देश्य टैंक बंड के आसपास के क्षेत्र को सौंदर्यपूर्ण और सार्वजनिक उपयोग के अनुकूल बनाना है, जिससे स्थानीय निवासियों को सुबह-शाम आराम और मनोरंजन के स्थल मिलें।मंत्री ने कहा कि सरकार शहरी पर्यावरण सुधार और लोगों की आवश्यकता के अनुरूप विकास पहलों के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है।भूमि पूजन समारोह में जन प्रतिनिधि, सरकारी अधिकारी और स्थानीय निवासी उपस्थित रहे।

निर्मल जिले के जंगलों में भीषण दावानल धधक रही हैं आग की लपटें

निर्मल, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । निर्मल जिले के दस्तूरबाद मंडल में आज (रविवार) भीषण आग लगने की घटना सामने आई है। इस घटना ने पर्यावरण प्रेमियों और स्थानीय निवासियों को गहरी चिंता में डाल दिया है।निर्मल जिले के दस्तूरबाद मंडल के अधिकार क्षेत्र में आने वाले जंगलों में बड़े पैमाने पर आग भड़क उठी है। विशेष रूप से, देवुनीगुड़ा गांव के पास स्थित 'हरित वनम' में दावानल (जंगल की आग) तेजी से फैल रहा है। गर्मी के मौसम की शुरुआत के कारण सूखे पत्तों और घास की वजह से आग ने विकराल रूप ले लिया है। देवुनीगुड़ा के पास के पौधों और पेड़ों की लपटों की चपेट में आने से पूरे इलाके में धुएं का गुबार छा गया है, जो जंगल की जैव विविधता के लिए एक बड़ा खतरा बन गया है।

जंगल में आग लगने के कारण छोटे जीव-जंतुओं और पक्षियों के मारे जाने की आशंका है। इसके साथ ही, स्थानीय लोगों का कहना है कि बड़े जंगली जानवर अपनी जान बचाने के लिए रिहायशी इलाकों का रुख कर सकते हैं, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष का खतरा मंडरा रहा है।स्थानीय निवासियों ने वन विभाग के अधिकारियों के प्रति भारी नाराजगी व्यक्त की है। ग्रामीणों का आरोप है कि आग लगे कई घंटे बीत जाने के बावजूद अभी तक वन विभाग का कोई भी अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा है। लोगों का कहना है कि यदि अधिकारी समय रहते सक्रिय हो जाते, तो आग को इतना फैलने से रोका जा सकता था।

शादनगर में पति ने पत्नी की नृशंस हत्या की

तीन साल का मासूम बना वारदात का गवाह

शादनगर, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । शहर के बाहरी इलाके शादनगर में शनिवार रात एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना पारिवारिक विवाद और विवाहेतर संबंधों के संदेह में अंजाम दी गई।

मृतका की पहचान पोटाला शोभा रानी के रूप में हुई है, जो शादनगर के देवुनीपल्ली गांव की निवासी थी। शोभा की शादी दस साल पहले महबूबनगर जिले के कोयालाकोंडा गांव के रंजीत से हुई थी। उनके दो बच्चे हैं, जिनमें छोटा बेटा महज तीन साल का है।

पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले कुछ वर्षों से शोभा का अपने ही गांव के नरसिम्हुलु नामक व्यक्ति के साथ संपर्क था। इस बात को लेकर रंजीत अक्सर अपनी पत्नी से झगड़ा करता था। विवाद बढ़ने के कारण, शोभा कुछ महीने पहले अपने दोनों बच्चों को लेकर अपने मायके चली गई थी।

शनिवार को रंजीत ने शोभा को फोन कर किसी मुद्दे पर चर्चा करने के लिए शादनगर बुलाया। संदेह है कि रंजीत उसे एक सुनसान जगह पर ले गया और अपने मासूम बेटे के सामने ही उसके सिर पर भारी पत्थर मारकर उसकी हत्या कर दी। वारदात के बाद रंजीत बच्चे को वहीं रोता हुआ छोड़कर फरार हो गया।

आईपीएल से ठीक पहले इरफान पठान ने दी वैभव को सलाह

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)।

पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने आईपीएल से ठीक पहले उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को नसीहत दी है कि उन्हें लीग में सफलता या असफलता को जरुरत से ज्यादा महत्व नहीं देना होगा। पठान के अनुसार अगर वैभव अधिक सफल होते हैं तो भी उन्हें अपने पैर जमीन पर ही रखने चाहिये और अगर वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं तो हताश नहीं होना चाहिये। उन्हें संतुलन बनाये रखना होगा।

वैभव ने केवल 15 साल की उम्र में अपनी तूफानी बल्लेबाजी से हर किसी को खासा प्रभावित किया है। आईपीएल के पिछले सत्र में वह काफी अच्छा प्रदर्शन करने में सफल रहे थे। तब उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए मुकाबले में सिर्फ 35 गेंदों में शतक लगाया था। वह इस लीग में दूसरा सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने थे। वहीं, अंडर-19 विश्व कप 2026 में भी वैभव का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था। पठान ने कहा, वैभव के लिए यह बहुत जरूरी है कि वह सफलता या असफलता को अपने ऊपर हावी न होने दें। यह काफी नाजुक उम्र है, क्योंकि वह अभी सिर्फ 15 साल के हैं ऐसें में अगर वह बहकते हैं तो करियर खराब हो जाएगा। अभी उनके सामने संभावित रूप से 20 साल का पेशेवर करियर पड़ा है। आज के समय में, जहां लंबे समय तक टिके रहना हमेशा प्राथमिकता नहीं होती और करियर छोटे हो सकते हैं। इसके बाद भी आप फिर भी 6 से 8 सालों में बहुत कुछ हासिल कर सकते हैं। हालांकि, वैभव कहीं ज्यादा आगे जा सकते हैं। यह जरूरी है कि कोई लगातार उनके साथ एक मार्गदर्शक के तौर पर रहे, एक अच्छा मेंटोर जो समय के साथ उन्हें सहारा दे सके, ठीक वैसी ही भूमिका जैसी जैसी पिछले साल राहुल द्रविड़ ने उनके साथ कोच के तौर पर निभाई थी।पठान ने कहा कि वैभव को अपने खेल में सुधार करते रहना होगा ताकि वह विरोधी टीमों का शिकार न बने। उन्होंने कहा, उन्हें अपने खेल में लगातार सुधार करते रहना चाहिए।

इंदौर में राज्य स्तरीय वालीबाल स्पर्धा ; दिग्गज टीमें दिखाएंगी दम

इंदौर। इंदौर के किला मैदान रोड स्थित सीटीसी वालीबाल क्लब के मैदान पर रविवार, 22 मार्च को राज्य स्तरीय वालीबाल प्रतियोगिता होने जा रही है। एक दिन की इस स्पर्धा में मध्य प्रदेश की कई दिग्गज टीमें खिताब के लिए आपस में भिड़ेंगी। हाईलिंक ग्रुप के वीरेंद्र गुप्ता इस आयोजन के मुख्य प्रायोजक हैं। स्पर्धा सचिव नरेश दुबे और अध्यक्ष गोवर्धन रघुवंशी ने बताया कि इस टूर्नामेंट में इंदौर और भोपाल के अलावा उज्जैन, देवास, धार, झाबुआ और पिपलियाहाना की मशहूर टीमें शामिल हो रही हैं। खास बात यह है कि ये सभी मुकाबले मिट्टी के कोर्ट पर दूधिया रोशनी (फ्लड लाइट) में खेले जाएंगे। इस बार मुकाबले बेहद रोमांचक की उम्मीद है, क्योंकि ब्रदर्स क्लब और एमटीएच जैसी दिग्गज टीमों के साथ मेजबान सीटीसी क्लब की ए और बी टीमें भी मैदान पर उतरेगी। हालांकि सबकी नजरें साल 2024 की विजेता उज्जैन व गत वर्ष संयुक्त रूप से विजेता रही ब्रदर्स क्लब और सिकंदर क्लब (पिपलियाहाना) पर टिकी होंगी, जिनके सामने इस बार अपना दबदबा बरकरार रखने की कड़ी चुनौती होगी।

न्यूज ब्रीफ

न्यूजीलैंड महिला टीम ने चौथे टी-20 में दक्षिण अफ्रीका को 6 विकेट से हराया, सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त

वेलिंगटन (न्यूजीलैंड)। न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम ने पांच मैचों की टी-20 सीरीज के चौथे मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका महिला टीम को छह विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ मेजबान टीम ने सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त बना ली है। सीरीज का आखिरी मैच 25 मार्च को क्राइस्टचर्च के हैगली ओवल में खेला जाएगा। वेलिंगटन में रविवार को खेले गए मुकाबले में टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका ने 20 ओवर में छह विकेट पर 159 रन बनाए। टीम के लिए सबसे ज्यादा रन एनेरी डर्कसेन ने बनाए। उन्होंने 32 गेंदों में नाबाद 55 रन की पारी खेली। उनकी इस पारी में आठ चौके और एक छक्का शामिल था। डर्कसेन के अलावा सलामी बल्लेबाज सुने लूस ने 29 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 30 रन बनाए। इनके अलावा नादिन डी क्लर्क 20 रन, क्लो ट्रायोन ने 14 रन, कायला रेनेके ने 13 रन और कप्तान लारा वोल्वार्ड्ट ने 10 रन का योगदान दिया। न्यूजीलैंड की ओर से जेस केर ने चार ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट झटके। कप्तान अमेलिया केर और सोफी डिवाइन को एक-एक सफलता मिली। 160 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। विकेटकीपर बल्लेबाज इसाबेला गेज 6 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद जार्जिया प्लिमर और कप्तान अमेलिया केर ने पारी को आगे बढ़ाया। जार्जिया ने जहां 22 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 29 रन बनाए, वहीं कप्तान केर ने 29 गेंदों में चार चौकों की मदद से 31 रन की पारी खेली। इन दोनों का विकेट गिरने के बाद अनुभवी सोफी डिवाइन ने एक बार फिर शानदार बल्लेबाजी कर टीम को जीत दिला दी। उन्होंने 34 गेंदों पर चार छक्कों और छह चौकों की मदद से 64 रनों की विस्फोटक पारी खेली। ब्रूक हैलिडे 16 और मैडी ग्रीन 09 रन बनाकर नाबाद रहीं।

न्यूजीलैंड के नये टी20 कप्तान बने नीशम

आकलैंड। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने आलराउंडर जेम्स नीशम को अस्थायी रुप से टी20 टीम का नया कप्तान बनाया है। अब नीशम दक्षिण् अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के चौथे मुकाबले में टीम की कप्तानी करेंगे। ये पहली बार होगा जब नीशम टी20 अंतरराष्ट्रीय में कप्तानी करते दिखेंगे। न्यूजीलैंड बोर्ड के अनुसार वह चौथे टी20 मैच में टीम को नेतृत्व करेंगे। बोर्ड ने लिखा है, आलराउंडर जेम्स नीशम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कप्तान के तौर पर उतरने के साथ ही कप्तानी करने वाले 12वें खिलाड़ी बन जाएंगे। न्यूजीलैंड के लिए स्टीफन फ्लेमिंग सहित अब तक 11 कप्तानों ने टी20 अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में कप्तानी की है। इसमें फ्लेमिंग सबसे पहले कप्तान बने। उसके बाद डेनिल विटोरी और ब्रेंडन मैकुलम और उसके बाद केन विलियमसन कप्तान बने। इसके अलावा काइल मिल्स और टिम साउदी व मिचेल सैंटनर ने भी टीम की कप्तानी संभाली। टाम लैथम और माइकल ब्रेववेल भी इसके बाद कप्तान रहे। डेरिल मिचेल ने इस साल की शुरुआत से कप्तानी की है।

आईपीएल में वापसी के लिए श्रेयस को बढ़ाना पड़ा वजन

मोहाली। पंजाब किंग्स टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा है कि वह आईपीएल सत्र के लिए तैयार हैं। श्रेयस ने कहा कि कि वह अपनी चोट से उबर गये हैं और नए सत्र के लिए तैयार हैं। इस दौरान श्रेयस ने उस समय को याद किया जब आस्ट्रेलिया में लगी चोट के कारण उनका वजन भी काफी कम हो गया था। जिसे फिर से बढ़ाने के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ी है। श्रेयस को अक्टूबर में भारत की आस्ट्रेलिया के बीच हुई एकदिवसीय सीरीज के दौरान पेट में गंभीर चोट लग गई थी। जिसके बाद उन्हें आईसीयू में भी रहना पड़ा था। इसी कारण वह कई हफ्तों तक टीम से बाहर रहे और उन्हें रिहैब से भी गुजरना पड़ा। वहीं अब श्रेयस ने कहा है कि वह दौर उनके लिए काफी कठिन था। साथ ही कहा, चोट के बाद वापसी करना हमेशा ही कठिन होता है। मेरा वजन भी तकरीबन 7 किलो कम हो गया था पर राहत की बात ये रही कि दो माह बाद मैं फिर से फिट हो गया। इस बल्लेबाज ने कहा, 7 किलो वजन दोबारा बढ़ाना उनके लिए काफी कठिन काम था। मुझे चुनौतियां पसंद हैं और ये भी एक बड़ी चुनौती थी जिसे निकलना था। मैं खुश हूं कि उस दौर से निकलकर अब फिर से अपनी टीम से खेलने तैयार हूं। श्रेयस को अक्टूबर में आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय के दौरान चोट लगी थी।

फिटनेस टेस्ट पास करने वालों को ही आईपीएल में खेलने के लिए एनओसी देंगे : श्रीलंकाई बोर्ड

कोलंबो, 22 मार्च (एजेंसियां)।

श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने कहा है कि जो भी खिलाड़ी आईपीएल के खेलने के लिए नो-आब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) चाहते हैं उन्हें पहले अपनी फिटनेस साबित करनी होगी। इसके बाद ही बोर्ड उन्हें एनओसी देखा। श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा, मथीशा पथिराना सहित कई खिलाड़ी आईपीएल टीम से अनुबंधित हैं। अब इन खिलाड़ियों को आईपीएल से पहले अपनी देश में फिटनेस टेस्ट पास करना होगा। वहीं दुष्मंथा चमीरा, पथुम निसांका और कामिंदु मेंडिस जैसे खिलाड़ी फिटनेस जांच में पास को गये हैं और इन्हें आईपीएल में खेलने की अनुमति मिल गयी है।

वहीं बोर्ड ने कहा, आईपीएल में भाग लेने के लिए नुवान थुशारा, वानिंदु हसरंगा, ईशान मलिंगा और मथीशा पथिराना को फिजिकल परफार्मेंस टेस्ट पास करना होगा। इसका कारण है कि ये खिलाड़ी अभी भी अपनी चोटों से पूरी तरह नहीं उबरे हैं और रिहैब के दौर से गुजर रहे हैं। इन तीनों खिलाड़ियों को टी-20 विश्व कप के दौरान चोट लगी थी। वहीं पथिराना आईपीएल सत्र के शुरुआती मुकाबले नहीं खेल पायेंगे और अगले माह अप्रैल से ही खेलने तैयार होंगे।

चयन समिति के नये अध्यक्ष प्रमोदया विक्रमसिंघे के पद संभालने के बाद से ही फिटनेस पर अधिक ज़ोर दिया जाने लगा है। टीम को मई के अंत तक कोई और अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेलना है, इसलिए इस समय को ट्रेनिंग और फिटनेस हासिल करने के लिए एक अवसर की तरह देखा जा रहा है। इसी को देखते हुए बोर्ड चाहता है इस समय का बेहतर उपयोग किया जाये।

बोर्ड ने इसी को देखते हुए कहा है कि राष्ट्रीय अनुबंध प्राप्त सभी खिलाड़ियों के लिए आठ सप्ताह का एक खास फिजिकल ट्रेनिंग कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसका लक्ष्य आगामी अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए खिलाड़ियों को तैयार करना है।

वार्न सहित ये क्रिकेटर अपने करियर में नहीं बना पाये कोई शतक

सिडनी। आस्ट्रेलिया के दिग्गज स्पिनर शेन वार्न एक गेंदबाज होने के साथ ही निचले क्रम पर अच्छी बल्लेबाजी भी करते थे पर अपने करियर में वह एक भी टेस्ट शतक नहीं लगा पाये। एक बार वह शतक के बेहद करीब आ गये थे पर लगा नहीं पाये और 99 रनों पर आउट हो गये। वार्न सहित पांच क्रिकेटर ऐसे हैं जो अपने करियर में काफी रन बनाने के बाद भी शतक नहीं लगा पाये। इनमें श्रीलंका के निराशन डिकवेला, मिचेल स्टार्क, न्यूजीलैंड के टिम साउदी और भारत के चेतन चौहान है। वार्न को दुनिया के महानतम लेग-स्पिनर के रूप में जाना जाता है पर वह निचले क्रम के एक बेहद उपयोगी और आक्रामक बल्लेबाज भी रहे थे। इस बात का पता इससे चलता है कि वार्न ने अपने करियर में 145 टेस्ट मैचों में 12 अर्धशतक लगाकर 3154 रन बनाये हैं हालांकि वह एक बार भी शतक पूरा नहीं कर पाये। विश्व का कोई दूसरा स्पिनर इतने रन नहीं बना पाया है। वार्न साल 2001 में न्यूजीलैंड के खिलाफ पर्थ टेस्ट में शतक के बेहद करीब पहुंचे थे। तब वार्न ने जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए 99 रन बना लिए थे पर डेनियल विटोरी की गेंद पर एक बड़ा शाट खेलने की कोशिश में कैच हो गये थे। बाद में रिप्ले में देखा गया कि वह गेंद नो-बाल थी, लेकिन उस समय तकनीक अच्छी न होने से वार्न को रिव्यू नहीं मिला। वार्न उस पारी में आस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। आठवें नंबर पर खेली वार्न की इस पारी से टीम हार से बच गयी थी। टेस्ट में बिना शतक सबसे ज्यादा रन बनाने वाले 5 बल्लेबाजों में दूसरे नंबर पर श्रीलंका के निरोशन डिकवेला हैं। डिकवेला ने अपने करियर में 2757 रन बनाये हैं और उनका सबसे अधिक स्कोर 96 रन रहा है। वहीं तीसरे नंबर पर आस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क ने - 2478 रन बनाये हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 99 रन रहा है। वहीं न्यूजीलैंड के टिम साउदी ने 2245 जबकि भारत के चेतन चौहान के नाम 2084 रन हैं। वहीं गेंदबाजी में कई ऐसे रिकार्ड हैं, जिन्हें तोड़ना आज के दौर में लगभग नामुमकिन लगता है। वार्न के नाम टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक 708 विकेट हैं। मुथैया मुरलीधरन (800) के बाद वे दुनिया के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। वे 700 विकेट का आंकड़ा छूने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज थे। साल 2005 में वार्न ने टेस्ट क्रिकेट में एक साल में 96 विकेट लिए थे. यह आज भी एक कैलेंडर वर्ष में किसी भी गेंदबाज द्वारा लिए गए सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट का वर्ल्ड रिकार्ड है। टेस्ट और वनडे मिलाकर वार्न के नाम कुल 1001 विकेट हैं।

आईपीएल में अब तक विकेटकीपर के तौर पर संगकारा का रिकार्ड बरकरार

मुम्बई, 22 मार्च (एजेंसियां)।

इस माह के अंत में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 19 सत्र शुरु होगा। जिससे भी नये-नये रिकार्ड बनेंगे। अब तक हुए सत्रों में कई ऐसे रिकार्ड बने हैं जो अब तक कोई नहीं तोड़ पाया है। अब देखना है कि वह रिकार्ड इस सत्र में टूटता है या नहीं ये रिकार्ड है। विकेट के पीछ पांच शिकार करन का जो श्रीलंका के दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार संगकारा के नाम है। यहां तक कि महेन्द्र सिंह धोनी भी इस रिकार्ड तक नहीं पहुंच पाये हैं। संगाकारा ने आईपीएल के चौथे सत्र में ये रिकार्ड बनाया था। तब साल 2011 में डेक्कन चार्जर्स का मुकाबला रायल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) से था। वहीं डेक्कन चार्जर्स की कप्तानी और विकेटकीपिंग कुमार संगाकारा कर रहे थे। उस मैच में संगाकारा ने विकेटों के पीछे से एक के बाद एक बेहतरीन कैच लेकर रिकार्ड बना दिया। उन्होंने 5 कैच लिए। संगाकारा के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी अहम है, क्योंकि उन्होंने तिलकरत्ने दिलशान, विराट कोहली और एबी डीविलियर्स जैसे दिग्गजों के खिलाफ ये रिकार्ड बनाया था। चेन्नई सुपरकिंग्स के विकेटकीपर धोनी को दुनिया का सबसे तेज विकेटकीपर माना जाता है, जिनके नाम 0.08 सेकंड में स्टंपिंग करने का विश्व रिकार्ड है। धोनी ने आईपीएल करियर में कई बार एक मैच में 4 खिलाड़ियों को पेवेलियन भेजा है पर पांच शिकार उन्होंने नहीं किये हैं। संगाकारा ने तिलकरत्ने दिलशान, एबी डिविलियर्स, सौरभ तिवारी, जोहान वैन डेर वाथ और रायन निनन के विकेट लिए। संगाकारा की बेहतरीन विकेटकीपिंग के कारण चार्जर्स ने मुकाबला 33 रन से जीता। हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2011 के 11वें मुकाबले में डेक्कन चार्जर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट खोकर 175 रन बनाए थे। भरत चिप्ली ने 35 गेंदों में नाबाद 61 रन की पारी खेली। उनके अलावा सनी सोहेल ने 38 रन और कुमार संगाकारा ने 36 रन का बनाये। जेपी ड्यूमिनी ने 22 रन बनाए। वहीं विरोधी टीम की ओर से जहीर खान ने सर्वाधिक 3 विकेट लिए जबकि जोहान वैन डेर वाथ और रायन निनन ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

मियामी ओपन : जीत के साथ ही चौथे दौर में पहुंची कोको गाफ

फ्लोरिडा। अमेरिका की महिला स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गाफ जीत के साथ ही मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में पहुंच गयी हैं। कोको ने तीसरे दौर में अपने ही देश की अलाशिया पार्कस को कड़े मुकाबले मे हराया। तीन सेटों तक चले इस मुकाबले में गाफ ने शुरुआत में ही 2-0 की बढ़त बना ली पर इसके बाद पार्क्स ने लगातार छह गेम जीतकर पहला सेट 6-2 से जीता। इसके बाद गाफ ने अगले 13 में से 12 गेम जीतकर मैच 2-6, 6-0, 6-1 से मुकाबला अपने नाम किया। यह मुकाबला करीब दो घंटे चला। गाफ ने दूसरे और तीसरे सेट में आसानी से जीत दर्ज की। अब चौथे दौर में गाफ का सामना रोमानिया की सोरेना सिर्स्टिया से होगा। सिर्स्टिया ने एक अन्य मुकाबले में एलीसी मार्टिंस को 6-3, 6-2 से हराया था। मैच के बाद गाफ ने कहा कि यह मुकाबला आसान नहीं था क्योंकि पार्क्स बहुत तेजी से खेल रही थीं। इसी कारण उन्हें अपनी रणनीति बदलनी पड़ी और रिटर्न गेम को बेहतर करना पड़ा। गाफ ने कहा कि दूसरे और तीसरे सेट में उन्होंने ज्यादा आक्रामक खेजा जिसके कारण ही वह जीत दर्ज करने में सफल रहीं। इस जीत के साथ ही साल 2025 सत्र की शुरुआत से ही अब तक गाफ ने पहला सेट हारने के बाद डब्ल्यूटीए में 11 मैच जीते हैं। इस प्रकार वह मेडीसन की और एनासटेनिश पोटापोवा की बराबरी पर आ गयी हैं।

आईपीएल के एक सत्र में सबसे अधिक विकेट लेने का रिकार्ड है हर्षल और ब्रेवो के नाम

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सीजन इस माह के अंत में शुरु हो रहा है। ऐसे में अब तक हुए आईपीएल मुकाबलों और उनमें बने रिकार्डों को लेकर चर्चाएं होती रहती हैं। इसी में से एक रिकार्ड है सबसे अधिक विकेट का। अब तक कई गेंदबाजों ने आईपीएल में काफी विकेट लिए हैं पर किसी एक सत्र में सबसे अधिक विकेट की बात की जाये तो वह रिकाड अबतक संयुक्त रुप से दो गेंदबाजों हर्षल पटेल और ड्वेन ब्रावो नाम है। आरसीबी के हर्षल ने साल 2021 में बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 15 मुकाबलों में कुल 32 विकेट लिए थे। उनका ये रिकार्ड अब तक कायम है अब देखना है कि इस सत्र में कोई गेंदबाज इसे तोड़ पाता है या नहीं। हर्षल ने आईपीएल 2021 में आरसीबी की ओर से खेलते हुए 15 मुकाबलों में 32 विकेट लिए थे। इस सत्र उन्होंने एक मुकाबले में 5 विकेट लिए थे। वहीं ड्वेन ब्रावो: ने आईपीएल 2013 में चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से खेलते हुए 32 विकेट निकाले थे। ब्रावो ने 18 मुकाबलों में केवल 7.95 की इकोनामी से रन दिये किए थे। ब्रावो की बेहतरीन गेंदबाजी के बल पर चेन्नई सुपर किंग्स फाइनल तक पहुंचने में सफल रही थी। हालांकि, खिताबी मुकाबले में टीम को मुंबई इंडियंस के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।इसके अलावा दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेलते हुए आईपीएल 2020 में कगिसो रबाडा ने 17 मुकाबलों में कुल 30 विकेट लिए थे ओर वह इस प्रकार दूसरे नंबर पर हैं। रबाडा ने इस सत्र में 2 मुकाबलों में 4 विकेट लेने का कारनामा किया था।लसिथ मलिंगा ने आईपीएल 2011 में मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हुए लसिथ मलिंगा ने 16 मुकाबलों में कुल 28 विकेट लिए थे और वह तीसरे नंबर पर हैं। इस सीजन 13 रन देकर 5 विकेट मलिंगा का बेस्ट प्रदर्शन रहा था। जेम्स फाकनर ने राजस्थान रायल्स की तरफ से खेलते हुए जेम्स फाकनर आईपीएल 2013 में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे। फाकनर ने इस सीजन 16 मुकाबलों में सिर्फ 6.75 की इकोनामी से रन देते हुए 28 विकेट लिए थे। वहीं मोहम्मद शमी ने गुजरात टाइटंस की ओर से खेलते हए 17 मुकाबलों में 28 विकेट का रिकार्ड है।

आईपीएल में 339 रन बनाते ही 9000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बना जायंगे विराट

मुम्बई, 22 मार्च (एजेंसियां)।

आईपीएल के 19 वें सत्र में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आसीबी) के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली एक ऐसा रिकार्ड अपने नाम करने जा रहे है जहां तक कोई और बल्लेबाज नहीं पहुंच पाया है। आईपीएल का 19वां सीजन 28 मार्च से शुरू हो रहा है। आईपीएल 2026 का पहला ही मुकाबला आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच 28 मार्च को खेला जाना है। इस सत्र में विराट कोहली 339 रन बनते ही आईपीएल लीग में 9000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन जायेंगे। दो बार आरेंज कैप विजेता विराट कोहली के लिए ये मुश्किल भी नहीं है। वह हमेशा ही आईपीएल में 500 से अधिक रन बनाते आये हैं। ऐसे में वह इस बार लीग के इतिहास में 9000 रन बनाने वाले वह पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। कोहली का पिछले तीन सत्र में औसत 53 से ऊपर रहा है विराट ने साल 2023 में 53.25 की औसत से 639, 2024 में 61.75 की औसत से 741, और 2025 में 54.75 की औसत से 657 रन बनाए थे। कोहली के पिछली बार 2025 में किए गए प्रदर्शन की आरसीबी को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका रही है। साल 2008 से आरसीबी के लिए खेल रहे विराट ने 267 मैचों में 39.55 की औसत और 132.86 की स्ट्राइक रेट से 8 शतक और 63 अर्धशतक लगाते हुए 8661 रन बनाए हैं। विराट लीग में 8,000 रन पूरा करने वाले भी एकमात्र बल्लेबाज हैं। साथ ही, लीग में सर्वाधिक शतक का रिकार्ड भी उनके नाम ही है.वहीं दूसरे नंबर पर रोहित शर्मा हैं। रोहित ने 272 मैचों की 267 पारियों में 2 शतक और 47 अर्धशतक लगाते हुए 7046 रन बनाए हैं। वहीं शतक के मामले में जोस बटलर दूसरे नंबर पर हैं। बटलर के नाम आईपीएल में 7 शतक हैं।

आरसीबी के खेमे से गायब हुए तेज गेंदबाज यश दयाल

बंगलुरु। आईपीएल के 19 सत्र से ठीक पहले तेज गेंदबाज यश दयाल के अभ्यास सत्र में नहीं पहुंचने से रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आसीबी) की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। यश के अचानक ही इस प्रकार लापता होने से प्रबंधन परेशान है। यश न तो टीम के ट्रेनिंग सेशन में पहुंचा और न ही प्रमोशनल मटेरियल में नजर आया जिससे उसके भविष्य को लेकर सवाल उठने लगे हैं। यश के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में अभ्यास सत्र के साथ ही टीम बस में नहीं होने से प्रशंसकों को लग रहा है कि उसे बाहर कर दिया गया है। साल 2025 में आरसीबी को खिताब जिताने के बाद से यश दयाल ने कोई भी मैच नहीं खेला है और वह उन्होंने उत्तर प्रदेश की घरेलू टीम से भी दूर बने हुए हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार यश दयाल इस समय शारीरिक शोषण के आरोप में कानूनी मामलों में फंसे हैं। उनके खिलाफ गाजियाबाद में शादी का झांसा देकर शोषण का आरोप, वहीं जयपुर में भी उनपर एक मामला है। वह अभी जमानत पर बाहर हैं पर इसका प्रभाव उनके खेल पर दिख रहा है। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के अधिकारी और उनके बचपन के कोच का भी उनसे संपर्क नहीं हुआ है। ये भी कहा जा रहा है कि हैं उन्होंने अपना फोन नंबर भी बदल लिया है। वहीं इसी बीच उनकी पत्नी और कंटेंट क्रिएटर श्वेता पुंडीर ने सोशल मीडिय में एक तस्वीर साझा की है। इसमें यश दयाल नेट्स में ट्रेनिंग करते नजर आए। हालांकि यह ट्रेनिंग आरसीबी की नहीं लग रही, जिससे यह संकेत मिलता है कि वह फिलहाल अकेले ट्रेनिंग कर रहे हैं। आरसीबी ने पिछले साल यश दयाल को 5 करोड़ रुपये में रिटेन किया था, लेकिन टीम कैंप और प्रमोशनल गतिविधियों से उनकी दूरी यह संकेत दे रही है कि फ्रेंचाइजी उनसे दूरी बना सकती है।

1 अप्रैल से लागू होगा नए आयकर अधिनियम......कैसे और किस तरह पड़ेगा आपके जीवन पर असर

नए टैक्स सिस्टम को ज्यादा सरल, पारदर्शी और विवाद-मुक्त बनाया जाएगा

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आयकर नियम, 2026 को अधिसूचित किया है, जो नए आयकर अधिनियम 2025 के तहत 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा। यह नया कानून 64 साल पुराने आयकर अधिनियम 1961 की जगह लेगा। केंद्र सरकार का कहना है कि इससे टैक्स सिस्टम को ज्यादा सरल, पारदर्शी और विवाद-मुक्त बनाया जाएगा। हालांकि टैक्स दरों या स्लैब में कोई बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन नियमों में कई अहम बदलाव किए गए हैं, जिनका असर नौकरीपेशा लोगों, निवेशकों और व्यवसायियों पर पड़ेगा। देशव्यापी जागरूकता अभियान प्रारंभ 2026 के लांच के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि यह नया टैक्स ढांचा छोटे करदाताओं के लिए अनुपालन को काफी आसान और मुकदमेबाजी को कम करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि भारत के छोटे कारोबारी और पेशेवर अर्थव्यवस्था की असली ताकत हैं। वित्त मंत्री ने बताया कि नया कानून इस तरह तैयार किया गया है कि इससे त्रुटियां, विवाद और अनुपालन लागत कम हो और लोगों का व्यवहार कन्फ्यूजन से कंप्लायंस की ओर बदले। उन्होंने कहा कि मुकदमेबाजी को कम करना इस नए ढांचे का प्रमुख उद्देश्य होना चाहिए। नए अधिसूचित नियमों में सैलरी पर टैक्स, अनुपालन रिपोर्टिंग, ट्रांसफर प्राइसिंग और विदेशी टैक्स क्रेडिट से जुड़े कई बदलाव शामिल हैं।

नए नियमों के तहत अब फाइनेंशियल और असेसमेंट ईयर की जगह सिर्फ एक ही टैक्स ईयर होगा। इससे टैक्स भरने की प्रक्रिया आसान और लोगों को अलग-अलग टर्म समझने की जरूरत नहीं पड़ेगी। साथ ही रिटर्न फाइल करने की समयसीमा भी तय की गई है, जिसमें साधारण आईटीआर के लिए 31 जुलाई, बिजनेस और प्रोफेशन वालों के लिए 31 अगस्त, जबकि आडिट वाले मामलों में 31 अक्टूबर तक रिटर्न भरना होगा। खास परिस्थितियों में यह समयसीमा 30 नवंबर तक बढ़ सकती है। इसके अलावा अब टैक्स ईयर खत्म होने के 12 महीने तक संशोधित रिटर्न फाइल हो सकता है। हाउस रेंट अलाउंस (एचआरए) को लेकर नए नियम लागू हुए हैं। अब कर्मचारियों को छूट पाने के लिए मकान मालिक और किरायेदार के संबंध की जानकारी देना होगा।

न्यूज ब्रीफ

कोर सेक्टर की रफ्तार धीमी, फरवरी में ग्रोथ घटकर 2.3 फीसदी रह गई

मुंबई। भारत के कोर इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर की वृद्धि दर में फरवरी 2026 में तेज गिरावट दर्ज की गई है। यह ग्रोथ जनवरी के 4.7 प्रतिशत से घटकर महज 2.3 प्रतिशत रह गई, जो स्पष्ट रूप से आर्थिक गतिविधियों में सुस्ती का संकेत देती है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 के पहले 11 महीनों (अप्रैल-फरवरी) में कोर सेक्टर की औसत वृद्धि 2.9 प्रतिशत रही, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 4.4 प्रतिशत थी। इससे संकेत मिलता है कि इस साल प्रदर्शन पिछले छह वर्षों में सबसे कमजोर रह सकता है। आठ प्रमुख कोर सेक्टर में से फरवरी में पांच में वृद्धि दर्ज हुई, लेकिन छह सेक्टरों की गति जनवरी की तुलना में धीमी पड़ गई। सबसे अधिक दबाव ऊर्जा क्षेत्र में देखा गया। रिफाइनरी उत्पादों में 1 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि क्रूड आयल उत्पादन लगातार छठे महीने घटकर 5.2 प्रतिशत कम हो गया। प्राकृतिक गैस उत्पादन भी 20वें महीने गिरते हुए 5 प्रतिशत नीचे रहा। बिजली उत्पादन की वृद्धि दर भी घटकर 0.5 प्रतिशत रह गई, जो तीन महीनों का निचला स्तर है। हालांकि, सीमेंट और स्टील सेक्टर ने कुछ राहत दी। सीमेंट में 9.3 प्रतिशत और स्टील में 7.2 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। विशेषज्ञों के अनुसार, कोर सेक्टर का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में लगभग 40 प्रतिशत योगदान होता है, इसलिए इसकी धीमी रफ्तार का असर आईआईपी पर भी पड़ेगा। फरवरी में आईआईपी वृद्धि दर घटकर करीब 4 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो जनवरी में 4.8 प्रतिशत थी।

रिच डैड पुअर डैड के लेखक बोले- दुनिया सबसे बड़े फाइनेंशियल बबल के कगार पर

मुंबई। मशहूर किताब रिच डैड पुअर डैड के लेखक राबर्ट कियोस्की ने एक बार फिर वैश्विक अर्थव्यवस्था को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर कहा कि दुनिया इस समय इतिहास के सबसे बड़े वित्तीय बुलबुले के करीब खड़ी है, जो जल्द ही फट सकता है। कियोसाकी का मानना है कि ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस 2008 को कभी सही तरीके से हल नहीं किया गया। उस समय केवल पैसे छापकर स्थिति संभाली गई, लेकिन असली समस्या जस की तस बनी रही। अब यह संकट और बड़ा हो चुका है। क्रैश के बाद संभावित कीमतों को लेकर उन्होंने चौंकाने वाले अनुमान दिए हैं। उनके अनुसार बिटकाइन की कीमत 7,50,000 डालर तक पहुंच सकती है, जबकि इथेरियम 95,000 डालर तक जा सकता है। इसके अलावा गोल्ड 35,000 डालर प्रति औंस और सिल्वर 200 डालर प्रति औंस तक पहुंच सकता है। उनका तर्क है कि जब लोगों का भरोसा पारंपरिक करेंसी से हटेगा, तो वे सीमित सप्लाई वाले एसेट्स की ओर रुख करेंगे। हालांकि, कई विशेषज्ञ उनके दावों पर सवाल उठाते हैं।

एटीएफ महंगा होने से बढ़ सकता है हवाई किराया, 1 अप्रैल से दिखेगा असर, एयरलाइंस ने फ्यूल सरचार्ज लागू किया

मुंबई। देश में एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की बढ़ती कीमतों का असर जल्द ही हवाई यात्रियों पर दिख सकता है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने बताया कि एटीएफ के दाम हर महीने की पहली तारीख को तय होते हैं, इसलिए इसके बढ़े हुए दामों का प्रभाव 1 अप्रैल से सामने आ सकता है। हालांकि, सरकार की कोशिश है कि ईंधन की महंगाई का सीधा बोझ यात्रियों पर न पड़े। इसके लिए मंत्रालय एयरलाइंस के साथ लगातार बातचीत कर रहा है। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने एविएशन सेक्टर पर दबाव बढ़ाया है। खासकर स्ट्रेट आफ होर्मुज जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर तनाव के कारण ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हो रही है, जिससे जेट फ्यूल महंगा हो रहा है। इस बीच, कई एयरलाइंस ने किरायों में अप्रत्यक्ष बढ़ोतरी शुरू कर दी है। एयर इंडिया ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर चरणबद्ध तरीके से फ्यूल सरचार्ज बढ़ाने का निर्णय लिया है, जबकि अकासा एयर ने 15 मार्च से नई बुकिंग पर फ्यूल सरचार्ज लागू कर दिया है।

अगले सप्ताह खुलेंगे 7 नए आईपीओ चार कंपनियों की होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)।

23 मार्च से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में सात कंपनियां अपने आईपीओ लान्च कर रही हैं। इनमें से तीन कंपनियों के आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट के हैं, जबकि चार आईपीओ एसएमई सेगमेंट का है। इन नई लान्चिंग के अलावा पिछले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए खुले दो आईपीओ में भी इस सप्ताह 24 मार्च तक निवेशक बोली लगा सकेंगे। जहां तक नई लिस्टिंग की बात है, तो इस सप्ताह चार कंपनियां स्टाक मार्केट में एंट्री करने वाली हैं। इनमें तीन कंपनियां मेनबोर्ड सेगमेंट की हैं।

सप्ताह के पहले कारोबारी दिन 23 मार्च को टिपको इंजीनियरिंग का 60.55 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 25 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 84 रुपये से लेकर 89 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 1,600 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद एक अप्रैल को बीएसई के एसएमई प्लेटफार्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

इसके अगले दिन 24 मार्च को साई पैरेंटेरल्स का 408.79 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 27 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 372 रुपये से लेकर 392 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 38 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद दो अप्रैल को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

इसी दिन अमीर चंद जगदीश कुमार का 440 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में भी 27 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 201 रुपये से लेकर 212 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 70 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद दो अप्रैल को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन ही पावरिका लिमिटेड का 1,100 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में भी 27 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 375 रुपये से लेकर 395 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 37 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद दो अप्रैल को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसके अलावा 24 मार्च को ही हाईनेस माइक्रोइलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड का 21.67 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में भी 27 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 114 रुपये से लेकर 112 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 1,200 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद दो अप्रैल को बीएसई के एसएमई प्लेटफार्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

इसके अगले दिन 25 मार्च को विविड इलेक्ट्रोमेक का 130.54 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 30 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 528 रुपये से लेकर 555 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 240 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद छह अप्रैल को एनएसई के एसएमई प्लेटफार्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 27 मार्च को एमिएक टेक्नोलाजीज का आईपीओ सबस्क्रिप्शन के लिए खुल रहा है। है। इस इश्यू में आठ अप्रैल तक बोली लगाई जा सकेगी। इस इश्यू के लिए अभी प्राइस बैंड और लाट साइज का ऐलान नहीं किया गया है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद कंपनी के शेयर 13 अप्रैल को बीएसई के एसएमई प्लेटफार्म पर लिस्ट हो सकते हैं।

इन नए आईपीओ के अलावा पिछले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए खुले स्पेशियलिटी मेडिसिन्स के 29.14 करोड़ रुपये के आईपीओ में 24 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 117 रुपये से लेकर 124 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 1,000 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 30 मार्च को बीएसई के एसएमई प्लेटफार्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इस आईपीओ को अभी तक 84 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिला है।

इसी तरह 20 मार्च को ही सब्सक्रिप्शन के लिए खुले सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड (सीएमपीडीआईएल) के 1,842.12 करोड़ रुपये के आईपीओ में भी 24 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 163 रुपये से लेकर 172 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 80 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 30 मार्च को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इस आईपीओ को अभी तक सिर्फ सात प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिला है।

6-सीटर विकल्प से बढ़ा किआ कैरेंस क्लाविस ईवी का आकर्षण

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)।

अपनी इलेक्ट्रिक एमपीवी किआ केरेंस क्लेविस ईवी के लिए किआ इंडिया कंपनी ने एमवाय26 अपडेट पेश किया है। ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कंपनी ने नए जीटी-लाइन और एक्स-लाइन ट्रिम्स के साथ 6-सीटर कान्फिगरेशन जोड़ा है, जिससे कार के कम्फर्ट और प्रीमियम फील को और बेहतर बनाया गया है।

इस अपडेट की सबसे बड़ी खासियत 6-सीटर लेआउट है, जिसमें सेकंड रो में कैप्टन सीट्स दी गई हैं। यह डिजाइन यात्रियों को अधिक स्पेस और आराम देने के लिए तैयार किया गया है। यह नया कान्फिगरेशन एचटीएक्स (ई), एचटीएक्स, एचटीएक्स प्लस, जीटीएक्स, जीटीएक्स प्लस और एक्स-लाइन जैसे कई वेरिएंट्स में उपलब्ध कराया गया है। कीमतों की बात करें तो 42 केडब्ल्यूएच बैटरी वाले स्टैंडर्ड रेंज माडल की शुरुआती कीमत 17.99 लाख रुपये है, जो 20.49 लाख रुपये तक जाती है। वहीं 51.4 केडब्ल्यूएच बैटरी वाले एक्सटेंडेड रेंज वेरिएंट की कीमत 21.99 लाख रुपये से शुरू होकर 24.99 लाख रुपये तक जाती है। ये दोनों वेरिएंट 6 और 7-सीटर विकल्पों में उपलब्ध हैं।

परफार्मेंस के लिहाज से यह कार 404 किलोमीटर से लेकर 490 किलोमीटर तक की रेंज देती है। फास्ट चार्जिंग तकनीक से इसे करीब 39 मिनट में 10 से 80 प्रतिशत तक चार्ज किया जा सकता है। इसके अलावा डुअल पैनोरमिक डिस्प्ले, सनरूफ, 6 एयरबैग और 85 से ज्यादा कनेक्टेड फीचर्स इसे और प्रीमियम बनाते हैं। जीटी-लाइन ट्रिम्स को स्पोर्टी लुक देने के लिए नए एलाय व्हील्स, लाइम ब्रेक कैलिपर्स और मेटल पैडल्स दिए गए हैं, जबकि एक्स-लाइन वेरिएंट को डार्क और मजबूत डिजाइन के साथ पेश किया गया है। टाप वेरिएंट्स में डिजिटल की और बैटरी हीटर जैसी एडवांस फीचर्स भी शामिल हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बनाया...

इस उच्चस्तरीय बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, स्वास्थ्य एवं रसायन मंत्री जे.पी. नड्डा, पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी और श्रम मंत्री मनसुख मांडविया सहित कई वरिष्ठ मंत्री और अधिकारी उपस्थित रहे।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि वह मिडिल ईस्ट के घटनाक्रम पर लगातार नजर बनाए हुए है और देश में आवश्यक वस्तुओं, ऊर्जा तथा खाद्य आपूर्ति की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रही है।

पागलपन...

रविवार को कहा कि 'दुश्मन देशों' के जहाजों को छोड़कर बाकी सबके लिए यह रास्ता खुला है। यहां दुश्मन से उनका सीधा मतलब अमेरिका, इजरायल और उनके सहयोगियों से है। ईरानी प्रतिनिधि ने कहा है कि अगर कोई जहाज उनके सुरक्षा नियमों का पालन करता है और उसका ताल्लुक उनके दुश्मनों से नहीं है, तो उसे होर्मुज गुजरने में कोई दिक्कत नहीं होगी।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर क्यों बढ़ा तनाव?

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया के सबसे अहम समुद्री मार्गों में से एक है। दुनिया के लगभग 20% तेल और गैस का परिवहन इसी रास्ते से होता है। ईरान इस पर भौगोलिक नियंत्रण रखता है, इसलिए यहां उसका दबदबा है। अमेरिका और इजरायल के हमलों के बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई शुरू की। इसके तहत उसने इस रास्ते से गुजरने वाले जहाजों पर रोक और नियंत्रण बढ़ा दिया। होर्मुज के रास्ते तेल और गैस की सप्लाई रुकने से वैश्विक तेल बाजार में कीमतें बढ़ गई हैं। संक्षेप में कहें तो यह सिर्फ एक समुद्री रास्ते का विवाद नहीं, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा और शक्ति संतुलन की बड़ी लड़ाई बन चुका है।

विश्लेषकों का मानना है कि अगले 48 घंटे इस क्षेत्र की भू-राजनीति के लिए निर्णायक साबित हो सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय दोनों पक्षों से संयम बरतने और वार्ता के माध्यम से समाधान निकालने की अपील कर रहा है।

ईरान से ...

ईरान के राष्ट्रपति ने यह भी सुझाव दिया कि मिडिल ईस्ट के देशों को मिलकर एक नया सुरक्षा सिस्टम बनाना चाहिए। इससे इलाके में शांति और स्थिरता बनी रहेगी और बाहर के देशों का दखल कम होगा।

लापरवाही से शौर्य ...

'उन्होंने कहा, यह जोड़ते हुए कि परिवार भद्रता योजना के तहत अस्पताल का दरवाजा खटखटाया था और चिकित्सा प्रोटोकॉल के कड़े पालन की अपेक्षा कर रहे थे।

उन्होंने आरोप लगाया कि उच्च रक्तचाप, मधुमेह और न्यूरोलॉजिकल समस्याओं के इतिहास का खुलासा करने के बावजूद, डॉक्टरों ने आवश्यक नैदानिक परीक्षणों के बिना ही शल्यक्रिया की ओर बढ़ गए। कोई बायोप्सी नहीं की गई... और मस्तिष्क का कोई एमआरआई या सीटी स्कैन नहीं किया गया... केवल बुनियादी रक्त परीक्षण ही किए गए, शिकायत में कहा गया, जिसमें शल्यक्रिया के निर्णय को स्थापित चिकित्सा प्रोटोकॉल की अनदेखी करार दिया गया।

उच्च रक्तचाप के बावजूद शल्यक्रिया का आरोप

शिकायत के अनुसार, 9 मार्च को निर्धारित शल्यक्रिया को रद्द कर दिया गया था क्योंकि संबैया का रक्तचाप कथित तौर पर 210 तक बढ़ गया था। एनेस्थिसियोलॉजिस्ट ने स्ट्रोक के खतरे की चेतावनी दी और स्थगित करने की सलाह दी। हालांकि, परिवार ने आरोप लगाया कि अगले ही दिन पर्याप्त स्थिरीकरण या पुनर्मूल्यांकन के बिना ही शल्यक्रिया कर दी गई। यह कार्य एक सचेत और लापरवाह निर्णय को दर्शाता है जो पूरी जानकारी और जोखिमों की पूर्ण जानकारी के साथ लिया गया था, शिकायत में कहा गया।

शल्यक्रिया के बाद रक्तस्राव और दूसरी ऑपरेशन

पहली शल्यक्रिया के तुरंत बाद, संबैया को आईसीयू देखभाल के बजाय एक सामान्य वार्ड में स्थानांतरित कर दिया गया। कुछ ही मिनटों में, परिवार ने गंभीर रक्तस्राव देखा।

रक्त सक्रिय रूप से बह रहा था... डॉक्टरों ने इसे स्पर्टर के रूप में पहचाना, शिकायत में कहा गया, जिसमें पहली प्रक्रिया के दौरान रक्तस्राव को नियंत्रित करने में विफलता और आपातकालीन प्रतिक्रिया में देरी का आरोप लगाया गया। फिर उन्हें उसी दिन दूसरी शल्यक्रिया के लिए ले जाया गया, जिसके कारण परिवार का दावा है कि और रक्त हानि हुई, बार-बार एनेस्थीसिया का संपर्क हुआ और शरीर पर गंभीर तनाव पड़ा।

मस्तिष्क आघात और स्थिति बिगड़ना

दूसरी शल्यक्रिया के बाद, संबैया को आईसीयू में स्थानांतरित किया गया, जहां वह बेहोश रहे। बाद में मस्तिष्क इमेजिंग से पता चला कि बाएं गोलार्द्ध पर एक बड़ा आघात हुआ है। परिवार ने आरोप लगाया कि डॉक्टरों ने शल्यक्रियाओं और आघात के बीच किसी भी संबंध से इनकार किया और उचित उपचार शुरू करने में देरी की। अगले कुछ दिनों में, उनकी स्थिति बिगड़ती चली गई, जिसमें रिपोर्ट किया गया मस्तिष्क क्षति 50 से 90 प्रतिशत तक बढ़ गई, जिससे अंततः पूर्ण मस्तिष्क विफलता हो गई। मस्तिष्क की सूजन को कम करने के लिए एक डिकंप्रेसिव क्रेनीएक्टोमी की गई, लेकिन उनकी स्थिति लगातार बिगड़ती रही। बाद में उन्हें कार्डियक अरेस्ट हुआ और 20 मिनट की सीपीआर के बावजूद उनकी मौत हो गई।

आपराधिक कार्रवाई की मांग

तिरुपतम्मा ने डॉक्टरों और अस्पताल प्राधिकरणों के खिलाफ लापरवाही से मौत सहित कई धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। ''यह पूरी घटना एक अलग त्रुटि नहीं है, बल्कि लगातार और व्यवस्थित रूप से सक्रिय सकल चिकित्सा लापरवाही की श्रृंखला है,'' उन्होंने कहा, यह भी उठाते हुए कि भद्रता योजना के संभावित दुरुपयोग और अनावश्यक प्रक्रियाओं के बारे में चिंता जताई। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि परिवार को बार-बार अधूरी या भ्रामक जानकारी दी गई और प्रक्रियाओं के लिए सहमति देने के लिए दबाव डाला गया। मैं अपने पति के लिए न्याय और गंभीर लापरवाही के लिए जवाबदेही की मांग करती हूं, उन्होंने शिकायत में कहा। पुलिस ने कहा कि डॉक्टरों के पैनल की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद आरोपों की जांच की जाएगी। जांच अधिकारी वेंकट रमणा ने पुष्टि की कि एक मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच प्रगति पर है। एफआईआर में नोट किया गया कि शिकायत से प्राथमिक दृष्ट्या ऐसे आरोप प्रकट होते हैं जो कानून के तहत जांच के योग्य हैं।

हुमायूं कबीर ...

एकदम सिंपल है। उनका ब्रह्मास्त्र बंगाल में मुसलमानों की 27 फीसदी आबादी है। बीजेपी यूं ही नहीं कहती कि 'दीदी' के राज्य में बंगाल के कई जिलों की डेमोग्राफी बदल चुकी है।

दरअसल बंगाल के कई जिलों में मुस्लिम मतदाताओं की संख्या इतनी ज्यादा है कि वहां नंबर के हिसाब से हिंदू अल्पसंख्यक हो गए हैं। इन्हीं मुस्लिम बहुल इलाकों में टीएमसी की जीत का स्ट्राइक रेट हैरान करने वाला रहा है। साल 2011 और 2016 के विधानसभा चुनावों में मुस्लिम मतदाताओं का वोट कांग्रेस और टीएमसी के बीच बंटा था, लेकिन जीत फिर भी ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी को ही मिली थी।

2021 के चुनाव में 'दीदी' की रणनीति ने मुस्लिम मतदाताओं के जज्बात बदल दिए थे। बीजेपी का आक्रामक प्रचार देख हैरान बंगाली मुसलमानों ने कांग्रेस और आईएसएफ को टाटा बाय-बाय करते हुए पूरी ममता टीएमसी के ऊपर उड़ेल दी। जिसका नतीजा दिखा, राज्य की 85 मुस्लिम बहुल सीटों पर दिखा। उस बेल्ट की 75 सीटें अकेले टीएमसी ने जीत लीं। दक्षिण 24 परगना की 31 में से 30, मुर्शिदाबाद की 22 में से 20, मालदा की 12 में से 8, उत्तर दिनाजपुर की 9 में से 7, बीरभूम की 11 में से 10 सीटों पर टीएमसी जीती। कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियां यहां 'अता-पता-लापता' हो गईं।

दूसरे एम की बात करें तो ममता बनर्जी का अगला फोकस महिलाओं पर है। टीएमसी के चुनावी घोषणापत्र में उन्होंने लक्ष्मी भंडार योजना का दायरा बढ़ाया है। टीएमसी ने लक्ष्मी भंडार स्कीम के तहत, जनरल कैटेगरी की महिलाओं को हर महीने 1,500 रुपये और एससी/एसटी को हर महीने 1,700 रुपये देने का ऐलान किया है। वहीं दुआरे यानी घर पर इलाज मुहैया करवाने के चुनावी वायदे के साथ दीदी ने महिलाओं को अपने पाले में करने का गोल सेट किया है।

बंगाल में बाबरी मस्जिद की नींव रखकर हुमायूं कबीर, मुस्लिम मतदाताओं के एक वर्ग के दिलों में जगह पक्की कर चुके हैं। उनके समर्थक उन्हें मुसलमानों का रहनुमा बता रहे हैं। ईद की नमाज के आयोजन में कबीर ने अपनी राजनीतिक योजना का खुलासा करते हुए कहा था, उनकी पार्टी 182 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। हुमायूं कबीर ने बताया उनकी पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के साथ गठबंधन में है, जो कई सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

अब देखना होगा कि मुस्लिम मतदाता ओवैसी और कबीर की सामूहिक अपील पर कितना ध्यान देंगे। बीजेपी इस बार बंगाल में परिवर्तन लाने का दावा कर रही है। वहीं बीजेपी के ऐसे तमाम दावों से इतर 'मां-माटी और मानुष' तो कभी बंगाली बनाम बाहरी और 'जय श्री राम' के जवाब में 'जय काली कलकत्ते वाली' कहकर दीदी ने 2021 के चुनावों में व्हील चेयर पर बैठकर प्रचार करते हुए बीजेपी को 77 सीटों पर रोक दिया था।

तेलंगाना में ...

वर्तमान में लाइसेंस प्रक्रिया में दो चरण (लर्नर और स्थायी टेस्ट) होते हैं, लेकिन अब एक नया चरण जोड़ा गया है: ऑनलाइन सड़क सुरक्षा जागरूकता परीक्षा (नया चरण), लर्नर लाइसेंस (एलएलआर) टेस्ट, स्थायी ड्राइविंग लाइसेंस टेस्ट।

अप्रैल की शुरुआत से, आवेदकों को एलएलआर के लिए आवेदन करने से पहले इस ऑनलाइन सुरक्षा परीक्षा को पास करना अनिवार्य होगा।

छह मॉड्यूल और तीन घंटे का प्रशिक्षण

सड़क सुरक्षा परीक्षा में कुल छह मॉड्यूल शामिल होंगे, जिनमें से प्रत्येक की अवधि 30 मिनट होगी, यानी कुल तीन घंटे का समय देना होगा। यह प्रशिक्षण-आधारित मॉड्यूल संक्षिप्त मूल्यांकन के साथ होंगे। आवेदक इसे कैमरा-सक्षम डिवाइस का उपयोग करके घर या कार्यालय से दे सकते हैं। इसके अलावा ड्राइविंग स्कूल केंद्रों से भी परीक्षा में बैठने का विकल्प उपलब्ध होगा। इसे पूरा करने के बाद उम्मीदवारों को एक विशिष्ट प्रमाणपत्र संख्या प्राप्त होगी, जो एलएलआर आवेदन के लिए अनिवार्य है।

इन मॉड्यूल्स में वास्तविक जीवन की दुर्घटनाओं और ड्राइविंग की सामान्य गलतियों को दर्शाया जाएगा, जिसमें सुरक्षित सड़क अभ्यास, मिरर का उपयोग, ओ-वरटेकिंग तकनीक, दुर्घटनाओं के कारण और पीड़ितों व उनके परिवारों पर पड़ने वाले प्रभाव जैसे विषय शामिल होंगे। अधिकारियों का मानना है कि यह दृष्टिकोण नए ड्राइवरों को गंभीर गलतियों से बचने में मदद करेगा।

कठिन नहीं पर महत्वपूर्ण है नई प्रक्रिया

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि परीक्षा उत्तीर्ण करना आसान होगा, लेकिन आवेदकों के बीच जिम्मेदार ड्राइविंग व्यवहार विकसित करने के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है। हालिया आंकड़े तेलंगाना में सड़क दुर्घटनाओं की भयावह स्थिति को दर्शाते हैं। वर्ष 2024 में कुल 25,986 दुर्घटनाएं हुईं, जो 2025 में बढ़कर 27,352 हो गईं। हालांकि मौतों का आंकड़ा 2024 में 7,949 से घटकर 2025 में 7,545 हुआ है, लेकिन दुर्घटनाओं की कुल संख्या में वृद्धि अधिकारियों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है।

लाइसेंस डेटा के अनुसार, वर्ष 2024-25 में 8.92 लाख लर्नर लाइसेंस और 4.68 लाख स्थायी लाइसेंस जारी किए गए। एक वरिष्ठ आरटीओ अधिकारी ने कहा, दुर्घटनाओं के कारण हजारों लोगों की जान जा रही है, नई प्रणाली से जागरूकता बढ़ेगी और मौतों में कमी आएगी। हालांकि लाइसेंस प्राप्त करने की प्रक्रिया अधिक कठिन हो सकती है, लेकिन सड़क सुरक्षा पर इसका दीर्घकालिक प्रभाव सकारात्मक होगा।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 23 मार्च, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल का 163वां नि:शुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर सम्पन्न

290 से अधिक लोगों ने लिया लाभ

हैदराबाद, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा मां वैष्णो देवी जागरण मंडल के सहयोग से नामपल्ली स्थित एग्जीबिशन ग्राउंड में 163वां नि:शुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं नि:शुल्क उपलब्ध कराना था।अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में मेडिकवर अस्पताल हाईटेक सिटी की टीम ने हड्डी रोग, हृदय रोग, ईसीजी, 2डी इको, बीएमडी (हड्डी घनत्व जांच), आरबीएस (रक्त शर्करा), रक्तचाप मापन एवं सामान्य चिकित्सा की विस्तृत सेवाएं प्रदान कीं। इस दौरान डॉ. लिड्या, डॉ. मधु सहित नर्सिंग टीम गार्गी, सहेली, सरवानी, अर्जुन, पद्मा, हविला और विपणन विभाग के राजन एवं प्रदीप कुमार ने अपनी विशेषज्ञ सेवाएं दीं।

लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल, दोमलगुडा की टीम ने 193 लोगों के नेत्रों की विस्तृत जांच की, जिनमें से 112 लोगों को नि:शुल्क चश्मे वितरित किए गए तथा एक रोगी के मोतियाबिंद ऑपरेशन की नि:शुल्क व्यवस्था की गई। इस सेवा कार्य में अजीत कश्यप, एच. भगवान, प्रतीक्षा, के. नर्सिंग राव एवं के. भास्कर ने सक्रिय योगदान दिया।

शिविर में डॉ. अखिल क्लिनिक (पुरनदास रणछोड़दास) की जनरल फिजिशियन डॉ. मीनल सुगंधी, बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज (फिजियोथेरेपी), एसएनआर डेंटल के डॉ. एस. नवनीत राज एवं डॉ. एस. निखिल राज (दंत जांच), तथा डॉ. पीयूष बाल चिकित्सा क्लिनिक के डॉ. पीयूष अग्रवाल (बाल रोग विशेषज्ञ) ने मरीजों की जांच कर उचित परामर्श प्रदान किया। श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति की ओर से एक विकलांग व्यक्ति को विशेष सहायता प्रदान की गई। कुल मिलाकर 290 से अधिक लोगों ने इस स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाया।

शिविर की मुख्य अतिथि आईपीएस अधिकारी शिखा गोयल रहीं, जिन्होंने स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण किया और आयोजकों एवं चिकित्सकों के कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर उनका पारंपरिक ढंग से सम्मान किया गया।

शिविर संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, अजीत गुप्ता, विनय सी. अग्रवाल, कैलाश केडिया, निखिल राणासरिया, दीपक गुप्ता के नेतृत्व में स्थानीय भागीदार मां वैष्णो देवी जागरण मंडल कोर समिति के अंजनी कुमार अग्रवाल, पुरुषोत्तम अग्रवाल, सूर्य कमल गुप्ता, राकेश जालान, आशीष दोचानिया, अचल गुप्ता, नवीन अग्रवाल ने व्यवस्थाओं को सफल बनाया। स्वयंसेवकों में जितेन्द्र गोयल, पवन भुवानिया, अजय तुलस्यान, निर्मला केडिया, सुमन भुवानिया, सरला अग्रवाल, सुनैना नरसरिया, अरुणा तुलस्यान एवं पित्ती नॉमिनेशन टीम ने अथक परिश्रम किया।

एक शाम श्रीमायली माता के नाम विशाल भजन संध्या 25 को

पाली, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। एक शाम मायली माता के नाम विशाल भजन संध्या बुधवार 25 मार्च 2026 को व महाप्रसादी, 26 मार्च को भजनों व झांकी की प्रस्तुती देंगे। भजन गायकार महेश चौहान एण्ड पार्टी सोजत, राजु सियोल, रामचंद्र प्रजापत, भजन गायिका आशा प्रजापत, मंच संचालक अनिल मारु एवंम बालाजी व माताजी की झांकी मायली माताजी के उपासक दाता श्री रतनसिंह के सान्निध्य में होगा। विशाल जागरण व महाप्रसादी का आयोजन । जिसमें छतीस कौम के बन्धु भाग लेगें।

हिंदू उत्सव समिति भाग्यनगर द्वारा ठंडी मसाला छांछ सेवा का शुभारंभ

हैदराबाद, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदू उत्सव समिति भाग्यनगर द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गर्मियों में राहगीरों के लिए ठंडी मसाला छांछ सेवा का शुभारंभ उत्साहपूर्वक किया गया। यह सेवा कुल 11 रविवार तक प्रत्येक सप्ताह दोपहर 12.00 बजे से 2.00 बजे तक संचालित की जाएगी, जिसमें लगभग 6000 ग्लास ठंडी मसाला छांछ वितरित की जाएगी।

राहगीरों को मिलेगी गर्मी से राहत

तेज गर्मी को ध्यान में रखते हुए समिति द्वारा यह सेवा विशेष रूप से राहगीरों, श्रमिकों एवं जरूरतमंदों के लिए शुरू की गई है। समिति के सदस्यों ने बताया कि गर्मी के मौसम में ठंडी छांछ न केवल शरीर को ठंडक देती है बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी होती है, इसलिए इस सेवा को हर वर्ष नियमित रूप से आयोजित किया जाता है।

सदस्यों की उपस्थिति में हुआ शुभारंभ

इस सेवा का रविवार दि. 22 मार्च, 2026 को विधिवत शुभारंभ समिति के सभी सहयोगी सदस्यों की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी ने मिलकर सेवा कार्य को सफल बनाने का संकल्प लिया और इसे समाज सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम बताया।

किरण तायल ने व्यक्त किया आभार

इस अवसर पर किरण तायल ने सभी सहयोगियों एवं उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समिति का उद्देश्य केवल सेवा भावना को आगे बढ़ाना है और समाज के प्रत्येक वर्ग तक राहत पहुँचाना है।इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख सदस्यों में किरण तायल, महेश अग्रवाल, रमेश बसाईवाला, सुमित गार्गिया, धर्मेश जैन, शरद वर्मा, प्रद्युमन शर्मा, योगेश अग्रवाल आदि शामिल रहे।

सिकंदराबाद लायन्स क्लब एथिना द्वारा महिला दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लाइन्स पुष्पा अग्रवाल, भाजपा नेता सपना गुप्ता, मंजू, अल्का जिवानी, मनीषा, माकेक्षी, दीपा, पूजा एवं अन्य।

भाजपा तेलंगाना प्रदेश व्यापार प्रकोष्ठ के सहसंयोजक नियुक्त होने पर अविनाश देवड़ा का सम्मान

हैदराबाद, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा तेलंगाना प्रदेश व्यापार प्रकोष्ठ के सहसंयोजक नियुक्त होने पर अविनाश देवड़ा का बेगम बाजार स्थित माहेश्वरी भवन में भव्य सम्मान किया गया। इस अवसर पर समाज के अनेक गणमान्य व्यक्तियों एवं व्यापारिक क्षेत्र से जुड़े सदस्यों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में महेश बैंक के पूर्व चेयरमैन रमेश कुमार बंग, पूर्व वाइस चेयरमैन लक्ष्मीनारायण राठी, पूर्व निदेशक रामप्रकाश भंडारी, वर्तमान निदेशक अमित लड्ढा, दीपक बंग एवं कैलाश मंत्री ने अविनाश देवड़ा का पुष्पमाला एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। इस अवसर पर राम जोशी, राजेश तोषनीवाल, घनश्यामदास बंग, महेश बजाज, सुमित राठी, लक्ष्मीनिवास सारडा, हरिकिशन बंग, गोपाल भंडारी, श्याम लोया सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। सभी ने अविनाश देवड़ा को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएँ दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सम्मान समारोह के दौरान अविनाश देवड़ा ने सभी वरिष्ठजनों एवं साथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे पार्टी और व्यापारिक समाज के हितों की रक्षा एवं उन्नति के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। उन्होंने विश्वास दिलाया कि संगठन द्वारा सौंपे गए दायित्वों का वे पूर्ण समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे।

जन्मदिन को सेवा से बनाया यादगार, ये पल कभी नहीं भूलूंगी : निर्मला केडिया

हैदराबाद, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप, हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य के दौरान मानवता और परोपकार की सुंदर मिसाल देखने को मिली।

इस अवसर पर निर्मला केडिया का जन्मदिन अत्यंत सादगी और सेवा भाव के साथ मनाया गया। जरूरतमंदों के बीच अन्न वितरण कर इस खास दिन को और भी सार्थक बनाया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अपने विचार व्यक्त करते हुए निर्मला केडिया ने भावुक होकर कहा कि उन्होंने अपने जीवन में कई जन्मदिन मनाए हैं, लेकिन सेवा के बीच मनाया गया यह जन्मदिन उनके लिए सबसे खास है। उन्होंने कहा कि यह दिन उनके जीवन का अविस्मरणीय पल बन गया है।इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सोहनलाल दायमा, सुरेश सिंघल, नंद किशोर अग्रवाल, महेश गुप्ता, महेश अग्रवाल, भगतराम अग्रवाल, मायाराम अग्रवाल, कैलाश केडिया, संजय गोयल, रोहित अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, मनीष चिंडालिया, जय प्रकाश सारडा, बिमल किशोर संघी, जगन एलाकुर्थी, निर्मला केडिया, प्रीतिका अग्रवाल एवं सुमन अग्रवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

अनोजीगुड़ा स्थित काग निवास पर आयोजित ईसर गणगौर पूजा, कलश - यात्रा कार्यक्रम में उपस्थित पुष्पा देवी काग, अनीता देवी काग, कंचन देवी काग, गीता काग, ममता पवार, कमला काग, गनकी काग, ममता काग व अन्य।

जीडिमेटला स्थित श्री आई माताजी मंदिर में सम्मान एवं गीत-संगीत कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। जीडिमेटला स्थित श्री आई माताजी मंदिर (बडेर) में काग परिवार द्वारा सम्मान समारोह एवं गीत-संगीत कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में समाज के अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही और वातावरण भक्तिमय एवं सांस्कृतिक रंगों से सराबोर रहा।कार्यक्रम का आयोजन काग परिवार द्वारा किया गया, जिसमें प्रमुख रूप से तिलोकराम, सुजाराम, भंवरलाल काग, हेमाराम काग, सोहनलाल काग, दिनेश एवं नितेश काग ने सक्रिय भूमिका निभाई। आयोजन के दौरान भक्ति गीतों और संगीत प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनों का मन मोह लिया।इस अवसर पर अखिल भारतीय सीरवी महासभा तेलंगाना प्रदेश के महासचिव सोहनलाल हाम्बड़ विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके साथ ही जीडिमेटला बडेर के संरक्षक मांगीलाल काग, अध्यक्ष रावतराम बर्फा, उपाध्यक्ष सोहनलाल परिहार एवं दुर्गाराम मुलेवा, सचिव प्रेम पंवार, सह सचिव मंगलराम पंवार तथा सलाहकार संतोष चोयल और जीवाराम हाम्बड़ ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में कालुराम भायल, मोहनलाल सोलंकी, चुतराराम सानपुरा सहित अन्य समाज बंधु भी उपस्थित रहे। सभी ने इस प्रकार के आयोजनों को समाज में एकता, संस्कृति और धार्मिक आस्था को सुदृढ़ करने वाला बताया तथा आयोजकों के प्रयासों की सराहना की।

रियाद में साटा के सौजन्य से भव्य उगादी और ईद मिलाप उत्सव सम्पन्न

रियाद (सऊदी अरब), 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। सऊदी अरब के रियाद शहर में सऊदी अरब तेलुगु संघ (साटा) के सौजन्य से उगादी और ईद की उत्सव धूम धड़ाके से, हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। विदेशों में निवास करने वाले हम भारतीयों के लिए हमारी संस्कृति और परंपराओं को याद दिलाने वाले ये उत्सव प्रत्येक व्यक्ति को आत्मीय अनुभूति प्रदान करते हैं। परिवार के सदस्यों, बच्चों और युवाओं ने एक साथ मिलकर उगादी पर्व को पारंपरिक तरीके से मनाया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा समां, सामाजिक एकता का संदेश

इस कार्यक्रम के भाग के रूप में आयोजित मुख्य आकर्षणों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर लिया। मनोरंजक कार्यक्रमों ने सभी के मन में उत्साह भर दिया। सामाजिक एकता को दर्शाने वाले कार्यक्रम विशेष रूप से उभरे। प्रेरणादायक संदेशों ने सभी को प्रोत्साहित किया।

ये उत्सव केवल त्योहार तक सीमित न रहकर, रियाद में तेलुगु समाज को और निकट लाने तथा एकता को मजबूत करने का माध्यम बने। मंच पर विद्वान श्री मुरली के सौजन्य से उगादी पंचांग सुनाना, साथ ही इमाम मुज़म्मिल द्वारा ईद मिलाप और रमजान मास की विशेषता को समझाने के माध्यम से समाज को एक महत्वपूर्ण संदेश प्रदान किया गया।

साटा रियाद अध्यक्ष श्रीनिवास मच्चा का संदेश: धर्म अलग, पर हम सब एक

साटा रियाद के अध्यक्ष श्रीनिवास मच्चा ने अपने संबोधन में कहा, आज हम दो महान त्योहारोंउगादी और ईद मिलापको एक साथ मनाने के लिए यहाँ एकत्रित हुए हैं। उगादी तेलुगु लोगों के नए साल की शुरुआत है। उगादी का अर्थ है युगादी यानी एक नए युग की शुरुआत। आज से नया साल शुरू होता है। मैं कामना करता हूं कि यह पर्व हमारे लिए नई आशाएं, नए अवसर और खुशियां लेकर आए।उन्होंने आगे कहा, उगादी पछड़ी की तरह हमारे जीवन में मिठास, कड़वाहट, खटास और नमकसब कुछ होता है, यह बात हमें याद दिलाती है। इसी तरह, ईद का पर्व हमें प्रेम, धैर्य, दान और भाईचारे के महत्व को समझाता है। रमजान के महीने में रोजा रखकर, प्रार्थनाएं करके, अंत में ईद को खुशी से मनाया जाता है। ये दोनों पर्व हमें एक बड़ा संदेश देते हैंधर्म अलग हो सकते हैं, लेकिन हम सब एक हैं। प्रेम, शांति और भाईचारे के साथ मिल-जुलकर जीना चाहिए।

श्रीनिवास मच्चा ने सभी को उगादी की शुभकामनाएं और ईद मुबारक कहते हुए कहा, मैं कामना करता हूं कि हमारे जीवन आनंद, स्वास्थ्य और सफलताओं से भर जाएं। मेरी विनम्र अपील है कि हमारे तेलुगु लोगों को किसी भी कठिनाई का सामना करना पड़े, तो साटा कोर टीम के सदस्य हर समय उपलब्ध रहकर आगे आते हैं। मैं सम्मानित साटा रियाद कोर टीम का विशेष रूप से आभार व्यक्त करता हूं।

उन्होंने भावुक होते हुए कहा, हम पड़ोसी की झोपड़ी को महल न बना सकें, तो कोई बात नहीं, लेकिन कम से कम उस झोपड़ी में आग न लगाएंबस इतना काफी है। मैं चाहता हूं कि हमारे तेलुगु भाई-बहनों को कोई नुकसान न पहुंचे। जब भी हम तेलुगु लोग एक-दूसरे से मिलें, तुम कौन हो की बजाय आप कैसे हैं कहकर अभिवादन करें, तो यह बहुत अच्छा रहेगा।

टासा सऊदी अरब के अध्यक्ष स्वामी स्वर्ण ने अपने वक्तव्य में कहा, एक ही मंच पर श्री पराभव नाम संवत्सर उगादी उत्सव और ईद मिलाप कार्यक्रमों का आयोजन करके, यह दिखाना कि धर्म अलग-अलग होते हुए भी हम सब भाई-भाई हैंयह संदेश कार्यरूप में प्रस्तुत करना सराहनीय है।

उन्होंने आगे कहा, तेलुगु संघ अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन हम सब तेलुगु हैं, हम सब भारतीय हैंइस भावना के साथ आगे बढ़ रहे श्रीनिवास मच्चा जी और उनकी टीम, साथ ही साटा रियाद के सदस्यों द्वारा आयोजित सभी अच्छे कार्यक्रमों के लिए टासा के सदस्य हमेशा अपना सहयोग और सहकारिता प्रदान करेंगे, इसका आश्वासन देते हैं।साटा के संस्थापक मल्लेशन्, साटा रियाद कोर टीम के सदस्यशर्वाणि विद्याधरणी, कोकिला ओत्लूरी, प्रीति चौहान, मोहम्मद नूरुद्दीन, योगेश्वर राव वीरवल्ली, सिंह नरेश कुमार, अहमद अब्दुल करीम, मोहम्मद अब्दुल गफ्फार, मिधुन सुरेश, मुदिगोंडा शंकर, मुरली कृष्ण बूसी, लोकेश तल्ल, अब्दुल नईम खय्यूम, अयाज, खाजा मुज़म्मिल उद्दीन, अहमद मोहिउद्दीन, रोजदार सय्यद (असलम), फणि कुमार अय्यगारी, पेंटापाटी श्री चरण, मोहम्मद कामिल, दूडम संजीव, शेखर पदाल सहित सभी ने तेलुगु जनता को उगादी और ईद की हार्दिक शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

बेगम बाजार में अन्नदान सेवा, मानवता का सुंदर उदाहरण : मायाराम अग्रवाल

हैदराबाद, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने रविवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य के माध्यम से बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया, जिससे वहां उपस्थित लोगों के चेहरे पर संतोष और खुशी देखने को मिली। ग्रुप के सदस्यों ने पूरी श्रद्धा और सेवा भाव के साथ इस पुनीत कार्य को संपन्न किया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए मायाराम अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा किया जा रहा यह सेवा कार्य अत्यंत सराहनीय और प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि अन्नदान सबसे बड़ा दान माना गया है, और इस प्रकार के कार्य समाज में आपसी सहयोग, प्रेम और मानवता की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि वे भी आगे आकर ऐसे सेवा कार्यों में भागीदारी निभाएं, जिससे अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाई जा सके।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने भी सेवा कार्य में सक्रिय योगदान दिया और इसे निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया। सभी ने मिलकर व्यवस्था को सुचारू रूप से संभाला और जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, अरुण विजयवर्गीय, मायाराम अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, मीना गोयल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे।

सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर कमेटी की प्रथम सभा एवं ईद-उगादि मिलाप सम्पन्न

हैदराबाद, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर कमेटी, खैरताबाद जोन की प्रथम सभा तथा ईद एवं उगादि मिलाप कार्यक्रम आज गायत्री भवन में अध्यक्ष शशि कांत अग्रवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम सौहार्द और भाईचारे के वातावरण में आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न समुदायों के सदस्यों ने भाग लिया। सभा का मुख्य उद्देश्य विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक पर्वों के माध्यम से आपसी भाईचारा और सामाजिक समरसता को मजबूत करना रहा। ईद और उगादि जैसे महत्वपूर्ण पर्वों के संयुक्त मिलाप कार्यक्रम ने समाज में एकता और सद्भाव का सकारात्मक संदेश दिया। बैठक में आगामी राम नवमी के अवसर पर शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर सेवा देने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। समिति के सदस्यों ने आश्वासन दिया कि वे समाज में शांति, व्यवस्था और सहयोग बनाए रखने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर ऑल जोन जनरल सेक्रेटरी श्रीकिशन शर्मा, मंत्री बरकत अली मानसरिया, उपाध्यक्ष मधुसूदन सोमानी, कोषाध्यक्ष विनय जैन, ए लक्ष्मण, आस मुनि कुमार, इमरान रुपानी, एस. ए. हुसैन इम्तियाज, इकबाल बंदा अली सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभा के अंत में सभी ने मिलकर सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने का संकल्प लिया।

जन सेवा संघ की केंद्रीय समिति की बैठक सम्पन्न, सदस्यता अभियान पर जोर

हैदराबाद, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। जन सेवा संघ के महासचिव प्रकाश चौधरी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जन सेवा संघ की सभी समितियों के संयोजकों एवं केंद्रीय समिति की बैठक ईस्ट मारेडपल्ली स्थित केंद्रीय कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य विभिन्न समितियों द्वारा अब तक की गई प्रगति की समीक्षा करना था।बैठक में सभी संयोजकों के बीच इस बात पर चर्चा की गई कि पिछले दो महीनों में कोई प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित नहीं की गई, क्योंकि कोई प्रमुख या बड़ा विषय सामने नहीं आया था। महासचिव श्री प्रकाश चौधरी ने बताया कि केंद्रीय समिति के गठन के बाद कार्य करने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पाया, क्योंकि अधिकांश रविवार संगठन से संबंधित अन्य बैठकों में व्यस्त रहे।उन्होंने बताया कि केंद्रीय समिति बहुत जल्द संबंधित जोनल अध्यक्षों और क्षेत्रीय अध्यक्षों के साथ मिलकर जमीनी स्तर पर कार्य प्रारंभ करेगी। इसके अंतर्गत एक व्यापक सदस्यता अभियान चलाया जाएगा, जिसमें 'आजीवन सदस्यता' को मुख्य एजेंडा के रूप में शामिल किया जाएगा।

सांस्कृतिक समिति के संयोजक सुनील श्रीवास्तव ने आयोजित कवि सम्मेलन का आय-व्यय विवरण प्रस्तुत किया। समस्या निवारण समिति के संयोजक परमानंद शर्मा ने बताया कि उनकी समिति सक्रिय रूप से कार्य कर रही है और उसका काम संतोषजनक रूप से चल रहा है।छठ पूजा एवं उत्सव समिति के संयोजक आर.पी. सिंह ने जानकारी दी कि घाटों से संबंधित कार्य प्रगति पर है तथा उन्होंने नाचाराम क्षेत्र के जीएचएमसी अधिकारियों से इस संबंध में मुलाकात भी की है।

प्रोटोकॉल समिति को सुझाव दिया गया कि वह अपनी समिति में और सदस्यों को जोड़कर इसे पूर्ण करें। शिक्षा समिति के संयोजक डॉ. अमित को भी समिति का विस्तार करने के निर्देश दिए गए।

चिकित्सा समिति के संयोजक सीताराम ठाकुर ने बताया कि उनकी समिति पूर्ण रूप से गठित हो चुकी है और सभी सदस्य सक्रिय हैं। उन्हें विभिन्न क्षेत्रों से चुना गया है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर शीघ्र सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

खेल समिति के संयोजक सुबोध सिंह ने बताया कि समिति में प्रकाश राठौर नामक नए सदस्य को शामिल किया जाएगा तथा शीघ्र ही एक कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है। आईटी सेल समिति में श्री के.डी. चौबे जल्द ही नए सदस्यों को जोड़कर समिति का गठन करेंगे। प्रायोजन समिति के संयोजक श्री राजेश शर्मा ने भी शीघ्र समिति गठन की जानकारी दी।

मीडिया टीम मेंबिनीत सिंह को शामिल करने का निर्णय लिया गया।

बैठक के अंत में जन सेवा संघ के महासचिव श्री प्रकाश चौधरी ने श्री सुनील श्रीवास्तव, परमानंद शर्मा तथा उन सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया, जिन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में अथक परिश्रम किया।

इस अवसर पर प्रकाश चौधरी, सुशील श्रीवास्तव, डी.डी. तिवारी, सुरेश पंडित, सीताराम ठाकुर, आर.पी. सिंह, परमानंद शर्मा, श्री सुनील श्रीवास्तव, एल.एम. चौधरी, के.डी. चौबे, अरुण सिंह राजपुरोहित, राजेश शर्मा, सुबोध सिंह, बिनीत सिंह, प्रकाश राठौर सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर द्वारा गणगौर कार्यक्रम भव्य रूप से सम्पन्न

हैदराबाद, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर द्वारा शनिवार, 21 मार्च 2026 को गणगौर पर्व का आयोजन बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर सायं 04:31 बजे श्री राम दरबार पंचायती बाडा से गणगौर शोभा यात्रा विधिवत प्रारम्भ हुई।

शोभा यात्रा पंचायती बाडा से प्रारम्भ होकर बर्तन बाजार, किराणा मार्केट और फली मार्केट होते हुए पुनः श्री राम दरबार पंचायती बाडा पहुंची। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला तथा मार्ग में अनेक स्थानों पर श्रद्धालुओं ने दर्शन कर पूजा-अर्चना की। शोभा यात्रा के वापस पंचायती बाडा पहुंचने पर विधिवत आरती की गई, जिसके पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान पंचायती बाडा परिसर महिलाओं से खचाखच भरा हुआ था, जिससे आयोजन की भव्यता और धार्मिक आस्था का वातावरण स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर के सदस्यों ने सभी श्रद्धालुओं, सहयोगियों एवं उपस्थित जनों का आभार प्रकट किया और भविष्य में भी ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

सिखवाल ब्राह्मण युवा समिति द्वारा रविवार को आर्यन स्पोर्ट्स क्लब के पास राहगीरों में छांछ का वितरण किया गया। जिसका सैकड़ों राहगीरों ने छांछ का आनंद लिया। अवसर पर समिति के सदस्य व स्वजातीय युवा उपस्थित थे।

सैनिकपुरी-नरेडमेट में चांदमल ड्राईफ्रूट्स शोरूम का भव्य शुभारंभ

हैदराबाद, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। सैनिकपुरी, नरेडमेट स्थित चांदमल ड्राईफ्रूट्स शोरूम का भव्य शुभारंभ समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों एवं समाज के अनेक सदस्यों की उपस्थिति रही, जिससे आयोजन का माहौल उत्साहपूर्ण बना रहा।

शोरूम के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि रामलाल बर्फा ने फीता काटकर शुभारंभ किया तथा अतिथियों का सम्मान किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में व्यवसाय की सफलता और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ व्यक्त कीं।

इस अवसर पर शोरूम से जुड़े प्रबंधक मोतीलाल काग, चांदमल काग, बगदाराम काग, मोहनलाल हाम्बड़, नारायणलाल काग, चोलाराम हाम्बड़ एवं कालुराम काग सहित अन्य सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में प्रभुराम परिहारिया, डायाराम लचेटा, किशनसिंह राठौड़, मंगलाराम पंवार, हुक्माराम सानपुरा, भंवरलाल मुलेवा, भगाराम मुलेवा, दुर्गाराम मुलेवा, सेसाराम पंवार, पारसमल शर्मा सहित अनेक समाज बंधु उपस्थित रहे। सभी ने नए शोरूम के उद्घाटन पर शुभकामनाएँ दीं और व्यवसाय की उन्नति की कामना की।

चांदमल ड्राईफ्रूट्स शोरूम के शुरू होने से सैनिकपुरी और नरेडमेट क्षेत्र के निवासियों को गुणवत्तापूर्ण ड्राईफ्रूट्स की सुविधा स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेगी, जिससे ग्राहकों को बेहतर सेवा और विकल्प प्राप्त होंगे।

हैदराबाद सांसद एवं एमआईएम प्रमुक बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी को उनके निवास स्थान शास्त्रीपुरम में ईद की शुभकामनाएं देते हुए एमआईएम नेता प्रमोद जैन।

सोलिटेयर हारमोनी विठ्ठलराव नगर माधोपुर में सरोज अग्रवाल के निवास पर अरुणा गुप्ता, स्नेहा, मीता, उमा, दीपा एंव अन्य ने गणगौर की पूजा-अर्चना कर दुर्गम चेरुवु में गणगौर विसर्जन किया।

डॉ. राज नारायण मुदिराज का भव्य सम्मान

शिक्षा और अर्थव्यवस्था में प्रगति से समाज होगा सशक्त : बांदा प्रकाश

हैदराबाद, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना विधान परिषद के उपसभापति एवं पूर्व राज्यसभा सदस्य डॉ. बांदा प्रकाश ने कहा कि मुदिराज समाज शिक्षा, अर्थव्यवस्था और राजनीति में प्रगति करने पर समग्र विकास हासिल करेगा और अधिक सशक्त बनेगा। वे मुदिराज अचीवमेंट अवॉर्ड्स सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

समाज सेवा में चार दशक का अतुलनीय योगदान

इस अवसर पर, तेलंगाना इंटेलेक्चुअल्स फोरम और तेलंगाना सिटिज़न्स काउंसिल के अध्यक्ष डॉ. राज नारायण मुदिराज, जो पिछले 40 वर्षों से समाज के कल्याण और विकास के लिए उल्लेखनीय सेवाएं प्रदान कर रहे हैं तथा जिन्हें हाल ही में अमेरिका के यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ टेक्सास से सम्मान प्राप्त हुआ है, का शॉल, स्मृति चिन्ह और मालाओं के साथ भव्य सम्मान किया गया।

पिछले चार दशकों से वे पर्यावरण संरक्षण, शांति स्थापना, राष्ट्रीय एकता तथा महिलाओं, युवाओं और छात्रों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने किडनी और हृदय रोग, एड्स, तपेदिक (टीबी), कैंसर, नशा विरोधी अभियान, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा प्रदूषण नियंत्रण जैसे विषयों पर सेमिनार, रैलियां और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए हैं। उन्हें राज्यपालों, मुख्यमंत्रियों, उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों तथा राज्य एवं केंद्र सरकार के मंत्रियों से अनेक पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं।

गणमान्य व्यक्तित्वों ने दी बधाई, समाज के उत्थान पर बल

इस कार्यक्रम में पूर्व मंत्री श्री पी. चंद्रशेखर, तेलंगाना राज्य मुदिराज सहकारी समिति के अध्यक्ष बुर्रा ज्ञानेश्वर, तेलंगाना वैदिक मैथ्स फोरम के राज्य अध्यक्ष एवं गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक डॉ. बी. साई किरण, कुली समाज दिल्ली संघम के राष्ट्रीय अध्यक्ष रुतम भूपति, प्रोफेसर रामुलु, ट्रस्ट लायन कोडिवेला हनुमंथा राव, सातवाहन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर उमेश सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर, डॉक्टर और सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी उपस्थित रहे और सभी ने डॉ. राज नारायण मुदिराज को शुभकामनाएं दीं।

उपस्थित वक्ताओं ने डॉ. राज नारायण मुदिराज के सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनका कार्य समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने मुदिराज समाज सहित सभी पिछड़े वर्गों को शिक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ाने पर जोर दिया।

भविष्य की राह: शिक्षा, एकता और विकास

कार्यक्रम के समापन पर डॉ. राज नारायण मुदिराज ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज की प्रगति के लिए शिक्षा, संगठन और सामूहिक प्रयास अनिवार्य हैं। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे नशीले पदार्थों से दूर रहें, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में रुचि लें और समाज सेवा को अपना लक्ष्य बनाएं।इस अवसर पर मुदिराज समाज के बड़ी संख्या में प्रतिनिधि, बुद्धिजीवी, शिक्षाविद् और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन तेलंगाना इंटेलेक्चुअल्स फोरम के पदाधिकारियों द्वारा किया गया।

भगवान महावीर जैन नेत्रालय ट्रस्ट के अध्यक्ष पद पर प्रकाश पिरगल व महेन्द्र सोलंकी, सचिव निर्विरोध निर्वाचित

बेंगलूरु, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भगवान महावीर जैन नेत्रालय ट्रस्ट की बैठक आयोजित की गई। बैठक की शुरुआत ट्रस्ट के अध्यक्ष जेपी. जैन द्वारा स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने अस्पताल की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी दी। इसके पश्चात खज़ांची मदनराज पिरगल ने ट्रस्ट का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन ट्रस्ट के सचिव महेंद्र सोलंकी ने किया। चुनाव प्रक्रिया के दौरान इलेक्शन कमिशनर नाहरमल मांडोत ने निर्विरोध निर्वाचित सदस्यों की घोषणा की। घोषित पदाधिकारियों में अध्यक्ष पद पर प्रकाश पिरगल, उपाध्यक्षद्वय प्रकाश खांटेड, विलाश समदरिया, सचिव महेंद्र सोलंकी, सह सचिव कान्तिलाल मरलेचा, प्रकाश पी. पिरगल, व खज़ांची रमेश मरलेचा के साथ ही 14 कार्यकारिणी सदस्यों की भी घोषणा की गई। नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रकाश पिरगल ने सभी ट्रस्टियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे वे पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ निभाएंगे। उपाध्यक्ष कुशल पिरगल ने नई कार्यकारिणी को बधाई देते हुए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर केके. भंसाली एवं इन्द्रचंद बोहरा ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

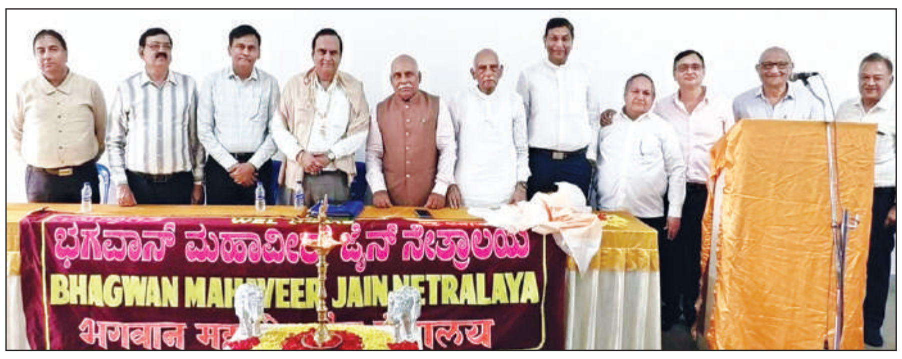

क्षत्रिय राजपूत सभा मेदक बस्ती शाखा का गठन, नए पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चयन

हैदराबाद, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। क्षत्रिय राजपूत सभा, कुथबिगुड़ा, सुल्तान बाजार में रविवार दि. 22 मार्च 2026 को मेदक बस्ती शाखा के चुनाव संपन्न कराए गए। चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण वातावरण में आयोजित की गई, जिसमें समुदाय के सदस्यों की उपस्थिति रही।

चुनाव में निम्नलिखित सदस्यों का सर्वसम्मति से चयन किया गया। जिनमें-

टी. महिपाल सिंह – चेयरमैन, बी. नरेश सिंह – सचिव, श्रीमती टी. नीरजा – कोषाध्यक्ष शामिल हैं। कार्यकारिणी सदस्य हैं- टी. राजेंद्र सिंह, टी. मनीष सिंह और श्रीमती राजपूत रीना देवी शामिल हैं।

इस अवसर पर सभा के अध्यक्ष टी. जयवीर सिंह, कोषाध्यक्ष टी. नरेंद्र सिंह, सचिव टी. अरुण सिंह, मुरली मोहन सिंह तथा संरक्षक टी. राजेंद्र सिंह (राजन सिंह) विशेष रूप से उपस्थित रहे।इसके साथ ही टी. प्रभु सिंह, टी. शरद सिंह सहित समाज के अन्य गणमान्य सदस्य और बड़ी संख्या में समुदाय के लोग भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि नई कार्यकारिणी के गठन से मेदक बस्ती क्षेत्र में समाज की गतिविधियों को नई दिशा और गति मिलेगी। नव-निर्वाचित पदाधिकारियों ने समाज के विकास, एकता और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

अग्रवाल मानव सेवा संस्था द्वारा राशन किट वितरण जरूरतमंद परिवारों तक पहुँची सहायता

हैदराबाद, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
अग्रवाल मानव सेवा संस्था द्वारा हर माह की भाँति मार्च माह में दूसरी बार राशन किट वितरित किए गए। इसके पूर्व 1 मार्च को भी राशन किट वितरण किया जा चुका है। संस्था के संस्थापक मुकुंद लाल अग्रवाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि यह वितरण हाईकोर्ट रोड पर स्थित मुरलीधर मंदिर में संपन्न हुआ, जहाँ राशन के अतिरिक्त गर्मी के सीजन को देखते हुए पानी की बोतलें भी वितरित की गईं।

पिछले 10 महीनों से अग्रवाल मानव सेवा संस्था द्वारा राशन किट जरूरतमंद अग्रबधु परिवारों में नियमित रूप से वितरित किए जा रहे हैं। संस्था ने मौसम और त्योहारों को ध्यान में रखते हुए विशेष सहायता प्रदान करने की परंपरा बनाई हुई है। नवंबर में सर्दी के मौसम को ध्यान में रखते हुए राशन किट के साथ ब्लैंकेट वितरित किए गए थे, दिसंबर माह में स्वेटर, जनवरी माह में संक्रांति त्योहार का ध्यान रखते हुए साड़ियाँ, फरवरी में चटाइयाँ, प्लास्टिक की चौकी तथा पानी की बोतलें वितरित की गई थीं। मार्च माह में गर्मी को देखते हुए पानी की बोतलों को राशन किट के साथ शामिल किया गया है।

इस राशन वितरण कार्यक्रम के प्रायोजकों में मंगत राय जी राम कुमार जी परिवार के श्री राधेश्याम जी गुप्ता, श्री केदार नाथ जी अग्रवाल (ड्यूक्स परिवार), पुरुषोत्तम दास जी सुरेश कुमार जी पापड़िया (टंडन), आर. ए. अग्रवाल, दीपक कुमार अग्रवाल सम्मिलित थे। उपस्थित सभी अग्रबंधुओं ने इस मानवतापूर्ण कार्य की प्रशंसा की।

कार्यक्रम में प्रायोजक राधे श्याम जी गुप्ता, श्री सुरेश कुमार टंडन, आर. ए. अग्रवाल, संस्था के संस्थापक मुकुंद लाल अग्रवाल, श्रीमती संतोष अग्रवाल, अशोक दादरीवाला तथा विशेष आमंत्रित अतिथि मुकेश कुमार केडिया आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम में कैलाश अग्रवाल, गायत्री अग्रवाल एवं उनके परिवार द्वारा सेवा प्रदान की गई।

संस्थापक मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि संस्था का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों तक निरंतर सहायता पहुँचाना है और इस दिशा में आगामी माह में भी कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने सभी प्रायोजकों, स्वयंसेवकों और समाज बंधुओं के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

कुमारवाड़ी महालक्ष्मी नगर अनुराधा उपाध्याय के निवास स्थान पर गणगौर पूजा हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर महिला मंडली ललिता इंदौरिया, ममता जोशी, संतोष कोंकणी, स्वीटी इंदौरिया, वर्षा इंदौरिया, मोनिका शर्मा, तरुणी शर्मा, व अन्य मित्र मंडली के सदस्य उपस्थित थे।

केबीआर पार्क पर हुआ सेवा का पावन संगम, राधे-राधे ग्रुप ने किया अन्नदान

हैदराबाद, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में रविवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य के माध्यम से जरूरतमंदों के बीच भोजन वितरित कर मानवता का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने निस्वार्थ सेवा को जीवन का महत्वपूर्ण उद्देश्य बताते हुए कहा कि अन्नदान सबसे श्रेष्ठ दान माना जाता है, जो सीधे जरूरतमंदों की भूख मिटाकर उन्हें राहत पहुंचाता है। ग्रुप के सदस्य निरंतर इस प्रकार के सेवा कार्यों के माध्यम से समाज में सहयोग और संवेदना की भावना को मजबूत कर रहे हैं।

इस अवसर पर जगतनारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर सेवा कार्य को सफल बनाया।

वीबीएन 5के रन में 850 से अधिक लोगों ने भाग लिया

हैदराबाद, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। व्यास बिजनेस नेटवर्क (वीबीएन) द्वारा आयोजित सामुदायिक फिटनेस पहल वीबीएन 5के रन 202ƒ में 850 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। एक समुदाय के रूप में दौड़ें थीम पर आधारित इस दौड़ का आयोजन जलविहार, नेकलेस रोड, हैदराबाद में किया गया। रविवार की सुबह 5:30 बजे से प्रतिभागियों की रिपोर्टिंग शुरू हुई और 6:00 बजे वीबीएन के संस्थापक श्री शिव कुमार एम्माडी उर्फ एम्माडी तथा शीर्ष अध्यक्ष श्री अभिषेक चंदा ने झंडी दिखाकर दौड़ का शुभारंभ किया। इस अवसर पर वीबीएन ने फिटनेस का अर्थ है अधिक व्यवसाय का संदेश दिया। आयोजकों ने मुख्य प्रायोजक मानेपल्ली ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड का आभार व्यक्त किया। इस दौड़ का उद्देश्य स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना है, जिससे मजबूत उद्यमी, मजबूत संबंध और एक मजबूत व्यवसायिक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण हो सके।

निजामाबाद रामगोपाल विधि स्थित श्री सत्यनारायण मंदिर से सिखवाल महिला मंडल के तल्वावधान में गणगौर शोभा यात्रा निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या में सिखवाल समाज की महिलाओं ने भाग लिया।

एसएम हुसैनी मुजीब का टीएनजीओएस यूनियन ने किया सम्मान

हैदराबाद, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
रमजान पर्व के उपलक्ष्य में टीएनजीओएस यूनियन केंद्रीय महासचिव डॉ. एस.एम. हुसैनी मुजीब को शॉल, पुष्पगुच्छ और हार पहनाकर गरिमामयी सम्मान प्रदान किया गया तथा ईद मुबारक की शुभकामनाएं दी गईं।

इस कार्यक्रम का आयोजन टीएनजीओएस यूनियन हैदराबाद के सह-अध्यक्ष और स्कूल शिक्षा विभाग तेलंगाना केंद्रीय फोरम के अध्यक्ष के.आर. राजकुमार, उपाध्यक्ष श्री बोलिगिद्दा शंकर, लोक सचिव वैदिक शास्त्र, ईसीएस श्रीधर और मुकीद कुरैशी की अध्यक्षता में किया गया।

इस अवसर पर टीएनजीओएस यूनियन आईटीआई इकाई अध्यक्ष सत्यनारायण, कैंसर अस्पताल इकाई अध्यक्ष शिवकुमार, एक्साइज विभाग कांस्टेबल इकाई अध्यक्ष श्री नईम, ओएमसी इकाई अध्यक्ष अनिल, स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त सचिव सुदर्शन, सांस्कृतिक सचिव श्री श्रीनिवास, ईएसआई विभाग संयुक्त सचिव अखिलान सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

डॉ. हुसैनी मुजीब ने अपने सम्बोधन में कहा कि रमजान पर्व मुसलमानों के लिए अत्यंत पवित्र है। यह उपवास, नियम, सहनशीलता और सेवा भावना को बढ़ाने का समय है। उन्होंने कहा कि इस महीने मन को पवित्र रखते हुए जरूरतमंदों की सहायता करके समाज में सौहार्द्र और एकता बढ़ानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि यह त्योहार सभी धर्मों के लोगों को परस्पर सम्मान और प्रेम के साथ मिल-जुलकर रहने का संदेश देता है। उन्होंने ईद पर्व सभी के लिए खुशी, शांति और भाईचारा लाए, इसी कामना के साथ हृदय से ईद मुबारक की बधाई दी।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने दोहराई किसान कल्याण की प्रतिबद्धता

रैतु भरोसा के तहत 3,600 करोड़ रुपये जारी

सिद्दिपेट, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। ..न तो वह कृषि जहाँ बैल रोता है, और न ही वह राज्य जहाँ किसान रोता है, कभी वास्तव में समृद्ध हो सकता है।.. इस उद्घोष के साथ तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को किसानों के प्रति अपनी सरकार की अटूट प्रतिबद्धता दो-हराई। सिद्दीपेट जिले के नरमेट्टा में आयोजित रैतु उत्सवलु कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने रैतु भरोसा योजना के तहत 3,600 करोड़ रुपये की राशि जारी की।

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि अगले 45 दिनों के भीतर तीन किस्तों में किसानों के खातों में कुल 9,000 करोड़ रुपये जमा किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों में कृषि पर 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप तेलंगाना धान उत्पादन में देश का अग्रणी राज्य बनकर उभरा है। इस सीजन में रिकॉर्ड 71 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की गई है।

फसल विविधीकरण और वैकल्पिक खेती पर जोर

रेवंत रेड्डी ने किसानों से केवल धान की खेती तक सीमित न रहकर क्षेत्र-विशिष्ट अन्य फसलों को अपनाने और फसल विविधीकरण पर ध्यान देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि केंद्र की खरीद सीमाओं को देखते हुए वैकल्पिक रणनीतियां जरूरी हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि पाम ऑयल की खेती अब 3 लाख एकड़ तक फैल चुकी है और सरकार इसके विस्तार के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने गाँवों को अंकापुर जैसे मॉडल में बदलने का आह्वान किया ताकि खेती को एक लाभदायक व्यवसाय बनाया जा सके।

महिला सशक्तिकरण और शिक्षा के नए अवसर

महिला सशक्तिकरण पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य एक करोड़ महिलाओं को लखपति बनाना है। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से अब तक 57,000 करोड़ रुपये के ऋण की सुविधा प्रदान की गई है। शिक्षा के क्षेत्र में उन्होंने आगामी शैक्षणिक वर्ष से तेलंगाना पब्लिक स्कूल शुरू करने और युवाओं के कौशल विकास के लिए उन्नत प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने की घोषणा की।

राजनीतिक पलटवार और विकास कार्य

बीआरएस नेता टी. हरीश राव पर कटाक्ष करते हुए मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि पाम ऑयल परियोजना किसानों के लिए है, न कि किसी व्यक्तिगत विधायक के लिए। उन्होंने 2029 में सत्ता में वापसी का विश्वास जताते हुए कहा कि उनकी सरकार सभी 119 निर्वाचन क्षेत्रों में समान विकास सुनिश्चित करेगी। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने 300 करोड़ रुपये की लागत से बने पाम ऑयल कारखाने का उद्घाटन किया और 80 करोड़ रुपये की रिफाइनरी इकाई की आधारशिला रखी। साथ ही सिद्दीपेट जिले में कुल 775.72 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शुभारंभ किया।

इस कार्यक्रम में सांसद रघुनंदन राव, मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, थुम्मला नागेश्वर राव, दामोदर राजनरसिम्हा, विवेक वेंकटस्वामी और पोन्नम प्रभाकर सहित कई वरिष्ठ नेता और अधिकारी उपस्थित थे।

अब मैं कांग्रेस में नहीं रह सकता : टी. जीवन रेड्डी

जगित्याल, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना की राजनीति, विशेषकर अविभाजित करीमनगर जिले में कांग्रेस के स्तंभ माने जाने वाले वरिष्ठ नेता और पूर्व एमएलसी टी. जीवन रेड्डी ने पार्टी छोड़ने के संकेत देकर राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। पिछले चार दशकों से कांग्रेस के प्रति वफादार रहे जीवन रेड्डी ने पार्टी आलाकमान पर अपनी घोर उपेक्षा का आरोप लगाया है।

आत्मसम्मान को ठेस पहुंची, अब और पीड़ा नहीं सह सकता

जीवन रेड्डी ने एक भावुक बयान जारी करते हुए कहा, कांग्रेस में अब मेरे लिए कोई सम्मान नहीं बचा है। मैं इस मानसिक पीड़ा को और अधिक सहन नहीं कर सकता। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी में उनके साथ जो व्यवहार हो रहा है, उससे उनके सम्मान को ठेस पहुंची है।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर साधा निशाना

जीवन रेड्डी ने सीधे तौर पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का नाम लेते हुए कहा कि उनके साथ हुए अन्याय में मुख्यमंत्री भी एक कारण हैं। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी के कारण मेरे सम्मान को ठेस पहुंची है। हालांकि मैं उनका सम्मान करता हूँ, लेकिन मेरी समस्या का समाधान उनके पास भी नहीं है।उन्होंने पार्टी में अन्य दलों (विशेषकर बीआरएस) से आए नेताओं, जैसे विधायक संजय, को दी जा रही अधिक प्राथमिकता पर गहरा ऐतराज जताया।उन्होंने किसानों की समस्याओं और मेडिगड्डा परियोजना की मरम्मत में हो रही देरी पर भी सरकार को घेरा।

25 मार्च को होगा भविष्य का फैसला

जीवन रेड्डी ने घोषणा की है कि वह 25 मार्च को जगित्याल के बंडारू गार्डन में अपने मुख्य नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ एक बड़ी बैठक करेंगे। उन्होंने कहा, चार दशकों से मेरे साथ चलने वाले कार्यकर्ता और शुभचिंतक मुझे सुझाव दें। आपके सुझावों के आधार पर ही मैं अपने राजनीतिक भविष्य का अंतिम निर्णय लूंगा।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि जीवन रेड्डी जैसे क्लीन इमेज वाले कद्दावर नेता का साथ छोड़ना कांग्रेस के लिए एक बड़ा नुकसान साबित हो सकता है। इससे न केवल करीमनगर जिले में पार्टी कमजोर होगी, बल्कि आलाकमान पर वरिष्ठों की अनदेखी करने के आरोप भी लगेंगे। अब सबकी नजरें 25 मार्च पर टिकी हैं। क्या पार्टी आलाकमान उन्हें मनाने में कामयाब होगा, या जीवन रेड्डी अपनी नई राह चुनेंगे?

रेवंत रेड्डी ने सिद्दीपेट में नई जिला जेल का किया उद्घाटन

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को सिद्दीपेट के इंसानपल्ली गांव में एक नई जिला जेल का उद्घाटन किया। यह कदम राज्य के सुधारात्मक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर माना जा रहा है।

इस जिला जेल को मौजूदा उप-जेल को अपग्रेड करके एक पूर्ण सुविधा के रूप में विकसित किया गया है। 32 एकड़ में फैले इस परिसर को आधुनिक बुनियादी ढांचे, उन्नत सुरक्षा प्रणालियों और एकीकृत पुनर्वास सुविधाओं के साथ तैयार किया गया है। जेल की आधिकारिक क्षमता 415 कैदियों की है, जिसमें महिला कैदियों के लिए 50 बिस्तरों वाला एक समर्पित बैरक भी शामिल है। इसका मुख्य उद्देश्य मौजूदा जेलों में भीड़भाड़ को कम करना और सुरक्षा मानकों में सुधार करना है।

इस जेल परिसर की एक प्रमुख विशेषता 'स्वास्तिक मॉडल' उच्च सुरक्षा बैरक है, जिसे कैदियों के प्रबंधन और निगरानी को बेहतर बनाने के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया है। इसके अलावा, पूरे परिसर में वॉचटावर, उन्नत निगरानी प्रणाली सुरक्षित परिधि दीवारें और स्टाफ के लिए आवासीय क्वार्टर बनाए गए हैं। जेल के कुशल प्रशासन के लिए सरकार ने 58 नए पदों को मंजूरी दी है, जिससे कुल स्टाफ की संख्या 66 हो गई है।

नया जेल परिसर केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें कैदियों के सुधार के लिए प्रशासनिक ब्लॉक, अस्पताल, आधुनिक रसोई, कार्यशालाएं और कानूनी सहायता क्लिनिक जैसी सुविधाएं भी शामिल हैं। शिक्षा के लिए स्कूल, पुस्तकालय और बहुउद्देश्यीय हॉल भी बनाए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, यह सुविधा आधुनिक, सुरक्षित और सुधार-उन्मुख प्रणाली बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जहाँ कैदियों के मानवीय प्रबंधन पर जोर दिया जाएगा।

इस उद्घाटन समारोह में मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा, दुद्दीला श्रीधर बाबू, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, पोन्नम प्रभाकर, गद्दाम विवेक वेंकट स्वामी, तुम्मला नागेश्वर राव और कारागार एवं सुधारात्मक सेवाओं की महानिदेशक डॉ. सौम्या मिश्रा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

आईजेयू ने युएनआई कार्यालय को सील करने की निंदा की, इसे प्रेस की स्वतंत्रता पर हमला करार दिया

हैदराबाद, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। इंडियन जर्नलिस्ट्स यूनियन (आईजेयू) ने रविवार को देश की राजधानी में यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया (यूएनआई) के कार्यालय को जबरन सील करने और उस पर कब्जा करने के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया है। आईजेयू ने इस कार्रवाई को लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताया है।

एक आधिकारिक बयान में, आईजेयू के अध्यक्ष के. श्रीनिवास रेड्डी और महासचिव बलविंदर सिंह जम्मू ने कहा कि जिस तरह से शुक्रवार शाम रफी मार्ग स्थित यूएनआई कार्यालय को कथित तौर पर उच्च न्यायालय के आदेशों का हवाला देते हुए कब्जे में लिया गया, वह चौंकाने वाला है।

उन्होंने दिल्ली पुलिस और भूमि एवं विकास कार्यालय के अधिकारियों की भूमिका पर गंभीर चिंता व्यक्त की। आईजेयू नेताओं ने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई कर्मचारियों को पूर्व सूचना दिए बिना की गई, जिससे उन्हें अपना निजी सामान इकट्ठा करने का मौका भी नहीं मिला। उन्होंने इस ऑपरेशन की आलोचना करते हुए इसे मानक प्रशासनिक प्रक्रिया के बजाय एक पुलिस छापे जैसा बताया।

आईजेयू ने उन रिपोर्टों और दृश्यों पर भी गहरा दुख व्यक्त किया है, जिनमें यह संकेत मिलता है कि ऑपरेशन के दौरान महिला पत्रकारों के साथ धक्का-मुक्की की गई।

यूनियन ने पुलिस के इस आचरण की व्यापक जांच और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। आईजेयू ने स्पष्ट रूप से कहा कि इस तरह की कार्रवाई प्रेस की स्वतंत्रता पर सीधा हमला है और लोकतंत्र के चौथे स्तंभ कहे जाने वाले मीडिया का अपमान है।

यूएनआई को एक लंबे इतिहास वाली प्रतिष्ठित समाचार एजेंसी बताते हुए, आईजेयू ने कहा कि यह कार्यालय दशकों से दिल्ली में एक प्रमुख समाचार केंद्र के रूप में कार्य कर रहा है। यूनियन का आरोप है कि रात के समय कार्यालय को सील करना और समाचार एकत्र करने व उसके प्रसार को बाधित करना पत्रकार बिरादरी को डराने-धमकाने के समान है। आईजेयू ने सरकार से इस मामले में हस्तक्षेप करने और मीडिया संस्थानों की स्वायत्तता बनाए रखने का आग्रह किया है।

भट्टी ने एकीकृत आवासीय विद्यालय के निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिए

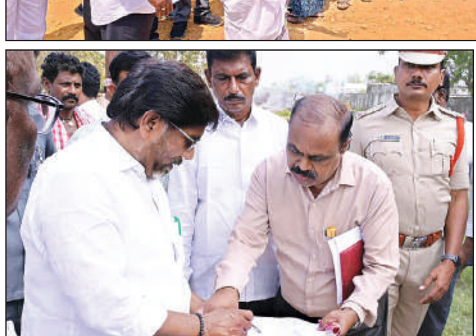

हैदराबाद, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के उप मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने अधिकारियों को मधिरा चुनाव क्षेत्र के बोनाकल मंडल के लक्ष्मीपुरम गांव में एकीकृत आवासीय विद्यालय के निर्माण में तेज़ी लाने का निर्देश देते हुए इस बात पर ज़ोर दिया है कि शिक्षा उनकी सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है।उप मुख्यमंत्री ने रविवार को एक निरीक्षण के दौरान चल रहे निर्माण कार्यो की प्रगति की समीक्षा की और जूनियर छात्रावास इमारत , जूनियर और सीनियर शैक्षिणक ब्लॉक और प्रशासनिक ढांचे सहित, कई निर्माणाधीन सुविधाओं का दौरा किया।उन्होंने मैकेनिकल, विज्ञान , गणित और कंप्यूटर लैब जैसे विशेष बुनियादी संरचनाओं की प्रगति की भी जांच की और अधिकारियों और ठेकेदारों को गुणवत्ता से समझौता किए बिना काम की रफ़्तार तेज़ करने का निर्देश दिया।

उन्होंने शिक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्वता पर ज़ोर देते हुए कहा कि इस क्षेत्र पर खर्च किया गया हर रुपया आने वाली पीढ़ियों के निर्माण में एक निवेश है। उन्होंने एकीकृत आवासीय विद्यालय को सीखने के दूरदर्शी मंदिर'बताया जो छात्रों के बेहतर भविष्य को बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे।

मूसी नदी पुनर्जीवन के लिए वैज्ञानिक और पारिस्थितिकी आधारित दृष्टिकोण जरूरी : वेदिरे श्रीराम

हैदराबाद, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के सलाहकार और केंद्रीय जल संसाधन मंत्रालय के पूर्व सलाहकार वेदिरे श्रीराम ने मूसी नदी के पुनर्जीवन के लिए वैज्ञानिक और पारिस्थितिकी-आधारित दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस परियोजना को केवल नदी तट सौंदर्यीकरण तक सीमित रखना उचित नहीं होगा।

श्री श्रीराम ने रविवार को राजभवन रोड स्थित एक निजी होटल में भाजपा की तेलंगाना इकाई द्वारा आयोजित मूसी नदी का पुनरुद्धार: तथ्य विषय पर चर्चा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वास्तविक नदी पुनर्जीवन का मतलब नदी को एक जीवित पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में बहाल करना है, जहां बेहतर जल गुणवत्ता और जलीय जीवों की वापसी सफलता के संकेत होते हैं।

श्री श्रीराम ने बताया कि नदी एक जटिल प्रणाली है, जिसमें भूमिगत जलधाराएं, भूजल, तलछट प्रवाह, मौसमी बदलाव और तटीय क्षेत्र (रिपेरियन ज़ोन) शामिल होते हैं, जो प्राकृतिक फिल्ट्रेशन और जैव विविधता के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि इन पहलुओं की अनदेखी कर केवल कंक्रीट ढांचे पर ध्यान देने से नदी का पारिस्थितिक संतुलन और बिगड़ सकता है।

उन्होंने तीन चरणों में एक व्यापक योजना का प्रस्ताव रखा, जिसमें ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र, हैदराबाद का शहरी हिस्सा और निचले प्रवाह क्षेत्र शामिल हैं। ऊपरी क्षेत्रों में फीडर नदियों को बहाल करने के लिए 'रिज-टू-वैली' दृष्टिकोण अपनाने, चेक डैम और जल संरक्षण संरचनाएं बनाने पर जोर दिया।

शहर के हिस्से के लिए उन्होंने बिना उपचारित सीवेज को सबसे बड़ी समस्या बताते हुए इंटरसेप्टर सिस्टम लगाने की सलाह दी, ताकि केवल शुद्ध पानी ही नदी में पहुंचे। साथ ही, बफर ज़ोन को वैज्ञानिक तरीके से तय करने और बड़े पैमाने पर लोगों के विस्थापन से बचने की बात कही।

निचले क्षेत्रों जैसे नलगोंडा और मिर्यालगुडा पर प्रभाव का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि गिरती जल गुणवत्ता से खेती, पशुधन और जनस्वास्थ्य प्रभावित हो रहे हैं। इसके समाधान के लिए डी-सिल्टिंग, वेटलैंड विकास और प्राकृतिक शुद्धिकरण प्रणाली अपनाने की जरूरत बताई।

उन्होंने पूरे नदी तंत्र की निगरानी के लिए 'मूसी रिवर बेसिन अथॉरिटी' गठित करने और जल गुणवत्ता के आंकड़ों को रियल-टाइम में सार्वजनिक करने की सिफारिश की। साथ ही, उन्होंने कहा कि इस परियोजना की सफलता के लिए विशेषज्ञों, स्थानीय समुदायों और अन्य हितधारकों की व्यापक भागीदारी आवश्यक है।

श्री श्रीराम ने कहा कि मूसी नदी का पुनर्जीवन केवल एक विकास परियोजना नहीं, बल्कि दीर्घकालिक पर्यावरणीय और सामाजिक मिशन है, जिसमें नदी के प्राकृतिक जीवन तंत्र की बहाली को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

भाजपा ने मूसी नदी के पुनरुद्धार पर चिंता जताई स्पष्टता और पुनर्वास नीति की मांग की

हैदराबाद, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने प्रस्तावित मूसी नदी पुनर्जीवन परियोजना को लेकर राज्य सरकार पर गंभीर सवाल उठाए हैं। पार्टी ने इसकी व्यवहार्यता, लागत और आम लोगों पर पड़ने वाले असर को लेकर स्पष्ट नीति की मांग की है।तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन रामचंद्र राव ने राजभवन रोड स्थित एक निजी होटल में आयोजित मूसी नदी का पुनरुद्धार-तथ्य कार्यक्रम में कहा कि नदी की सफाई जरूरी है, लेकिन यह गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों की कीमत पर नहीं होनी चाहिए।उन्होंने कहा कि मूसी नदी केवल हैदराबाद तक सीमित नहीं है, बल्कि कई जिलों से होकर गुजरती है और हजारों किसानों की आजीविका का आधार है। बढ़ता प्रदूषण खेती और जनस्वास्थ्य के लिए खतरा बन रहा है, इसलिए व्यापक स्तर पर शुद्धिकरण आवश्यक है।भाजपा नेता ने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के तहत कितने घरों को तोड़ा जाएगा, इस पर सरकार के अलग-अलग बयानों से जनता में भ्रम की स्थिति है। साथ ही, करीब 3,000 एकड़ भूमि अधिग्रहण की बात सामने आने से किसानों और हैदराबाद की सब्जी आपूर्ति पर असर पड़ने की आशंका जताई गई।श्री राव ने दोहराया कि भाजपा नदी की सफाई, सौंदर्यीकरण या पर्यटन विकास के खिलाफ नहीं है, लेकिन किसी भी विस्थापन से पहले पुनर्वास नीति लागू होना जरूरी है। उन्होंने बफर जोन के विस्तार के प्रस्ताव की आलोचना करते हुए इसे भेदभावपूर्ण और अन्यायपूर्ण बताया, खासकर उन मध्यमवर्गीय परिवारों और पूर्व सैनिकों के लिए जिन्होंने कर्ज लेकर घर बनाए हैं।उन्होंने सरकार से पारदर्शी और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाने तथा परियोजना की लागत पर स्पष्ट जानकारी देने की मांग की।

तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष ने मोदी को सरकार के प्रमुख के तौर पर रिकॉर्ड बनाने के लिए बधाई दी

हैदराबाद, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष एन रामचंदर राव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सरकार के प्रमुख के तौर पर रिकॉर्ड बनाने के लिए बधाई दी।

श्री राव ने प्रदेश पार्टी इकाई द्वारा ''मूसी नदी रिजुविनेशन एंड फैक्ट्स'' पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि यह भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए गर्व का पल है कि श्री मोदी ने मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के तौर पर सरकार के प्रमुख के तौर पर कुल 8,931 दिन पूरे किए और सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

उन्होंने इसे भारत के राजनीतिक इतिहास में एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए भाजपा और तेलंगाना के लोगों की ओर से प्रधानमंत्री को दिल से बधाई दी और उनके लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.